हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 सितम्बर, 1983

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 15 सितम्बर, 1983

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकित–प्र नों के लिखित उतर	(4) 19
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)24
वाक आउट	(4) 27
विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(4) 27
गैर–सरकारी संकल्पः–	
(i) अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील को औद्योगिक दृश्टि से पिछड़ा क्षेत्र घोशित करने संबधी (पुनरारम्भ)	(4) 27
(ii) एस0वाई0 एल0 कैनाल के निर्माण संबधी (नाट कन्कलूडिड)	(4) 34

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 15 सितम्बर, 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Compensation to the farmer affected by hailstorm

***447. Shri. Hari Chand Hooda**: Will the Minister of State for Revenue & Home be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that the compensation for the loss caused by the hailstorm in district Rohtak during the year 1980-81, has not been paid so far; if so, the reasons for delay;

(b) Whether half of the amount of compensation of hailstorm is yet to be paid for the last two years in the villages Titoli, Jasia, Chamri, Damar, Makroli, Kiloi, Khadwali, Sanghi, Ladot and other affected villages of Kiloi constituency; and

(c) The time by which the payment will be made?

Minister of State for Revenue (**Shri Lachman Dass Arora**):

(a) No,

(b) & (c) No. In the year 1980-81 there was no damage to crops due to hailstorm in any village of KIloi constituency. Hence the question of disbursement of balances does not arise. However, 29 villages in this constituency were affected during the year 1981-82. Full compensation to all the villages except village Para, Jassia and Titoli has since been paid. In villages Jassia and Titoli part payment has already been made. Disbursement of balances in various villages will be completed soon after the district staff is free from flood duties.

श्री हरि चन्द हुड्डा: स्पीकर साहब, गवर्नमैंट ने पहले तो अपने जवाब में न की है लेकिन आगे जाकर हां कर दी हैं कि कुछ गांवों में अभी कम्पनसे ान देना बकाया हैं। मै सरकार को बताना चाहता हूं कि ओलावृश्टि के मामले में मेरे इलाके की बड़ी दुर्द ाा हुई है। फल्ड भी मेरे इलाके में काफी आया हुआ हैं। अब कम्पनसे ान देने के मामले मै इस इलाके की दुर्द ाा तो सरकार नहीं करेगी ? इस बारे मैं सरकार मुझे आ वासन दे कि ऐसा नहीं होगा वरना अब से दो घटें मैं प्रोटैस्ट करूंगा। (व्यवधान व भाोर).....

श्री अध्यक्ष: आप प्रोटैस्ट तो अब भी कर सकतें हैं।

श्री लक्षमण दास अरोड़ा: स्पीकर साहब इनका कोई क्वै चन ही नहीं बनता,मैं जवाब क्या दूं।

श्री अध्यक्ष: यह आ वासन मांगते हैं कि फल्ड का कम्पनसे ान ठीक तौर पर दे दिया जायेगा।

श्री लक्षमण अरोड़ा: स्पीकर साहब, मैने इनको 13 तारीख को ही सारी डिटेल्ज दे दी थी। बाकी जो पैसा मुआवजे का देना बकाया हैं वह भी हम इसी महीने बांट देगें।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से एक सवाल पूछना चाहता हूं। चौधरी देवी लाल की सरकार ने जिस पैटर्न पर हेलस्टार्म का कम्पनसे ान दिया था। क्या उसी पैटर्न पर फलूड का मुआवजा देने पर यह सरकार विचार कर रही हैं क्योंकि फल्ड से काफी तबाही हुई

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, जहां तक हेल–स्टार्म का सवाल हैं उसका मुआवजा उसी तरह से दिया जा रहर हैं। जहां तक फल्ड का सवाल हैं इसका मुआवजा फल्ड के हिसाब से दिया जायेगा।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री: (**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला**): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से डाक्टर साहब को यह बता देना चाहता हूं कि 1977 में जितने फाल्डज आये थे और जितना कम्पनेस ान उस वक्त दिया गया था उतना हम देने के लिये तैयार है।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, भाायद मेरा क्वै चन मंत्री महोदय नहीं समझे हैं। मेरा सवाल यह हैं कि फल्ड के कारण जो फसल तबाह हुई हैं क्या सरकार उसका कम्पनसे ान हेल–स्टार्म के पैटर्न पर देने के लिए विचार करेगी?

Mr. Speaker: Question is regarding damage caused by hailstorm.

श्री मंगल सैन: वह तो बात आपको ठीक हैं लेकिन क्रोप डैमेज चाहे हेल–स्टार्म से हो या फलड से दोनो ही नैचुरल कैलोमिटीज हैं।

Mr. Speaker: Hon'ble Minister has to consult the Chief Minister and other colleagues before announcing any policy statement. How can he make any statement without such consultation?

Shri. Mangal Sein: They have joint responsibility, Sir, and he is quite competent. All the Ministers are equally responsible.

Mr. Speaker: That is true and I agree with you. But while making a policy of statement, he has to consult the Chief Minister.

Shri. Mangal Sein: It is not necessary, Sir.

Mr. Speaker: The question is very simple. This question relates to payment of compensation to Kiloi constituency for the damage caused by hailstorm during the year 1980-81.

Shri. Mangal Sein: Sir, my humble submission is that I am asking the question regarding Kiloi constituency. मै यह पूछा रहा हूं कि जिस पैटर्न पर हेल–स्टार्म से हुई फसलों की तबाही का कम्पनसे ान दिया गया हैं, क्या उसी पैटर्न पर किलाई कांस्टीस्यूएंसी से फलड् की वजह से हुए फसलों के नकुसान के लिये कम्पनसे ान दिया जाऐगा?

Mr. Speaker: I do not allow this question.

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया हैं कि 1980–81 में कोई हेल–स्टार्म से फसल डैमेज नहीं हुई हैं। लेकिन 1981–82 में 29 गांवों मैं डैमेज जरूर हुआ हैं। इन में से कुछ गांवो को हेलस्टार्म का कम्पनसे ान दे दिया हैं लेकिन कुछ गांवो में देना बाकी रहता हैं। 1981–82 में जो डैमेज हुआ था उसको हुए लगभग डेढ साल हो गया हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि कुल कितना कम्पनसे ान दिया जाना था उसमें से कितना दे दिया गया हैं कितना बकाया रहता है और जो बकाया रहता हैं वह अब तक क्यों नहीं दिया गया?

श्री लछमन दास अरोडा: स्पीकर साहब, जहां तक हमारे भाई वीरेन्द्र सिहं जी के क्वैचन के जवाब का ताल्लुक है मैं उनको बताना चाहता हूं कि जिस साल के बारे में आनरेबल मैम्बर ने सवाल पूछा था उस साल यानी 1980–81 में कोई हेलस्टार्म नहीं हुआ था । तो हेलस्टार्म 1981–82 में हुआ था उसके बारे में दिया

हैं कि वहां पर 29 गावो में हेलस्टार्म की वजह से नुकसान हुआ था। जिन में से 26 गांवो को कम्पलीट पेमैट कर दी गयी है दो का पार्ट पेमैट नहीं की गयी हैं। इन्होने जो यह पूछा है कि अब तक क्यो पेमैट नहीं की हैं, हम इसकी वजह मालूम करने की कोि ा ा कर रहे है।

श्री अध्यक्षः इन्होंने यह पूछा हैं कि कितना पैसा देना था और कितना दे दिया गया हैं?

मुंख्य मंत्रीः (**चौधरी भजनलाल**): सर, यह सप्लीमैटरी मूल कवैचन से रैलेवैन्ट तो है नही लेकिन फिर भी मैं बता देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने ठीक कहा हैं कि 1980–81 में हेलस्टार्म की वजह से नुकसान का कोई कम्पनसे ान नहीं दिया गया जबकि हेलस्टार्म वहां पर हुआ हैं 1981–82 में। हमने 1981–82 की भी जवाब दिया हैं। रोहतक में हमने टोटल 19,01,200 रूपया आलावृश्टि के मुआवजे के लिये सैक ान किया था। इसमे से 17,80,000 रूपया डिसबर्स हो चुका हैं। सिर्फ 1 लाख 20 हजार के लगभग बकाया रहता हैं। मैं सदन को वि वास दिलाना चाहता हूं कि हम इस रा ि ा को भी एक महीने के अन्दर बांट देंगे।

चौधरी नर सिंह ढांडाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने ओलावृश्टि की वजह से हुए नुकसान के मुआवजे के बारे में बताया हैं। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के पाई के 3 गांवों

मैं 81,000 रूपया बंटना हैं वह अभी तक नहीं बंटा हैं इसका क्या कारण हैं?

श्री अध्यक्ष: यह सवाल तो किलोई कांस्टीच्यूएंसी का हैं। आप बैठ जाइए।

Water supply schemes in Bahadurgarh Constituency

***453. Ch. Maqge Ram**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) The number of water supply schemes in the Bahadurgarh constituency so far completed together with the number of such schemes which are still in the process of completion;

(b) The number of completed schemes, out of those referred to in part (a) above, which are supplying water; and

(c) The time by which the incomplete schemes as referred to in part (a) above are likely to be completed?

मुंख्य मंत्री: (**चौधरी भजन लाल**):

(क) 14 स्कीमें पूर्ण हा चुकी हैं तथा 5 स्कीमों का कार्य प्रगति पर है।

(ख) 13 स्कीमे।

(ग) 31—3—1985.

चौधरी मांगे राम: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दिया हैं कि वहां पर 13 स्कीमें ऐसी हैं जिनमें पानी चल रहा हैं । मेरा कहना यह हैं कि यह बिल्कुल गलत हैं वहां पर सिर्फ दो डिगियों में पानी चल रहा हैं। बाकी की 11 डिग्गियों तो अभी तक भी कम्पलीट नही हुई हैं वह कब तक कम्पलीट हो जायेगी?.....(व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्ष: आपने जो सवाल पूछा था उसका जवाब तो आ गया हैं अगर इसमें कोई कन्ट्राडिक ान हैं तो आप सप्लीमैट्रीं पूछ सकते हैं।

चौधरी मांगे राम: स्पीकर साहब, मेरा कहना यह हैं कि 13 में नहीं बल्कि 2 डिग्गियों एक निलौठी और दूसरा रोहद मे पानी चल रहा हैं। दो को छोड कर बाकी किसी डिग्गी में पानी नहीं चल रहा हैं।

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ हल्का ऐसा हैं जिसमें टोटल 40 गांव ऐसे हैं जिनमें पानी पहले ही दिय जा चुका हैं। 7 गांवों के लिऐ हमने 5 स्कीमें बनायी हुई है। और इन स्कीमों पर काम चल रहा हैं और यह काम 1985 तक कम्पलीट हो जायेगा। मेरा कहनक का मतलब यह है कि 1985 तक टोटल हलका कवर हो जायेगा। जो दो स्कीमें अभी बाकी हैं वह हैं जसोरखेडी और खेडा जसोर। इन जगहों पर जून के महीने में जो नहर और वर्क्स की बीच में खाल बनायी गयी थी

वह टूट गयी हैं। उसके बाद फलडज आ गये। अब इस महीने में इस स्कीम को भी चालू कर देगे।

श्रीमती चन्द्रावती: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ने कहा हैं कि 33 गावों को पानी दिया जा रहा हैां यह सही नहीं हैं। मैं इसको रिफ्यूट करती हूं और कहना चाहती हूं कि सिर्फ दो स्कीम्ज के तहत पानी दिया जा रहा हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बात की इंक्वायरी करवाएंगे कि किसने उनको यह गलत खबर दी है?

चौधरी भजनलाल: बहन जी जिन गांवों को पानी नही दिया जा रहा हैं उनके नाम बता दीजिए। हमारे हिसाब से तो 33 गांवो को पानी दिया जा रहा हैं। अगर उनके नोटिस मै कोई ऐसे गांव हैं जहां पानी नहीं जा रहा हैं तो वे उनके नाम बता दे या लिखकर भिजवा दें अगर कहीं कमी हैं तो वह भीघ्र पूरी कर दी जाएगी।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, वाटर सप्लाई की जो पहले स्कीम्ज बनाई गई थी वे पांच गैलन के हिसाब से बनाई गई थी। लेकिन उसके बाद आबादी काफी बढ गई थी जिस की वजह से उन जगहों पर पानी की कमी हो गई। क्या मुंख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जो अब पानी की स्कीम्ज बनाई जा रही है वे किनले गैलन की हैं और जो पहले की स्कीम्ज हैं

क्या उनको आबादी के हिसाब से बढाने की सरकार की कोई तजवीज हैं?

श्री अध्यक्ष: यह सवाल बहादुरगढ़ के बारे में हैं। आप कहां की बात कर रहे है?

चौधरी सुरेन्द्र सिंह: मैं तो पौलिसी की बात कर रहा हूं और पौलिसी मे सारे हरियाणा की बात आ जाती हैं।

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय पांच गैलन की स्कीम 1970–72 की हैं। अब वाटर सप्लाई की स्कीम दस गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से बनाते हैं।

श्री भले राम: अध्यक्ष महोदय, अब जो फलड आया है उसकी वजह से बहुत से गांवों के कुएं खराब हो गए हैं और वहां पर टैंकर पानी देने जाते हैं। ऐसे गांवों में कथूरा एक गांव हैं जिस में टैकर पानी देने आता है। क्या मुंख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि अगली बार जब सैनिटरी बोर्ड की मीटिंग होगी एस मीटिंग में फैसला कर के क्या ऐसे गांवों को वाटर सप्लाई के मामले में प्रैफ्रैस दिया जाऐगा?

श्री अध्यक्ष: इस सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: मुख्य मंत्री जी ने बताया हैं कि बहादुरगढ़ ऐसी कांस्टीच्यूऐसीं है जिसमें चालीस गांव हैं और 33

गांवों में वाटर सप्लाई की स्कीम पूरी हो चुकी हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वाटर सप्लाई की कितनी स्कीम्ज 1979 के बाद पूरी हुई है।और उन स्कीम्ज में से कितनी 1979 के बाद चालू हुई है?

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय जैसा कि मैनें पहले बताया है कि चौदह स्कीम्ज पूरी हो चुकी है। पांच स्कीम्ज पर काम चल रहा है जिनमें सात गांव हैं। ये पांच स्कीम्ज 1985 कत कम्पलीट हो जायेगी और ये ज्यादातर स्कीम्ज 1979 की बाद की हैं।

श्री देवी दास: मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि बहादुरगढ़ में पांच स्कीम्ज हैं जो 31–3–1985 तक कम्पलीट हो जाएंगी। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे के ये स्कीम्ज कब चालू हुई थी और हरियाणा के अन्दर कितनी ऐसी स्कीम्ज हैं जो पांच छः साल से अधूरी पड़ी है।

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय, एक स्कीम मान्डेठी है। इस पर 27 लाख 97 हतार रूपया लागत आएगी और हमने 17 लाख रूपया दे दिया है। इस पर काम चालू है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावती: क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जब से आप मुख्य मंत्री बने है। तब से आदमपुर में

वाटर सप्लाई की कितनी स्कीम्ज भुरू की गई है (ाोर एवं व्यवधान)?

चौधरी भजनलाल: मैं बता रहा हूं कि कहां कहां वाटर सप्लाई की स्कीम्ज भुरू कर रखी है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष: मैं लीडर आफ दि अपोजी ान को कहना चाहता हूं कि क्या यह कंडक्ट ठीक हैं कि लीडर आफ दि हाउस जवाब देने के लिए खडें हों तो कई मैम्बर्ज एक साथ खडें हो जायें। चौधरी कुलबीर सिंह खड़ें है चौधरी सम्पत सिंह खडें हैं और उधर चौधरी धीरपाल सिंह खडें है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावती: ये अब बैठ गये है।

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय दूसरी स्कीम पाई की है इस पर 18 लाख 4 हजार रूपया खर्च आना है। 13 लाख रूपया हम दे चुके है और काम चालू हैं। तीसरी स्कीत ककरौली की हैं इस पर 21 लाख 31 हजार रूपया लागत आएगी। 13 लाख 35 हजार रूपया हम दे चुके है। चौथी स्कीम पर 5 लाख 10 हजार रूपया लागत आएगी 2 लाख 50 हजार रूपया हम दे चुके है। पांचवी स्कीम फरखाबाद की है इस पर 35 लाख 10 हजार रूपया लागत आएगी । 21 लाख रूपया हम दे चुके हैं और काम चालू हैं उम्मीद हैं 1985 तक कम्पलीट हो जाऐगी। अध्यक्ष महोदय, ये सारी स्कीम्ब पिछले दो सालों के अन्दर चालू हुई है।

अध्यक्ष महोदय, आदमपुर के बारे में पूछा गया हैं मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि उस इलाके की नुमाइंदगी आज से नहीं कर रहा हूं। जब से मैने पोलिटिक्स में हिस्सा लेना भाुरू किया है पंचायत समिति के चेयरमैन के नाते एम0 एल0 ए0 और मंत्री के नाते उस इलाके की जो भी समस्याएं है जैसे पीने के पानी की समस्या सडको की समस्या ओर जो भी उस इलाके के जरूरी काम थे वे मैने उस वक्त ही करवा लिए थे। मुख्य मंत्री बनने के बाद तो मैने उस इलाके के बहुत कम काम कराए है।

श्री मंगल सैन: मुख्य मंत्री जी ने बताया हैं कि बहादुरगढ़ चुनाव क्षेत्र के चालीस गांवो में से 33 गावों में पानी का बदोबस्त हो गया है और सात जगहों पर काम चालू है। हमने इन कामों की डेट पूछी थी कि ये स्कीम्ज कब भाुरू हुई थी लेकिन वे ये नहीं बता पाए भाायद पढ़ने में दिक्कत होगी । क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की क ृपा करेंगें कि क्या हरियाणा के दूसरें चुनाव क्षेत्रों में भी इसी प्रकार से वाटर वर्क्स लगाएगें जिस प्रकार से बहादुरगढ़ चुनाव क्षेत्र मे किया जा रहा है?

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय जिन गांवो में पानी अच्छा नहीं है जो प्रोब्लम विलेज है उनको हम पहल दे रहे है। इस स्टेट के नागरिको को पीने का पानी सप्लाई करना इस सरकार का कर्तव्य है सारा डैटा इक्ट्ठज्ञ करके स्कीम्ज बना रहे है। अध्यक्ष महोदय आप जानते हैं कि हर काम के लिए पैसे की

आव यकता होती हैं ज्यों ही साधन उपलबंध होंगे हम उन गांवों को पहले पानी देंगे जहां पीने का पानी अच्छा नहीं है।

श्रीमती बसन्ती देवी: अध्यक्ष महोदय, मैं सांपला वाटर वर्क्स की बात कर रही हूं जिस दिन से मै एम0 एल0 ए0 बनी हूं... .....(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: यह सवाल बहादुरगढ़ के बारे में हैं। सांपला के बारे में नहीं है।

चौधरी धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, दिसोरखेडी में एक नाला पानी लाने के लिये सरकार ने बनवाया था जो अब टूट गया हैं। और इसमे काफी बरबादी हुई है। सरकार ने कहा कि वह बारि ा की वजह से टूटा है। क्या इस बात की कोई जांच करवाएंगे? दूसरा सवाल यह है कि सोलदा वाटर वर्कस पर काम चालू था लेकिन अब वह काम बन्द कर दिया गया है ओर सामान वगैरह भी उठा लिया गया है। ये कह रहे है कि वहां पर काम चालू हैं। आप इस हाउस की एक कमेटी बना दीजियेगा जोकि इस बात की जांच करे कि वाकई वहां पर काम चालू हैं या नहीं। सरकार ने हाउस को गलत सूचना ही है कि काम चालू है।

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने खुद ही सवाल किया और खुद ही उसका जवाब भी दे दिया कि वहां पर काम चालू था सामान पडा था लेकिन अब उठा लिया गया है। अध्यक्ष महोदय, काम वहां पर चालू था तभी तो सामान पड़ा

था। दिसोखेड़ी का नाला जो था उस के बारे में यह तथय है कि 31—10—1982 को यह स्कीम चालू हुई थी लेकिन 1—6—83 को 8 महीने के बाद यह खाल टूट गया। बधाई का खाल था ऊपर से पक्का था और नीचे से मिट्टी थी। पानी का लैवल नही के बराबर करना पड़ा। बाद में फलड आ गया तो यह बांध टूट गया। अब 15 दिनों के अन्दर अन्दर दिसोरखेडी स्कीम का काम चालू हो जाएगा और पानी देना भुरू कर देगे।

Imposing of power cut

***474. Shri Kitab Singh**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) Whether any power cut was imposed in the State during the period from 15-4-1983 to 15-5-1983 in agricultural and industrial sectors; and

(b) The feeder-wise units of power supplied daily to the agricultural sector and to the industrial sector separately during the aforesaid period, togetherwith the feeder-wise units of power supplied to the agricultural sector and the industrial sector, separately during the period from 15-7-1983 to 6-8-1983?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरेजावाला):

(क) दिनांक 15—4—83 से 15—5—'83 के दौरान के नियमित उपायों का ब्यौरा इस प्रकार हैं कि दिनांक 3—5—83 से

11—5—83 तक इन 9 दिनों की अवधि में इडस्ट्रींज में दो आफ डेज आन स्टैगर्ड बेसिज पर पावर कट रहा। लेकिन एग्रीकलचर में कोई कट नहीं रहा । बाकी के दिनों मैं भी कोई कट नहीं था।

(ख) सूचना इकट्ठी करने मै जो समय और परिश्रम लगेगा उससे वि ोश लाभ न होगा।

श्री किताब सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या किसी एक फीडर के बारे मे बता सकते हैं कि फलां फीडर को बिजली की पूरी सप्लाई दी गयी हैं?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरेजवाला: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मै बिजली के 1100 फीडर है। इन मै से कौन से फीडर के बारे मे मैम्बर साहेबान पूछना चाहते हैं? जहां तक 24 घटें पूरी सप्लाई देने का सवाल हैं मुतवातर 24 घण्टें तो किसी को भी नहीं दी जा सकती और यह फिजीबल भी नहीं है। कि लगातार 24 घटे बिजली दी जा सके। जहां तक एग्रीकलचर इडस्ट्रीज वगैरह का संबध है इन को हम उपलब्धि और आव यकता के अनुसार बिजली सप्लाई करने का प्रयत्न करते है।

श्री हरि चन्द हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मारफत मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो इन्होंने बिजली के 1100 फीटर बताए हैं उन में कितने देंहातों में ओर कितने भाहरों में है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरेजावाला: अध्यक्ष महोदय, 95 परसैन्ट मिक्सड फीडर है।

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, हमारे लायक वजीर श्री भाम ोर सिंह सुरेजेवाला जी ने अपना जवाब प्रस्तुत करते हुए कुछ सन्देह सा पैदा कर दिया है। उन्होने अपना जवाब कुछ क्लीयर नहीं किया। उन से कैटेगोरीकली पूछा गया लेकिन इन्होने बताते हुए कुछ कंफयूजन सा पैदा कर दिया है। अपना लिखित जवाब जो टेबल पर रखा है उस के पार्ट (क) में उन्होने कह दिया कि दिनांक 15–4–83 से 15–5–83 तक बिना किसी कटौती के पूरी सप्लाई दी गयी और साथ ही जवाब में यह भी कह दिया कि स्टैगर्ड (रूक रूक कर) आधार पर एक सप्ताह में 2 दिन बन्द ओर कृशि के लिए 12 से 14 घटें नियमित सप्लाई की गयी और इसी तरह आगे लिखित सप्लाई में इन्होनें कहा कि दिनांक 3–5–83 से 11–5–83 तक औद्योगिक क्षेत्र में सप्ताह मैं एक दिन बन्द और कृशि के लिए 14 घटें नियमित सप्लाई की गई। अन्त में पार्ट (ख) के जवाब में यह कह दिया कि सूचना इकट्ठी करने में जो समय और परिश्रम लगेगा उससे वि ोश लाभ नही होगा। स्पीकर साहब, सूचना केवल 15–7–83 से 6–8–83 तक 21 दिनों की थी कोई लम्बी चौडी नहीं थीं मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस पीरियड में इनके पास कट के सम्बन्ध मे एग्रीकलचर इडस्ट्रीज या कमर्ि ाल साईड से क्या कोई ि ाकायतें प्राप्त हुई हैं?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, डाक्टर साहब ने अपने सवाल को तीन हिस्सों में पूछा हैं सो मै एक एक करके उनका जवाब देता हूं। डाक्टर साहब को जब मैनें मूल प्र न की रिप्लाई पढ़ी थी तो मैं ने जानबूझ कर उसमें दी हुई तिथियां नहीं पढ़ी थी ताकि कंफूयूंजन न हा जाए। उद्योगों को महीने में सिर्फ 9 दिन के लिए बिजली स्टैगर्ड आधार पर बन्द थी। दूसरी बात डाक्टर साहब ने यह कही के फीडर वाईज कितने यूनिट्स इंडस्ट्रीज को कितने एग्रीकलचर को और कितने दूसरे कमर्ि ायल या डोमैसटिक साईड पर दिये गये उसका उतर यह हैं कि सारी स्टेट मैं 1100 फीडर, 150 सब स्टे ान हैं और से फीडर मिकस्ड है। उनमें एग्रीकलचर इंडस्ट्रीज और दूसरे सैक्टर का ब्यौरा यूनिट वाइज नही बताया जा सकता कि कितने रोज एग्रीकलचर मैं बिजली दी गयी है। हम बिलज बेसिज पर मोटे तौर पर बता सकते हैं कि एग्रीकलचर को कितने यूनिट्स इंडीस्ट्रीज को कितने यूनिट्स और दूसरे सैक्टर्ज को कितने यूनिट बिजली सप्लाई की गयी है। मिकस्ड फीडर होने की वजह से अलग अलग फिगर्ज नहीं बतायी जा सकती और इस में कुछ मेंहनत भी करें तो उसका कोई खास यूज नहीं होगा और समय भी काफी नश्ट होगा।

चौधरी कुलबीर सिंह सुरजेंवाला: अध्यक्ष महोदय, क्या मिनिस्टर साहब यह बताने का कश्ट करेगें कि हरियाणा स्टेट इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड के जो चेयरमैन है उन्होंने बराडा में अपने फार्म

पर बिजली की सप्लाई को कंटीन्यू करने के लिये डबल लाइनिंग करवाई हुई हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का प्र न से कोई ताल्लुक नहीं हैं लेकिन मैं जवाब दे देता हूं कि ऐसी कोई बात मेरे नोटिस में नहीं है।

श्री ए0 सी0 चौधरी: अध्यक्ष महोदय, इस वक्त एन0 आई0 टी0 में पांच–पांच नेबरहहुड है जहां पर ए और बी ब्लाक को सोमवार को सी और डी ब्लाक को मंगलवार को बिजली की सप्लाई दी जाती है। ऐसा करने से मार्किट वालों की हालत बहुत ही खराब हो जाती है? उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि हमारे ट्रान्सफारमर्ज ज्यादा लोड नहीं उठा सकते इसलिये हम एक–एक फीडर बन्द रखते है और दूसरे को सप्लाई देते है। नतीजा यह होता हैं कि जब एक मुहल्ले में बिजली होती है। तो दूसरे में नहीं होती है। इसलिये मै सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्शित करना चाहता हु के सरकार लोगों की कठिनाई की तरफ ध्यान दे क्योकि इससे पार्टी और सरकार की बदनामी हेाती है।

10.00 बजे

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, जुलाई के महीने में एग्रीकल्चर सैक्टर को लोड देने के लिये हमने प्रयत्न किया इसके लिये हमने यह सोचा कि इंडस्टी की कुछ बिजली स्टैगर्ड आधार पर काटी जाए। लेकिन चूंकि मिकस्ड फीडर

थे इसलिये ऐ ऐ इंडस्टरी की बिजली काटील ठीक नहीं थी हमने एक्सपैरिमट बेसिज पर यह फैसला किया था कि जिन दिनों इंडस्टरी बन्द करनी हैं उन दिनों फीडर को बन्द रखे। उस तजरबे के बाद हमें ज्ञान हुआ कि इससे दूसरों लोगों को दिक्कत होती हैं यह प्रैक्टिकेबल नहीं है मेरे ख्याल में ये उस अवधि की बात कर रहें है। मुझे उम्मीद हैं कि ऐसी दिक्कत फिर नहीं होगी।

श्रीमती भाारदा रानी: अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब सभी फीडर्ज की फिगर नहीं दे सके क्योकि बहुत लेबर लगती हैं। लेकिन अगर किसी स्पै ाल फीडर के बारे में जाए तो क्या ये बता सकते हैं? या वे चाहते हैं कि बिजली बोर्ड की इनएफीि ाएंसी को कोई एम0 एल0 ए0 या कोई दूसरा व्यक्ति न जान सके इसलिये ये फिगर नहीं देना चाहते। बाज बिजली बोर्ड में 600 करोड़ रूपये का घाटा है। क्या ये एम0 एल0 ए0 और सारी स्टेट को अन्धकार में रखना चाहतें हैं? इनके पास ऐसी फिगर होनी चाहिए थी जिससे हम जान सकें कि कहां पर फीडर कमजोर है और कहां पर ठीक है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: माननीय सदस्ता सवाल करती करती थोडा जजबात में आ गई। इनकी बात में से जो सवाल बन सकता हैं मै उसका जवाब देने का प्रयत्न करूंगा। अध्यक्ष महोदय, फीडर वाइज तो जैसे मैने अर्ज किया था कि इतनी बडी सूचना डाइसैक्ट करनी मुकिन नही है लेकिन मै इनको मन्थवाइज फिगर बता देता हूं कि एग्रीकलचर इंडस्टी और दूसरे

सैक्टर्ज को कितनी बिजली दी गई ।अप्रैल 1983 में एग्रीकल्चर को 60 लाख यूनिटस इंडस्टीज को 55 लाख यूनिटस ओर दूसरों को 15 लाख यूनिट्स। मई 1983 में एग्रीकलचर को 70 लाख इंडस्टी को 55 लाख और दूसरों को 15 लाख यूनिट्स दी गई जून 1983 में एग्रीकलचर को 65 लाख इंडस्टी को 55 लाख और दूसरों को 15 यूनिट्स दी गई। जुलाई, 1983 में एग्रीकलचर को 80 लाख यूनिट्स इंस्डरी को 55 लाख और दूसरों को 15 लाख यूनिटस दी गई। अगस्त, 1983 में एग्रीकल्चर को 70 लाख इंडस्टी को 56 लाख ओर दूसरों को 15 लाख यूनिटस दी गई। इसके अलावा हरियाणा में टोटल थर्मल जनरें ान जनवरी से जुलाई 1981 तक 6 करोड़ 320 यूनिट्स थी और प्लांट लोड फैक्टर 29. 83 था। इसी तरह से जनवरी से जुलाई 1982 में टोटल थर्मल जनरे ान 7 लाख 653 यूनिट्स थी और प्लांट लोड फैक्टर 36.24 था। जनवरी 1983 से जुलाई 1983 तक टोटल थर्मल जनरे ान 8 लाख 260 यूनिट्स थी और प्लांट फैक्टर 39.215 था इसी प्रंकार से टोटल जनरे ान कास्ट जनवरी 1981 से अग्रस्त 1981 तक 49. 44 पैसे, 1982 में 48.34 पैसे और 1983 में 48 पैसे थी। इसो अलावा अगर ये कुछ और जानना चाहते है तो मै वह सूचना भी सप्लाई कर सकता हूं।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो एक्सप्लेन किया है उसको ध्यान मे रखते हुए मैं उनसे जानना चाहता हूं कि इस साल जो वावर फेल्योर रही हैं या कट लग है, वह इसलिये

तो नहीं कि एच0 एस0 ई0 बी0 में मास स्केल पर ट्रांसफर्ज हो गई?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, एच0 उस0 ई0 बी0 का फील्ड स्टाफ पहले अपने घरों के नजदीक लगा हुआ थाउनकेबारे में पब्लिक को यह ि ाकयत थी कि लोग बिजली डिपार्टमैट का काम करने की बजाये बपने घरों का ज्यादा काम करते है। उस बात को ध्यान में रखते हुए बिजली बोर्ड ने हर एम्पलाई को उसके घर से 30 किलोमीटर दूर ट्रांसफर करने का फैसला किया । उससे जनरे ान में कोई फर्क नहीं आता।

श्री भागी राम: क्या मंत्री महोदय बताएंगें कि कुरूक्षेत्र में किसी एक मिनिस्टर के एग्रीकल्चर फार्म कनैक ान दो फीडरों से जुड़ा हुआ है? अगर एक फ ीडर बप्द होता हैं तो उस फार्म के लिए दूसरे फीडर से कनैक ान ले लिया जाता हैं? क्या ऐसी बात मिनिस्टर साहब के नोटिस में हैं अगर है तो उसके खिलाफ अब तक क्या कार्यवाही की हैं? इसके अलावा और कितने मिनिस्टर ऐसे हैं जिनके खेतों में डबल फीडर का कनैक ान है?

चौधरी भाम ोंर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, हर फीडर पर लौग बुक रखी हुई है। उसमें बिजली की यूनिट्स वगैरह नोट होती है। कि वहां से कितने यूनिट बिजली आगें आ रहीं है। मैं वक्तन फबक्तन पावर स्टे ान पर जा कर उस लौग–बुक को देखता रहता हूं कि एग्रीकल्चर और रूरल फीउर्ज

पर पूरी बिजली सप्लाई हो रहीं हैं या नहीं। इसके अलावा माननीय सदस्य ने जो एक अम्बाला जिले के किसी गांव मै पावर स्टे ान लगाने की बात कहीं हैं उस बारे में इन्होंने न मुझे कभी लिख करके ि ाकयत की है और न ही कभी जुबानी उस बारे में बताया हैं। अगर माननीय सदस्य मुझे लिख करके मैनें तो अव य इनक्वायरी कराऊंगा।

चौधरी सुरेन्द सिंहः स्पीकर साहब, अभी थोड़ी देर पहले भाारदा रानी ने एक सवाल पूछा था कि उसको सप्लीमैंट करना चाहूगा। बिजली की सप्लाई मै काफी खामियां हैं। और जहां छोटा ट्रांसफार्मर लगाने की जरूरत होती है। वहां बड़ा ट्रांसफ ार्मर लगा दिया जाता है।और जहां बड़ा ट्रांसफार्मर लगाने की जरूरत होती है। वहां छोटा ट्रांसफार्मर लगा दिया जाता है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या बिजली बोर्ड मंत्री जी को इन खामियों के बारे में कान्फीडैस में लेता है। अगर लेता हैं तो लिफटइरीगे ान स्कीम पवार की कमी के कारण पूरा पानी नहीं उठाती है। क्योकि वहां पर छोटा ट्रांसफार्मर लगाया हुआ हैं क्या यह खामी मंत्री जी के नालेज में है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड एक एक बात के लिए कान्फीडैस में नहीं लेता और न ही ऐसा कायदा कानून है कि बिजली बोर्ड मेरे से एक एक ट्रांसफार्मर के बारे मे बात करे। जो भी पालिसी मैटर होते है। उनके बारे में बात करते है। लिफट इरीगे ान स्कीम पर जो ट्रांसफार्मर लगाया

जाता हैं उसके बारे में चौधरी सुरेन्द सिंह जी ने कल ही लौबी में मेरे से बात कहीं थी। माननीय सदस्य मुझे लिख करके दे दे, वहां पर जो कमी होगी, दूर करने के लिए पूरी कोि ा ा करेगे।

श्री नेकी राम: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने सवाल का जवाब देते हुए थर्मल की पावर जनरे ान की फिगर बताई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे हाईडल प्रोजैक्ट की पावर जनरे ान की फिगर बताने का कश्ट करेगें?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चौधरी नेकी राम जी ने पूछा है कि हाईडल प्रोजैक्ट से हरियाणा प्रान्त को पवार जनरे ान सप्लाई कितनी कितनी है। स्पीकर साहब, नंगल से हरियाणा का हिस्सा 403 मेगावाट है।

श्री मंगल सेन: बिजली कितने यूनिट्स मिलती हैं?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, हर रोज 65 से 70 लाख यूनिट्स बिजली मिलती है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: डा0 साहब, बिजली पूरी मिलती है कभी एक आध बार भाार्टफाल हो सकता है। स्पीकर साहब, ब्यास डेहर यूनिट से 211 मैगावाट हरियाणा प्रान्त का हिस्सा है जोकि 40 लाख बनता है। इसी प्रकार से ब्यास सैकिण्ड बैंक से 60 मैगावाट हरियाणा का हिस्सा हैं जोकि 10 लाख

यूनिट्स बनता है। स्पीकर साहब, थर्मल प्लांट्स और हाइडल प्रोजेक्ट को मिलाकर 1126 मैगावाट बनता है 100 से 170 लाख यूनिट्स हर रोज पावर जनरेट होती है।

चौधरी हुकम सिंह फोगटः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने सवाल के जवाब मे बताया है कि दिनांक 15–4–83 से 2–5–1983 से 14–5–83 से दिनांक 15–5–1983 तक बिना कटौती के बिजली की पूरी सप्लाई रहीं है। स्पीकर साहब, भिवानी एरिया मे जो सब–स्टे ान हे अगर उन पर सारे फीडर्ज चलाए जाये तो उन सब–स्टे ान की इतनी क्षमता नहीं हैं कि सारे फीडर्ज को फुल बिजली की सप्लाई दे सके। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या इन दिनों में वहां पर बिजली की सप्लाई फुल रही है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैं यह बात तो मानता हूं कि दादरी, नारायणगढ़ और पानीपत के एरिया में दो तीन स्पौट्स पर ऐसे सब–स्टे ान लगे हुए है जो वीक है। जो भी ट्रांसफार्मर लाईन वीक है और पूरा लोड नहीं उठा सकती हम उनको ठीक करवाने की कोि ा ा करेंगे और क्षमता को बढाएंगें। जिन सब स्टे ान की बिजली के लोड की पूरी क्षमता नहीं हैं उसको दूर करने के कोि ा ा करेंगे।

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो आपसे ही रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड का काम मंत्री जी के बस का नहीं हैं आप यह महकमा चौधरी लाल सिहं जी को दिलवा

दें, उस पर इनका कंट्रोल बहुत अच्छा रहेगा। (ाोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब असंध के एरिया में बिजली का बहुत बुरा हाल हैं और सरकार के पास उसका कोई इलाज नहीं है। मै तो यही कहना चाहता हूं कि बिजली का महकमा चौधरी लाल सिंह को दिला दिया जाए।(ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष: इस महकमें का वजी आपको बना देतें हैं (हंसी) जहां तक मेरा ख्याल हैं, आपने तो सारे सै ान में कोई भी रैलेवैन्ट सवाल नहीं पूछज्ञ।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, चौधरी हुक्म सिहं के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री जी ने यह स्वीकार किया है कि दादरी के सब स्टे ान की ट्रांसमि ान लाइन वीक है वह ज्यादा लोड नहीं उठा सकती। इसके अलावा भिवानी एरिया में बाढडा, लोहारू और जूई जैसे कई गांव हैं तो जिनके पावर सब स्टे ान ऐसे हैं अगर पीछे से बिजली की फूल सप्लाई हो जाती हैं तो उनके ट्रांसफार्मर 12 घंटे से ज्यादा सप्लाई नहीं दे सकते। मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि वहां पर आगमैटें ान के लिए जो बिजली के मंजूर ुदा लाइन है उसको कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा। ताकि वहां पर बिजली की पूरी सप्लाई मिल सके।?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, दूसरे कन्टैन्टस के कारण भी पूरे 24 घंटे बिजली की सप्लाई नहीं दे

सकते। बिजली भी दूसरी चीजों की तरह ग्रोविंग चीज है। इसमें भी बहुत से काू करने पड़ते हैं जैसे पावर सब स्टे ान को अपग्रेड करना, नई लाईन बिछाना, दूसरे कई काम हैं वे सारे एक ही दिन में नहीं हो सकते । बिजली बोर्ड हर साल करोडों रूपया इन कामों पर खर्च कर रहा हैं दादरी के एरिया में जो बिजली की सप्लाई मे दिक्कत है। उसको दूर करने की योजना बोर्ड के पास है।

Damgage to bajra crop

***499. Ch. Kulbir Singh Malik**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether there has been any wide-spread damage to the Bajra crop in the State during the current season;

(b) If so, the reason thereof togetherwith the extent of loss or damage caused to the said crop; and

(c) Whether there is any proposal under consideration of the Government to compensate the farmers for the said loss?

मुख्य मंत्रीः (चौधरी भजन लाल):

(क) (ख) तथा (ग) सदन के पटल पर अभिकथन प्रंस्तुत किया जाता है।

अभिकथन

(क) राज्य में बाजरे की फसल की चालू मौसम में कुछ हानि हुई।

(ख) बाजरे की फसल को डाऊनी मिल्डयू बिमारी तथा अधिक वर्शा व बाढ़ से क्षति हुई हैं। डाऊनी मिल्डयू जो कि एक फुंगस बिमारी है बीज भूमि तथा वायु के द्वारा फैलती हैं। निरन्तर वर्शो तथा खराब मौसम जोकि पिछले डेढ महीने से चजा आ रहा हैं इस बिमारी के बढने तथा फैलने के लिये उपयुक्त रहा है। इसके अतिरिक्त 15 अगस्त से लगातार हो रही अधिक वर्शा की वजह से भी बाजरे की खडी फसल को वि ोश तौर से रोहतक, सोनीपत, जीन्द तथा गुडगांव जिला मे कुछ हानि हुई हे। इन जिलाकं में बाजरे की फसल को बाढ़ तथा डाऊनी मिल्डयू की बिमारी के कारण 75 प्रति ात तक हानि हुई है। सारे राज्य में बाजरे की फसल की समस्त हानि 30 प्रति ात तक हुई है।

(ग) राज्य सरकार ने भारत सरकार से उन किसानों को जिनकी कि भंयकर बाढं के कारण खड़ी फसल जिसमें बाजरा की फसल भी भामिल है, का नुकसान हुआ है की मदद के लिये वित्तीय सहायता मांगी है किसानों की मदद के लिये यह वित्तीय सहायता इस लिये मांगी गई है कि वह अगली फसल के लिये इनपुट्स खरीद सके। यह सहायता किसानों को आबियाना तथा माल लगाने के रूप में दी जाने वाली स्थगन माफी के अतिरिक्त होगी।

डा0 भीम सिंह दहिया: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने सवाल के पार्ट (सी) में लिखा है कि फाइनैि ायल असिस्टैप्स उनको मिलेगी जो अगली क्राप के लिए इनपुट्स परचेज करेगे। यह नहीं बताया कि फाइनैि ायल अस्टिैस किस रूप मे मिलेगी वह सबसिडी के रूप में मिलेगी या लोन के रूप में मिलेगी। अगर सबसिडी के रूप में मिलेगी तो कितनी मिलेगी ओर लोन मिलेगा तो किन टर्म्ज एंड कंडी ान कर मिलेगा? मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि वे फारमर्ज को किस किस्म का रिलीफ देगे इस को स्पश्ट भाब्दों में कलीयर करे।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह फैसला किया है कि जिन इलाकों में फसल बरबाद हुई है उनमें किसानों को साढे चार करोड़ रूपए सबसिडी दी जाएगी। इसके अलावा साढे तीन करोड़ रूपए के करीब तकावी के रूप में लोन दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, पहले जो प्रति किंवटल गेंहू पर 50 रूपए सबसिडी देते थे अब हमने 20 रूपये प्रति किंव्टल सबसिडी बढा दी हैं यानी 20 रूपया मिलाकर 70 रूपये प्रति किव्टल गेंहू की सबसिडी कर दी है। इसी तरह से एक किंवटल चने पर पहले 200 रूपय सबसिडी देते थे अब 200 रूपये की बजाए 300 रूपये सबसिडी कर दी है। इसी तरह से जौ पर पहले 20 रूपये प्रति किवंटल सबसिडी देते थे लेकिन अब 20 रूपये पहले वाले 40 रूपए और बढा दिए है। टोटल 60 रूपए सबसिडी कर दी हैं।

सरसों पर पहले 150 रूपए प्रति क्विंटल सबसिडी थी अब 200 रूपए बढाने का फैसला किया है।

श्रीमती चन्दावती: आपने जवाब में कहा है कि ज्यादा बारि ा होने की वजह से बाजरे की फसल में बीमारी लगी है जबकि लोगों की यह आम ि ाकायत है कि बाजरे की फसल में जो बीमारी लगी है वह ज्यादा बारि ा की वजह से नहीं है बलिक बाजरे का गलत बीज इस्तेमाल करने की वजह से यह बीमारी लगी है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैने कल भी बताया था कि बाजरे की फसल मे ज्यादातर बीमारी ज्यादा बारि ा होने की वजह से जगी हैं न कि बीज खराब आने की वजह से। सभी जानते हैं कि अब की बार बारि ा बहुत ज्यादा हुई है। जैसा कि कई सदस्य कर रहे थे कि जिन स्थानों पर ज्यादा बारि ा नहीं हुई वहां पर भी फसल खराब हुई है। उसका कारण यह है कि बारि ा तो भले ही वहां पर ज्यादा न हुइ हो लेकिन बादल छाये रहे और धूप निकली नहीं, जिस कारण यह फसल खराब हो गई। जो ठीक एरियाज है वहां पर भी साढे तीस परसेन्ट फसल खराब हुई हैं यानी उसमें बीमारी लगी है। जहां जहां बाजरे की फसल में बीमारी लगी है। वहां हमने किसानों को आबियाना और तकावी आदि से छूट दी है और उनको सबसिडी भी दी जायेगी। जिन लोगों ने लोन बैकों से लिए हुए है उनके लोन की वसूली को भी स्थगित किया गया है।

श्री अमर सिंह: अध्यक्ष महोदय, सोनीपत, रोहतक और जीन्द में अब की बार बहुत अधिक बारि ा हुई है। इन इलाकों में तो माना जा सकता हैं कि बारि ा की वजह से यह फसल खराब हो गई है लेकिन भिवानी, हिसार और महेन्दगढ़ जिलों के अन्दर तो बारि ा कम हुई हैं इन जिलों में कैसे बाजरे की फसल खराब हुई? मैं सी0एम0 साहब से जानना चाहूंगा कि इन जिलों में फसल को कितना नुकसान हुआ और कैसे हुआ हैं?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, जैसा कि बताया गया है कि इस साल सारी स्टेट में बहुत अधिक बारि ा हुई जिस के कारण यह नु कसान हुआ है। यह अलग बात है कि कुछ जिलौं में बहुत ही ज्यादा बारि ा हुई और कुछ जिलों में जरूरत से ज्यादा बारि ा हुई है। भिवानी, हिसार और सिरसा का एरिया बाजरे का एरिया हैं और यहां पर बाजरा ज्यादा बोया जाता हैं लेकिन इस ऐरिया में ज्यादा नमी की वजह से फसल खराब हुई हैं न कि बीज की खराबी के कारण। जिनकी फसलों को नुकसान पहुचा है सरकार उन्हें राहत भी देगी।

श्री नेकी राम: अध्यक्ष महोदय, सी0 एम0 साहब के पास जो यह रिपोर्ट है कि बारि ा की वजह से फसल खराब हुई हैं यह सही नहीं है क्योंकि बारि ा तो बाद में आई है। इस फसल को जिस समय किसानों ने बोया उसके उगने के तुरन्त बाद ही फसल खराब होने हग गयी थी। ज्यों ही किसानों ने बाजरा बोया पोधा उगने के बाद जब पौधा छोटा ही था सफेद होना भुरू हो

गया। फसल भ्रुरू में ही खराब हो गई। इसलिए मै जानना चाहता हूं कि जिन एरिया में ज्यादा बारि ा नहीं हुई है क्या उस एरिया का सर्वे कराया जायेगा कि कितनी फसल खराब हुई और कैसे हुई? इसके साथ ही साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि क्या इन किसानों को कोई राहत भी दी जायेगी।

चौधरी भजन लालः हिसार एग्रीकलचर यूनिवर्सिटी के मुताबिक जिस एरिया मे ज्यादा बारि ा नहीं हुई, उस एरिया में साढें तीस परसेन्ट फसल खराब हुर्ह है। यह जो नुकसान हुआ हैं यह नौर्मल नुकसान है। कोई बहुत बड़ा नुकसान नही है। मैने कई बार कहा कि रोहतक, जीन्द, हिसार , सिरसा तथा सोनीपत में बहुत ज्यादा बारि ा हुई है। यहां तक कि फरीदाबाद और गुडगांव जिले में भी जरूरत से ज्यादा बारि ा हुई है। कल भी एक सदस्य ने बाजरे के सिटेटे लाकर हाउस में दिखाये थे कि सिट्टे मे कितने दाने पड़ने चाहिए थे वे नहीं पड़े जहां पर ऐसी कमी पायी जायेगी उसका सर्वे करवाया जायेगा। सर्वे के लिए डी0 सी0 के पास नार्म्ज है। नार्म्ज के मुताबिक जो भी उचित पाया जायेगा। उसके हिसाब से उन्हें पूरा मुआवजा दिया जायेगा।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, जब भी किसी फसल के नुकसान का सवाल आता हैं चाहे वह ओलावृश्टि से हो चाहे दूसरों कारणों से हो, यहां पर कह दिया जाता हैं कि उन्हे मुआवजा दिया जायेगा। स्पीकर साहब, इस संबंध में मै यह कहना चाहता हूं कि पोलिटिक्ल रीजन्ज कीइ वजह से या दूसरे कारणों

की वजह से जिन किसानों का जितना नुकसान हुआ है उतना रैवेन्यू वाले नहीं दर्ज करते बल्कि गलत दर्ज करते है मै। सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या कोई तरीका निकाला जायेगा जिससे यह सिस्टम बिल्कुल ठीक हो जाये ताकि पैसा उन्ही लोगों को मिले जिनका वाकई में नुकसान हुआ?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, इस सवाल के दो पार्ट बनते हैं एक पार्ट तो ओलावृश्टि का हैं जहां तक ओलावृश्टि से हुए नुकसान का संबंध हैं उसके बारे में तो बताना चाहूंगा कि इस नुकसान की गिरदावरी अकेले पटवारी तहसीलदार एस0 डी0 एम या डी0 सी0 नहीं करता बल्कि कमी ान खुद मौके पर जा कर इनकुवायरी करता हैं कि कितना नुकसान हुआ है। जहां तक इनके बारे दूसरे पार्ट का सवाल हैं कि गलत लोगों को पेसा दिया जाता हैं उस संबंध में मै हाउस को बताना चाहूंगा कि ऐसे नुकसान को जो अब हुआ हैं उसे तहसीलदार देखता हैं। यदि इसमें किसी का भी दोश पाया जायेगा या जिसने प्रै ार में आ कर गलत काम कया तो उसके खिलाफ इन्कवायरी कराई जायेगी और उसके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यावाही की जायगी।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, जेसा कि मुख्य मंत्री महोंदय ने बताया कि बाजरे की फसल को जो नुकसान हुआ हैं वह बारि ा की वजह से हुआ है। लेकिन मैं इसके विपरीत यह बात कहना चाहूंगा कि अकेले बारि ा की वजह से ही यह नुकसान नहीं हुआ बल्कि यह आम चीज देखने में आयी हैं कि

अबकी बार यह बीज पनवाडी की दुकानों पर और सब्जी वालों की दूकानो पर खुला बिकता हुआ पाया गया हैं मै जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसे बीज को किसी अथोराइज्ड डीलर के जरिए किसानों को मुहैया करवाने की कोि ा ा करेगी?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, सीड बेचने को रोका नहीं जा सकता क्योकि बीज बेचने के लिए किसी लाईसैस की आव यकता नहीं हैं कोई भी आदमी सर्टिफाईट सीड मुंहर लगा बेच सकता है। यह तो किसानों को देखना चाहिए कि आया वह बीज एन0 एस0 सी0 का है या दूसरा हैं किसानों को बीज खरीदमे समय देखना चाहिए कि इस पर किसी की मुहर आदि भी लगी हुई हैं या नहीं। फिर भी हमने भारत सरकार को लिखा है कि सीड बेचने के लिए लाइसैस स्टेट गवर्नमैट को दैने चाहिए। जो पत्र हमने भारत सरकार को लिखा हैं उसके मुताबिक अभी तक हमें मन्जूरी नहीं मिली है। यदि भारत सरकार ऐसी मन्जूरी दे देती है तो सभी अथोराइज्ड डीलरों को यह बीज बेचने दिया जायेगा और किसी को नहीं।

श्री वीरेन्द सिंह: अध्यक्ष महोदय, सी0 एम0 साहब बार बार कह रहें है कि बारि ा की वजह से बाजरे की फसल में खराबी आयी हैं इसके मुताबिक मेरा यह कहना हैं कि इस फसल के अन्दर उगने के तुरन्त बाद डाउनी मिल यू नाम की कोई बीमारी लगी हैं जिसके कारण सारी फसल खराब हो गई इसकी ि ाकायत भाायद मुख्य मंत्री जी के पास आयी भी होगी। यदि

नहीं भी आयी हैं तो क्या ऐसी ि ाकायत आने के बाद कोई इन्कावायरी करके कार्यवाही की जायेगी?

चौधरी भजन लाल: यह बात ठीक हैं कि मेरे पास ि ाकायत आयी थी कि बीज में कुछ कमी हैं इस बारे में मैं हाउस को बताना चाहूगा कि इसमें जिस किसी का भी दोश पाया जायेगा। उसको बख्भाा नहीं जायेगा। लेकिन इसके साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा नियत 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर (4) 19

कि जो हम बीज खरीदते हैं वह गुजरात स्टेट से खरीदते हैं। हमारी टैक्नीकल आदमियों की एक टीम वहां जाती हैं जहां बीज तैयार किया जाता है। यह कमेटी बीज को अच्छी तरह देखती हैं कि बीज ठीक प्रकार से तैयार हुआ है। या नहीं। यहां तक कि जब थैलियों में बीज डाला जाता है तो थैलियों को अपने सामने सील करवाते हैं इसलिए इस बीज के अन्दर ज्यादा कोताही नहीं हो सकती । फसल खराब होने का यह भी कारण हो सकता हैं कि कहीं पर स्प्रे ठीक न हुआ हो या कहीं पर पानी की कमी रह गयी या कहीं पर ज्यादा पानी आ गया हो फिर भी जो ि ाकायत आयी हैं उसके आधार पर हम इन्कवायरी करवाएगें और जो भी कसूरवार होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

चौधरी हुक्म सिंह फोग्ट: स्पीकर साहब, पेहवा और अंसध के पास ज्यादा बारि ा नहीं हुई लेकिन वहां पर भी फसल

खराब हुई है। जैसा कि बताया गया हैं कि दुकानों पर बाजरे का बीज बिकता हुआ पाया गया हैं क्या उसकी रोकथाम के लिए सरकार कोई पग उठाऐगी? इसके साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सरकार एन0 एस0 सी0 का बीज उपलब्ध करवायेगी चाहे वह मंहगा ही क्यों न मिले?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, एन0 एस0 सी0 पूरे बीज की सप्लाई नहीं कर सकती। इसलिए 1978 में जो फैसला चौधरी देवी लाल जी ने किया था हम उसके अनुसरण करते हैं और उसी आधार पर बाजरे के बीज के टैन्डर मांगते है। इन टैन्डरों मे जो सबसे कम टैन्डर होता हैं उससे हम बाजरे का बीज खरीद लेते है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियत 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर

New branches of Central Cooperative Bank

***443. Shri Kanwal Singh**: Will the Minister for Cooperation be pleased to state:-

(a) Whether the Central Cooperative Bank, Hissar, has opened any new branches since June, 1982, if so, the number therefo, and

(b) Whether any of the branches of the Central Cooperative Bank Hissar, shifted its location from one

building to another building during the period mentioned above togetherwith the rent which was paid for the site vacated and the rent payable for the newly acquired site togetherwith the covered area thereof?

Cooperation and Dairy Development MINister (**Chaudhary Birinder Singh**):

(a) Four new branches have been opened by Central Cooperative Bank, Hisar since June, 1982.

(b) A statement is placed on the Table of the House.

Statement

Sr. No.	Name of the Branch	Rent paid/payable for building		Covered area of the building	
		vacated	newly acquired	vacated	newly acquired
1	Model Town HIssar	(Rs.) 600/-	1000/-	1450 Sft.	933 Sft.
2	Narnaund	165/-	500/-	1350 Sft.	1350 Sft.
3	Dharsul	200/-	300/-	1200 Sft.	2500 Sft.

Construction of over bridge on Railway crossing

***466. Ch. Sahab Singh Saini**: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct an over-bridge on Railway Crossing at Kurukshetra; and

(b) If so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): (क) व (ख): कुरूक्षेत्र रेलवे क्रासिंक पर ओवर–ब्रिज बनाने की मन्जूरी सरकार ने पहले ही दे दी है।

Bio Stand in Jhajjar Town

***480. Ch. Om Parkash**: Will the Minister for Transport be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that the construction of Bus-stand in Jhajjar town of Rohtak District hasbeen sanctioned; and

(b) If so, the period within which the construction work is likely to be started togetherwith the time by which the Bus-stand is likely to be completed ?

नियत 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर (4) 21

परिवहन मंत्री (कर्नल राव राम सिंह): (क) जी हां।

(ख) बस अड्डे का निर्माण कार्य इसी वितीय वर्श में आरम्भ होना सम्भावित है और इसके पूर्ण होने मे लगभग दो वर्श लग सकते है।

Damage to Houses in Harijan Bastis

***438. Master Ram Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state:-

(a) Whether houses in the Harijan Bastis of village Kanjnu, Allhar and Thaska in Radaur constituency have been damaged due to rains during the year 1983;

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to give any relief to the Harijans whose houses, as referred to in part (a) above, have been damaged; and

(c) If the reply to part (b) above be in affirmative, the period within which the said proposal is likely to materalise.

राजस्व राज्य मंत्री (क) जी हां।

(ख) जी, हां।

(ग) पात्र व्यक्तियों को वितरण हेतु रा ि। उपायुक्त को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

Link Drains in Rohat Constituency.

***461. Dr. Bhim Singh Dahiya**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the name of the link drains, if any, which stand sanctioned in the Rohat Constituency of Sconepat District; and

(b) the names of the drains, out of those referred to in part (a) above, the construction of which has not been started as yet, togetherwith the reasons thereof?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी ाम ोर सिंह सुरजेवाला):

(क) जो लिंक ड्रेंने मन्जूर हैं उनके नाम निम्नलिखित हैं:—

1	बिदलान लिंक ड्रेन।
2	नकलोई लिकं ड्रेन।
3	मलियान लिंक ड्रेन।
4	ककरोई लिंक ड्रेन।
5	झरोट लिंक ड्रेन।
6	खेडीदहिया लिंक ड्रेन।

7	फरमाना लिंक ड्रेन।
8	सिलाना लिंक ड्रेन।

(ख) जिन ड्रेनों का कार्य अभी तक भ्रारू नहीं हुआ उनके नाम तथा कारण निम्नलिखित हैं:—

क्रमांक संख्या	ड्रेन का नाम
1	बिदलान लिंक ड्रेन।
2	मलियान लिंक ड्रेन।
3	ककरोई लिंक ड्रेन।
4	खेडी दहिया लिंक ड्रेन।

जिन जमींदारों की भूमि इन ड्रेनों के अधीन आती हैं उनमें आपसी झगडों व तनाव के कारण उन ड्रेनों का कार्य भ्रारू नहीं किया जा सका।

Regularisation of services of Road Roller Drivers

***517. Master Shiv Parshad**: will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether any decision has been taken by the Government to regularise the services of those adhoc/work charged Road

नियत 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर (4) 23

Roller Drivers, working in the P.W.D. (B & R.) as have completed five years service.

(b) if so, the date on which the said decision was taken;

(c) whether there are any Road Roller Drivers working in the Sub_division, MOrni, as have completed five years service, if so, the number thereof; and

(d) Whether the services of theRoad Roller Drivers, as referred to in part (c) above, have been regularised, if not, the reasons therefore, together with the time by which their services are likely to be regularised?

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) सरकार द्वारा यह फैसला लिया गया था कि पी0 डब्लयू0 डी0 महकमे के वह सभी वर्क चार्जड कर्मचारी (जिसमें रोड रोलर ड्राइवर भी भामिल हैं) जिन्होने 31—12—1978 को 5 साल की लगातार सेवा पूरी कर ली हैउन को नियमित कर दिया जाएं।

(ख) यह फैसला 19—5—1980 को लिया गया था।

(ग) जी हां, एक रोड रोलर ड्राईवर।

(घ) जीं हां।

Manufacturing of Bulk Drug in the State

***514. Sardar Sujan Singh**: will the Minister for Health be pleased to state:-

(a) the names of officers competent under the Drug and Cosmatic Act, 1940, to investigate bulk drug for issuing biological and non-biological licences in the State together with the details of the technical qualifications, if any possessed by each such officer.

(b) whether the officers, as referred to in part (a) above, are competent to give permission to Small Scale Industries for manufacturing bulk drug; and

(c) is so, the details of the investigates, if any, conducted independently without the adivce of Central Drug Control Organisation, by any such officers, prior to giving of permission for manufacturing bulk drug, during the period from 1-9-1978 to 31-8-1983, together with the reasons for investigations , if any, concluded jointly with the Central Drug Control Organisation?

Health Minister (**Shrimati; Parsanni Devi**):

(a) (1) For biological licences

shri O.P. Aggarwal, M. Pharm with requisite experience of manufacturing and testing of drugs as prescribed in Drugs and Comestics Rules, 1945.

(2) For Non-biological licences

(i) Shri. O.P. Aggarwal, M. Pharm (ii) Shri. M.L. GArg, M. Pharm (iii) D.P. Singla, B.Pharm (iv) Chander Parkash, B. PHarm (v) Kuldip Raj Jain, M. Pharm (vi) Suresh Kumar Dua, B. Pharm (vii) Ram Mohan Sharma, B. Pharm (viii) Kalish Kumar, B. Pharm (ix) Rajinder Kumar, B. Pharm (x) Lal Chand, B. PHarm (xi) Ashok Kumar, B. Pharm.

(b) no.

(c) in view of (b) above, question does not arise.

Allotment of house sites under 20-Point Economic Programme

***516. Ch. PHool Chand**: Will the Minister of State for Revenue be pleased to state:-

(a) whether any house sites have been allotted to any persons in the State under the 20-Point Economic Programme; if so, the number of sites so allotted since the commencement of the said programme; and

(b) the number of sites, out of those referred to in part (a) above, possession in respect of which has actually been given to the allottees?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा):

(क) 2,95284

(ख) 2,91891

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैनें तीन काल अटैन ान मो ानज दी थी जिन मे से एक सैन्टल को आप्रेटिव स्टोर अम्बाला के बारे में है।सैन्टल कोआप्रेटिव स्टोर से 40 आदमियों को निकाला जा रहा हैं। स्पीकर साहब, एक ओर सरकार 20 सूत्री कार्यकम की दोहाई देती है। ओर कहती है। कि श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा बनाया गाया 20 सूत्री कार्यकम को पूरा करेगे लेकिन दूसरी ओर जनता के लिए सस्ते रेट पर रोजमर्रा की चीजें खरीदन के लिए जो कोआप्रेटिव स्टोर्ज खोले हुए थे उनको बन्द कर रही है। ओर इन में काम करने वाले 40 आदमियों को बेकार किया जा रहा है। 200 परिवारों के पेट में लात मारी जा रहीं हैं। इसलिए आपसे प्रार्थना है कि सरकार इस काल अटैन ान मो ान का जवाब दे। इसके अलावा दूसरे एक बहुत की महत्वपूर्ण विशय है। जिसकी और मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं आज सारे राज्य में हमारे कर्मचारियों की एक संस्था हरियाणाा सबाडिर्नट सर्विसिज फैड्रे ान के नाम से बनी हुई हैं इस संस्था के प्रतिनिधि श्री मंगल सिंह दिलावरी ओर श्री एम0 एन0 मित्रा हैं जिन्होने कुछ दिनों से भूख हड़ताल रखी हुई है। इनकी कुछ मांगें है। और सरकार को चाहिए कि इन की मांगों को सहानुभूति कंसीडर करे।

ये अपने अजीज हैं इनके हाथ से सारे प्रदे ा को सारा काम होना है। इनके साथ बैठ कर सलाह म ावरा करके इस मामले को हल करने का कोई न कोई रास्ता निकाला जाये।

तीसरा प्रस्ताव जो मैनें आपकी सेवा में दिया था वह बड़ा ही दर्द भरा है। आज सारे दे ा में एक बीमारी चल रही हैं कि दहेज के मामले को लेकर विवाहित लडकियों की हत्या की जाती है। यह बहुत ही दुखदायी और घृणित कार्य है। कैथल के पास आपके जिला में एक गांव है जिसका नाम हैं अमरगढ़ गामड़ी। इस गांव में अ ाोक कुमार नामक लड़के के साथ एक लड़की श्रीमती आ ाा रानी की भाादी हुई यह भाादी अगस्त, 1982 को हुई थी इस लड़की की गोद में 40 दिन का बच्चा था लेकिन इसको जला दिया गया। स्पीकर साहब, यह बड़ा दुखद मामला हैं। पुलिस वालों ने पैसा खा लिया हैं जिसके कारण आज तक मुकदमा दर्ज नही हुआ हैं इस लड़की के वाल्दैन मारे मार फिर रहें हैं मै सरकार से चाहूगा कि इस बेजुबान अबला बहन के पक्ष में आवाज उठाई जाए। अगर पुलिस वालों ने जानबूझ कर मुकदमा दर्ज नहीं किया तो पुलिस के खिलाफ सख्त एक ान लिया जाए। मैं चाहूंगा कि चौधरी भजन लाल को बेटियों उतनी ही प्यारी है जितनी के अपोि ाजन के सदस्यों को प्यारी हे। वह एस0 ऐी0 ओ0 सस्पैड करना चाहिए जिसने मुकदमा दर्ज नहीं किया है। इसीलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है मि मुकदमा दर्ज करके उसको सजा दी जाए।

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मेरे वास इस लड़की का भाई आया था उसने सारी बात बताई थी मैने भी इस बात पर काल अटैन्‍ ान नोटिस दिया था। 40–50 आदमी भी पुलिस स्टे ान गये थे लेकिन इस के बावजूद भी पुलिस ने एफ0 आई0. आर0 दर्ज नहीं की। यह बड़ें दुख की बात हैं कि रोजाना लड़कियों को दहेज के लालच में जला दिया जाता हैं और पुलिस एफ0 आई0 आर0 दर्ज नहीं करती । मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस मामले पर कार्यवाही की जाए। स्पीकर साहब, इसके अलावा मेरी एक ओर काल अटैन्‍ ान मो ान थी उसका भी जवाब दिया जाय।

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब ने एक लडकी के जलाये जाने का जिक किया हैं यह मामला अभी मेरे नोटिस में आया है। मै इसका जवाब एक घंटे को बाद दूगा कि क्या पोजीि ान है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, रोहतक मैडिकल कालेज मे बलात्कार हुआ था। (ाोर)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्ष: मै आपोजी ान वालो से डिमांड करूंगा कि मुझे छः कान दे दें ताकि मै आप सब को इकटठा ही सुन सकूं जब आपकी बातें खत्म हो जायेगी तब दूसरा बिजनेस भाुरू करूंगा

(व्यवधान) आप सब इकटठे क्यों खडे हो जाते हैं बैठ जाइए। अब धमीजा साहब बोलेगे।

सेठ राम दास धमीजा: स्पीकर साहब, यह बात अम्बाला कैट से ताल्लुक रखती हैं 12 दिसम्बर को डी0 सी0 साहब ने 3 दुकाने बन्द कर दी हैं जिनके बन्द होने से 80 आदमी इफैक्टिड है। इन दुकानों को बन्द करने की वजह यह बताई जाती हैं कि इन में घाटा हुआ है। अगर यह बात मान ली जाए तो घाटा सारे बाजार में सारे हरियाणा में हैं यह वजुहात ऐसे नहीं हैं जिन को बेस मानकर दुकानें बन्द की जाय। इस मामलें के बारे में एक मैमोरेंडम चीफ मिनिस्टर साहब को ओर एक कोआप्रेटिव मिनिस्टर साहब को भेजा है और मै चाहूंगा कि इन दुकानों को सरकार बन्द न करे। इस संबंध में मैनें काल अटैन ान मो ान दिया हुआ है आप इसको एडमिट करे।

श्री अध्यक्ष: मै आपकी काल अटैन ान मो ान को कंसीडर करूंगा।

चौधरी साहब सिंह सैनी: स्पीकर साहब, मैने अंडर रूल 84 के तहत कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के बारे में परसों नोटिस दिया थां। यह मो ान कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी की वर्किग के बारे में था जो आपने रिजैक्ट कर दिया था इसके अलावा दूसरा मो ान मैनें यूनिवर्सिटी की फाइनैि ायल पालिसी पर स्टेट गवर्नमैट की

पालिसी जानने के लिए दिया था इसका क्या बना। कल आपने कहा था कि इस के बारे में गवर्नमैट से 24 घंटे के अन्दर कमैंट्स मांगे है।

श्री अध्यक्ष: पहला मो ान जो यूनिवर्सिटी के इन्टरनल मैटर्ज के बारे में था वह तो मैनें डिसअलाऊ कर दिया हैं। जो मो ान फाइनेि ायल पालिसी के बारे में है। उसका में जवाब दे दूगा आप बैठ जाइये। That is under consideration.

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, मैनें मैडिकल कालेज रोहतक के बारे में काल अटैन् ान मो ान दिया था। सुजाता नाम की एक लड़की के साथ एक डाक्टर ने.....

श्री अध्यक्ष: इस मामले पर मैने गवर्नमैंट से कमैट्स मांगे है जब कमैंट्स आ जायेगे तो जवाब दे दिया जायेगा।

वाक आउट

श्री हरि चन्द हुड्डा: स्पीकर साहब, मेरी बात फ्लड के बारे में है इसके लिए मैने मो ान भी दिया था। मेरे हल्के में बहुत ज्यादा फ्लड आया है। फ्लड के बारे में गवर्नमैट की जो पालिसी है वह बहुत पोली हैं और ढीली हैं मेरे हल्के मे जो फ्ल्ड आया है वह खास तौर पर सरकार की नैग्लीजैन्सी की वजह से आया हैं । स्पीकर साहब, मै आपका और आपकी कुर्सी का बड़ा मान करता हूं। आपकी कुर्सी का ध्यान रखते हुए मै सरकार ओर

आपके हल्के में नैग्लीजैन्सी बरतने के कारण सरकार से लडने के लिए मै एज ए प्रोटैस्ट वा आउट करता हूं।

(इस समय श्री हरिचन्द हुड्डा सदन से वाक आउट कर गए)

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): इनका अखबार मे नाम आना चाहिए वाकआउट करने का और कोई मतलब नहीं है (व्यवधान)

विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, मैने कुरूक्षेत्र यूनिर्सिटी के बारे में काल अटैन्ान मो ान दी थी इसका क्या बना? दूसरी बात मेरी यह है कि पचकूला में एस0 पी0 सिंह मेजर को हाउसिंह बोर्ड की तरफ से मकान अलाट किया गया था लेकिन भूतपूर्व सदस्य श्री सुमेर चन्द भट्ट जो 20 सूत्री कार्यक्रम के डिप्टी चेयरमैन है इन्हौंने इस मकान को अपने कब्जे मे कर लिया है यह बडी गलत बात हैं सरकार इस के बारे मे जवाब दे।

तीसरी ताब यह हैं कि खादरी फतेहगढ़ तथा कोट गांवों में बोली नदी पर दो पुलों का उद्घाटन मुख्य मंत्री महोदय ने दो साल पहले किया था लेकिन वे पुल अभी तक नहीं बने है। अगर ये पूल बन जाये तो 30 गावों को आपस में मिलायेगे और ये पूल बोली नदी पर हरियाणा और हिमाचल के बार्डर पर पडते है। अगर ये दोनों पुन नहीं बनेगें तो सारा हरियाणा दूसरे इलाकों से

कट जाता हैं मै चाहूंगा कि सरकार इस विशय पर सदन में जवाब दे कि ये पूल क्यों नहीं बनाये जा रहे।

चौधरी सुरेन्द सिंह: स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक हम्बल सबमि ान हैं कि जिस प्रकार प्रैस गैलरी में दीवार दी हुई है इसी प्रकार आफिसर्ज गैलरी में भी दीवार होनी चाहिए। क्योकि कई साहिबान अपनें पावों को ऊपर हाउस में बैठे हुए मैम्बर्ज की तरफ इस ढ़ग से बैठते हैं जो अच्छा नहीं लगता । मैम्बर्ज की तरफ इस तरह पांव उठाकर बैठना ठीक नही। आप इस गैलरी मे एक फट्टा लगवा दे ताकि प्रेस गैलरी की तरह इस गैलरी की भी पोजी ान बन जाए।

श्री अध्यक्ष: मेरे ख्याल में ये इतनक इंटैलिजैट है कि आपकी बात को समझ गये होगे। आयंदा इस ढ़ग से नहीं बैठेगे।

चौधरी सुरेन्द सिंह: स्पीकर साहब, आप कम से कम एक फट्टा ही लगवा दे।

श्री अध्यक्ष: ठीक हैं लगवा देगे।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी के बारे मे मेरी काल अटैन न मो ान थी। इस पर आपने हुक्म फरमाया था कि विचार करके बता देगे। आप कृप्या बता दे कि इसका क्या बना?

इसके के इलावा पिछली बार सदन मे मेरे माननीय सदस्य श्री किताब सिंह के बारे मैं एक मामला आया था पुलिस ने उसके साथ ज्यादती की थी और इस ज्यादती की छानबीन करने के लिए हाउस की एक कमेटी बना थी मै जानना चाहता हूं कि उस कमेटी की क्या रिपोर्ट है और कमेटी न क्या कार्यवाही की है?

श्री अध्यक्ष: उस कमेटी ने श्री किताब सिंह से बात कर रखी हैं ओर एक डेट भी नि चत कर रखी है। गाबा साहब इस वक्त हाउस में बैठे नहीं है तब आ जायेगें तो आपकी बात करवा दूंगा। इन्होने आपस में बातचीत करके कोई डेट नि चत कर रखी हैं जब टाईम मिलेगा तो वे वहां जाकर बात करेगे।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मेरी जानकारी यह हैं कि अभी तक श्री किताब सिहं ती इस बात से सैटिफाईड नहीं हैं अगर वे न जा सकें तो और आदमी जा सकता हैं।

श्री अध्यक्ष: मैनें सै ान भाुरू होने से कुछ दिन पहले बुलाकर पुछा था उन्होनें कहा था कि उन्होने किताब सिंह जी से बात कर रखी हैं और किताब सिंह को वह डेट मुकर्रर करने के बारे में कोई एतराज नहीं है।

श्री किताब सिहं: स्पीकर साहब, मुझे उन्होनें यह कहा था कि वे 16 तारीख को आएंगे लेकिन वे आए नहीं। इससे ज्यादा मेरे से उनकी कोई बात नहीं हुई। (विघ्न)

स्पीकर साहब, मेरी भी एक काल अटैन्न ान मो ान थी। सोनीपत में पुलिस की पिटाई से एक व्यक्ति मरा हैं लेकिन मुलजिमों को आज तक गिरफ्तार नही किया गया।

श्री अध्यक्ष: वह मैनें डिस अलाउ कर दी है।

श्रीमती बसन्ती देवी: स्पीकर साहब, पिछले सै ान मे आन्नद भार्मा से सम्बधित एक रेप के केस को एक कमेटी को रफैर किया गया था उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्ष: : उसकी रिपोर्ट आ गई हैं।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, राज्य में एक मैडिकल कालेज है। उसका इन्तजाम खुद आदरणीय मुख्य मंत्री जी के पास हैं लेकिन थोडे से समय में इस प्रैसटीजियम इंस्टिच्यूट मे दो बार बलात्कार केसिज हो चुके हैं एक बलात्कार एक डाक्टर द्वारा एक मरीज के साथ किया गया। अब एक स्टुडैन्ट डाक्टर के साथ एक सीनियर प्रोफैसर द्वारा बलात्कार किये जाने की बात सुनने मे आ रही है। यह बडी भार्म की बात है।

श्री अध्यक्ष: इसके बारे मै गवर्नमैट से कोमैटस मांगे हुए है।

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै अभी पोजी ान क्लीयर कर देता हूं बार बार माननीय सदस्यों ने यह प्वायंट उठाया है। अध्यक्ष महोदय इसकी कहानी यह है कि

केरल स्टेट की एक लडकी है। जिसने मैडिकल कालेज में दाखिला लेना था। (विघ्न)

श्री हीरा नन्द आर्य: वह केरल की नहीं त्रिपुरा की है। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल: भाायद त्रिपुरा की होगाी कहीं बाहर की है हमारी स्टेट की नहीं हैं (विघ्न) खैर लड़की चाहे दे ा की हो या विदे ा की हो सब बेटियों एक जैसी हैं वह लड़की दाखिले के लिए आई । दाखिले से पहले हर व्यक्ति का डाक्टरी मुआवना करना पड़ता है। डाक्टर ने उसका भी डाक्टरी मुआवना किया। उसमें पाया गया कि वह लड़की फिट नहीं है। उसके बाद लड़की ने ि ाकायत की कि डाक्टर ने मेरे से छेडखानी की। बलात्कार करने की बात लड़की नहीं कहती। (विघ्न) मैं ज्यादा नहीं कहना चाहता क्योकि हमारी बहु बेंटियों भी यहां बैठी हैं लेकिन उसने यह कहा कि उसकी छाती पर हाथ लगाया गया। (विघ्न) उसने कहा कि बलात्कार नहीं किया गया। (विघ्न) आप सुनने की कृपया करे। बलात्कार की बात और होती हैं और छेडछाड की बात ओर होती हैं फिर भी उसकी पूरी इंक्वायरी के लिए हमने कमेटी बनाई है। रिपोर्ट जल्दी ही आ जायेगी । हमने यह भी कहा कि उस लडकी का दुबारा डाक्टरी मुआवना करे। सीनियर तीन डाक्टरों का एक बोर्ड बनाया गया ताकि वह बताए कि वाकई ही वह लड़की अनफिट हैं या उस डाक्टर ने वैसे ही कह दिया। सीनियर डाक्टर्ज ने रिपोर्ट दी हैं कि लड़की वाकई ही अनफिट हैं और उस डाक्टर

की रिपोर्ट सही हे। इसलिए यह सदेंह की बात हो गई कि लड़की भाायद ब्लैकमेल करने के लिए ऐसी कहती हैं क्योकि उस डाक्टर की लड़की थर्ड इयर में वहीं पढ़ रहीं हैं। उसके और भी नौजवान बच्चे हैं डाक्टर काफी एज्ड भी है। लेकिन इस समय इस बारे में और ज्यादा नहीं कर सकतां। हम इसकी पुरी इंक्वायरी करवायेगे और अगर किसी का कसूर मिला तो उसे जरूर सजा देगे।

प्रेफैसर सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मेरी भी एक काल अटैन ान मो ान थी। चौटाला पुलिस थाने के सामने ओमप्रका ा हिटलर और उसके कुछ साथियों ने एक मर्डर किया था लेकिन उस आदमी को संबध चूकि स्टेट के सबसे बडे पेलिटिकल आदमी के साथ हैं वह खुद मंख्य मंत्री का धर्म भाई हैं इसलिए पुलिस उसे पकड़ नहीं रहीं हैं (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आपकी काल अटैन ान मो ान को मैनें डिस अलाऊ कर दिया है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा हिटलर को इन्होनें मेरा धर्म भाई कह दिया लेकिन इन्हें यह भी पता होना चाहिए कि वह चोधरी देवी लाल का चचेरा भाई हैं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मैं अनाउंस कर चुका हूं कि यह काल अटैन न मो ान मैनें डिसअलाऊ कर दिया है और इस प्वाइंट पर किया हैं उस किस्म के मर्डर्ज रेप केसिज और ऐसे दूसरे अन्य

केसिज होते रहते हैं अगर हम एक एक किमिनल केस को यहां डिसकस करने लगें तो मु कल होगी। विधान सभा तो इस बात के लिए हैं कि जो काम नहीं हो सकता वह यहां डिसकस किया जाये इस प्रकार के केसिज थाने मै सैटल हो सकते है। अगर थानेदार न मानता हो तो डी0 एस0 पी0 और उसके ऊपर आई0 जी0 ने लिख दिया हो या कह दिया हो कि कुछ नहीं हो सकता तब आप अपनी बात यहां कहें। हरेक केस यहां डिसकस करना मु कल है।

प्रेफैसर सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, यह बडा स्पै ाल केस हैं इसमें पुलिस कुछ नही कर रहीं है।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, इस केस में 7 आदमी मुलिजम हैं 4 पकडें गए है।

प्रेफैसर सम्पत सिंह: क्या ओम प्रका ा हिटलर को पकड़ा गया हैं?

चौधरी भजन लाल: मुझे नाम का पता नहीं लेकिन 4 आदमी पकड़े गए हैं बकियो को पकड़नें की को ि ा ा हो रही है। पुलिस बाकायदा उनके पीछे लगी हुई है।

श्री मगल सैन: स्पीकर साहब, आपकी बात सही है कि ला एंड आर्डर एंड डे–टु–डे उेडमिस्ट्रे ान की बात पर हम यहां चर्चा नहीं कर पाएंगे। ऐसा प्रोसीजर भी नही और रूल्ज भी अलाऊ नहीं करते। लेकिन मेरी हम्बल सबमि ान यह है कि काल

अटैन् ान मो ान एक ऐसा मैयर हैं जिसके द्वारा हम गवर्नमैट का इमीजिएटली ध्यान आकर्शित कर सकते है। श्री ओम प्रका ा हिटलर जिसको प्रो सम्पत सिंह जी मुख्य मंत्री जी का धर्म भाई कहते हैं और मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि वह उनका और चौधरी देवी लाल दोनों का भाई है। स्पीकर साहब, उस भाई को यह इजाजत तो नहीं है कि वह हर किसी को मारता फिरे। ऐसे आदमी को तो कानून के मुताबिक जल्दी से जल्दी सजा मिलनी चाहिए। अफसोस यह हैं कि पुलिस उसे पकड़ नहीं रही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं पोजी ान क्लीयर कर देता हूं अध्यक्ष महोदय, मैने माना है और अब फिर मानता हूं कि ओप प्रका ा हिटलर मेरा दोस्त है लेकिन यह भी कहता हूं कि दोस्त तो दोस्त अगर मेरा सगा भाई या पिता भी गलत काम करेगें तो उनको भी माफ नहीं किया जाएगाा (ोर) इस केस में बाकयदा 7 आदमियों के नाम दर्ज है। और उन 7 आदमियों में से 4 को पकड़ लिया गया है। बाकी तीन को भी पुलिस पकड़ने की को ि ा ा कर रही है। कानून के मुताबिक अगर कोई आदमी गुनाहगार होगा तो उसको माफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। (विघ्न) उसका पर्चे मे नाम हैं। मुझे आप यह बताए कि उसकी अगर मै मदद करता तो क्या उसका नाम पर्चे मे होता? मैने उसकी मदद नहीं की। पर्चे में वह नामजद हैं। 7 आदमियों में से 4 को पकड़ लिया गया हैं तीन को पकड़ना बाकी रहता हैं ओम प्रका ा हिटलर भी उनमें से एक है। उनको

भी पुलिस पकडने की कोि ा ा कर रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय किसी का भी भाई या बेटा गलत काम कर सकता हैं लेकिन कोई भी अगर गलत काम करेगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

श्री वीरेन्द्रसिंहः स्पीकर साहब, इन्होने बहुत अच्छी बात कही हैं कि धर्म भाई की तो बात ही क्या हैं इनका सगा भाई या पिता भी यदि कोई गलत काम करेगा तो उसको भी सजा दी जाएगी। लेकिन क्या ये बताएंगे कि परमानन्द ए0 एस0 आई0 के केस में ऐसा क्यों नही हुआ? उसे सुंप्रीम कोर्ट से सजा हुई थी लेकिन इन्होनें उसे गवर्नर से माफ करवा दिया । स्पीकर साहब, जिस आदमी को सुंप्रीम कोर्ट ने प्रोव्र ान औफ औफेन्डर्ज ऐक्ट का भी बैनिफिट न दिया हो ऐसे आदमी को इन्होनें बख्भा दिया हैं और दूसरे को बख्भाने की तैयारी हो रहीं है। (विघ्न) स्पीकर साहब, वह धर्म भाई इनकी कोठी पर हैं वह कल भी वहां था और परसों भी वहां था। लोगों ने देखा हैं (ाोर) उसको कोई नहीं छेड पाऐगा। (विघ्न) अगर वह पर्चे मै नामजद हैं तो उसे गिरफ्तार करने में देरी क्या हैं।

श्री अध्यक्षः उन्होनें कहा कि पुलिस गिरफ्तार करने की कोि ा ा कर रहीं है।(विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये साबित कर दे कि इस वाक्या के बाद ओम प्रका ा हिटलर मेरे घर में या मेरे

घर के नजदीक भी आया हो तो मै असैम्बली की मैम्बरी से इस्तीफा दूंगा वरना ये इस्तीफा दे दें। इन्हें गलत बाद कहने की आदत हैं मैं चैलेन्ज के साथ यह बात कहता हूं।(ाोर)

श्री वीरेन्द्रसिंह: अध्यक्ष महोदय, वह परसों इनकी कोठी में था या नहीं, यह बात ये बता दे। अगर नहीं बताते तो इस बात को जानने के लिए आप हाउस की एक कमेटी बिठा दे। वह इंक्वायरी कर ले। यों कहने से बात नहीं बनती। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं औन औथ कहता हूं कि वह नहीं था मैं गंगा जल पर हाथ रख कर कहता हूं या ये गंगा जल पर हाथ रख कर कहे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय यहां लिख हुआ हैं कि या तो बोली नहीं और अगर बोली तो सच बोलो।(ाोर)

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्ष: मैं आपसे फिर रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि डिस्पिलन मेनटेन करें। एक मैम्बर खड़ा हो कर बोले तो बात समझ मे आ सकती हैं अगर कई मैम्बर खड़े हो कर बोलना भाुरू कर देगें ता कैसे काम चलेगा? (ाोर एवं विघ्न)

श्रीमती चन्दावती: आन ए प्वाइंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, हाउस के जजबात हैं उनको ध्यान मै रखते हुए ऐसे किमिनल के बारे में आव वासन दे कि उसे स्पेयर नहीं किया जाऐगा।

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्टर साहब इस से ज्यादा क्या कह सकते है। कि वह मेरी कोठी पर आया नहीं।

श्रीमती चन्दावतीः स्पीकर साहब, हाउस की एक कमेटी बना दीजिए। वह सही बात का पता कर लेगी।

श्रीमंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा। हाउस मे एक सिचुए ान कियेट हो गई और मुख्य मंत्री जी ने कह दिया कि वे इस्तीफा देने के लिए तैयार है ओर दूसरे साइड से भी इस्तीफा देने के लिए तैयार हो जाएं। मुझे यह भाक लगता हैं कि कहीं श्री जगत्राथ मिश्रा की तरह उन्हें भी सकेत आया हुआ हो कि आप भाहीद बनना चाहती है। यानी वे जाने वाले हैं। (हंसी) अगर यह सचमुच सच्ची बात है कि उनकी कोठी में वे नहीं आये तो अब आगे आपका रूल भुरू होता है। आपकी अध्यक्षता में एक कमेटी बना दी जाऐ वह पता कर ले कि कोन सी सही बात है। दोनों का जवाब देख लीजिए। जो झूठा पाया जाये उससे इस्तीफा ले ले।

श्री अध्यक्षः मैं कंसीडर कर लूंगा।

चौधरी भजन लालः मैं स्पीकर साहब, को मुकर्रर करता हूं अगर स्पीकर साहब इन्कवायरी करने हाउस में यह कह दे तो मैं असैम्बली से इस्तीफा दे कर चला जाऊंगा।

सिचाई तथा बिजली मंत्रीः (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, ये बैग जबानी तथा थोथे एलीगे ान्ज

लगाने का कोई मतलब नहीं हैं। हाउस की कमेटी कांस्टीच्यूट करना कोई इतना सिम्पल और लाइट मैटर नहीं है। किसी बात में कोई सब स्टांस या कोई प्रूफ न हो तो हाउस की कमेटी बनाने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।

गैर–सरकारी संकल्प–

(1) अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील को औद्योगिक दृश्टि से पिछडा क्षेत्र घोशित करने संबंधी (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now, the house will resume discussion on the non-official resolution moved by Seth Ram Dass Dhamija on the 10th March, 1983 and further discussed on the 17th March, 1983.

Dr. Om Parkash Sharma, who was on his legs on the 17th March, 1983, may please resume his speech.

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, डाक्टर ओम प्रका ा जी स्पीच भ्ारू करें उससे पहले मैं धमीजा साहब से रिक्वेस्ट करूंगा कि उनका रैज्योलू ान पिछले सै ान में भी काफी समय तक डिसकस हो चुका हैं और आज भी उसी का नम्बर है। उनकी बात बडीं रीजनेवबल हैं कि अम्बाला तहसील को इन्डस्ट्रीज के हिसाब से बैकवर्ड करार दिया जायें। मैं धमीजा साहब को वि वास दिलाना चाहता हूं कि हम अम्बाला तहसील को इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड करार देने के लिए भारत सरकार को स्ट्रौगली रिकमेड करके भेज रहे है। हम भारत सरकार से भी इस

बात को हल कराने की कोि ा ा करेगें कि अम्बाला तहसील को इन्डस्ट्रीज के लिहाज से बैकवर्ड घोशित किया जाये। इसलिये मैं उनसे कहूंगा कि वे इस प्रस्ताव को वापिस ले ले ताकि हाउस मे अगला प्रस्ताव डिस्कस हो जाये।

डा0 ओम प्रका ा भार्मा (**जगाधरी**): मेरी मुख्य मंत्री जी ने रिक्वैस्ट हैं कि तहसील जगाधरी को भी इसमें भाामिल किया जाये क्योकि यह टाउन भी इन्डस्ट्रीली बैकवर्ड है। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट हैै कि इस टाउन को भी इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड करार देने के लिए भारत सरकार को रिकमैड करे।

श्री दयानन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मैं भी आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि हरियाणा के एम0 एल0 एज0 का टी0 डी0 ए0 पंजाब के एम0 एल0 एज0 के बराबर कर दिया जाये।

सेठ राम दास धमीजा (**अम्बाला छावनी**): स्पीकर साहब, अपोजी ान का तो काम नहीं है कि केवल अपनी ही बात कहीं जाये दूसरी की बात न सुनी जाये। एक आदमी बोलने के लिए खडा होता हैं तो दस और उसके पीछे से खड़े हो जाते हैं। किसी पार्टी का एक आदमी बोलने के लिए खड़ा होता है तों दूसरों को नहीं खड़ा होना चाहिए। आपोजी ान के लोगों में अनु ाासन ही नहीं हैं। आप लोग अनु ाासन सीखिए। आप लोग तो किसी को भी बात नहीं करनें देते। हमारी पार्टी के लोग इस तरह से खड़े नहीं होते हैं कि तरह से आप लोग खड़े होते।

स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय न आन दि फलोर आफ दि हाउस आ वासन दिया हैं कि हम भारत सरकार को सिफारि ा करेगे कि अम्बाला तहसील को इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड करार दे दिया जाये। मैं समझता हूं कि उन्होने जो कुछ हैं वह ठीक कहा है इसीलिए मैं अपने रेन्योनू ान को विद्डा करता हूं।

Mr. Speaker: has the hon'ble Member the leave of the House to withdraw his resolution?

Voices: Yes, Yes.

The resolution was, by leave of the House, withdrawn

(ii) **एस0 वाई0 एल0 कैनाल के निर्माणी संबंधी**

Mr. Speaker: Now Shri Devi Dass, M.L.A. will move the resolution on behalf of Shri. Fateh Chand Vij, M.L.A. regarding the delay in the construction of S.Y.L. Canal etc. etc.

श्री देवी दास: मैं प्रस्ताव करता हूं–

यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ाों करनी हैं कि वह केन्दीय सरकार से बात करे कि पंजाब क्षेत्र मैं एस0 वाई0 एल0 नहर के निर्माण कार्य को पंजाब सरकार से वापिस लिया जाय तथा उसके निर्माण कार्य में और विलम्ब को टालने के लिए हरियाणा सरकार को सौपा जाये।

आगे यह सिफारि ा करता है कि उस समय के अनुमानों के अनुसार निर्माण की लागत यदि कोई कार्य करवाने में विलम्ब के कारण अब बढ़ गई हो तो वह अब पंजाब सरकार द्वारा बहन की जाएं।

Mr. Speaker: Motion moved-

This House recommends to the State Government to approach the Central Government that the construction work of S.Y.L. Canal in the Punjab territory be withdrawn from the Punjab Government and handed over to the Haryana Government to avoid any further delay in the construction thereof.

It further recommends that according to the then estimates the cost of construction if any now increased, due to the delay in the getting the work done, be now borne by the Punjab Government.

11.00 बजे

श्री देवी दास (सोनीपत): स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने एस0 वाई0 एल0 बनाने के लिए 20 करोड़ 50 लाख रूपया पंजाब सरकार को दिया है। मुख्य मंत्री जी ने हाउस में आ वासन दिलाया था कि दो साल में नहर खुद कर तैयारी हो जाऐगी लेकिन उस आ वासन को दिये हुऐ दो साल होने वाले हैं लेकिन अभी तक नहर वही की वहीं पर हैं। कोई खुदाई नहीं हुई हैं हरियाणा में भी कांगेस (आई) का चीफ मिनिस्टर हैं और पंजाब

में भी इसी पार्टी का चीफ मिनिस्टर हैं एक चप्पा भी खुदाई नहीं हुई। अगर हम पंजाब को ऐसे ही रूपया देते रहे तो हमे बहुत घाटा होगा। एक तरफ हरियाणा को पानी न मिलने के कारण जमीन बरबाद हो रही हैं और दूसरी तरफ पंजाब का एरिया उसी पानी की वजह से फलड में डूब हुआ हैं मै सरकार से पूछना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार पंजाब सरकार से बीस करोड़ रूपये को वापिस लेकर स्वयं खुदाई क्यों नहीं भाुरू कर देती। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) सी0 एम0 साहब ने हाउस में कहा था कि अगर नहर दो साल में नहीं खुदी तो वे रिजाइन दे देगे। दो साल होने वाले हैं। श्री दरबारा सिंह जी यहीं है और भजन लाल जी भी यहीं है और दोनों स्टेट्स में काग्रेस की सरकार हैं। इसलिए मैं सरकार से यह कहूगा कि नहर की जल्दी खुदाई करवाने के लिये जो 20 करोड़ 50 लाख रूपया पंजाब सरकार को दिया हुआ । वह वापिस लेकर खुद खुदाई करवायें ताकि हरियाणा प्रान्त को जल्दी से जल्दी पानी मिल सके।

श्री वीरेन्द्र सिहं (नारनौद): डिप्टी स्पीकर साहब, श्री फतेंह चन्द बिज जी के बिहाफ पर चौधरी देवी दास जी ने जो रैज्योलू ान मूव किया हैं इस रैज्योलू ान का हम सब स्वागत करते हैं। मुझे आ ाा हैं कि ट्रेजरी बैचिज के लोग भी इस रैज्योलू ान को समर्थन करेगें और एक ध्वनि से साथ यह सदन इसको पास करेगा। डिप्टी सरकार साहब, आपको पता है कि हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। सारे हरियाणा प्रान्त

की खु ाहाली तभी हो सकती है जब किसानों को पानी पूरी मात्रा में मिले। यह एस0 वाई0 एल0 का मसला आज का नहीं बडा पुराना हैं 1960 में इंडस वाटर ट्रीटी के तहत गवर्नमैट आफ इंडिया ने पाक्सितान को 110 करोड़ रूपया दिया था ओर 15.85 एम0 एफ0 पानी जो रावी ब्यास के सरप्लस पानी के नाम से जाना जाता हैं को बरतने के हकूक मिले थे। जब उसकी अपो र्निमैट की बात आयी तो 1976 के एगीमैट के मुताबिक हरियाणा प्रान्त को 3.5 एम0 एफ0 पानी दिया गया। यह सब इस बात के बावजुद किया गया। कि इस रिकमैड किया था। इस पानी के अपो र्निमैट के लिये तीन कमेटियों मुकर्रर हुई थी। एक कमेटी तो पंडित श्री राम भार्मा की सदारत में मुकर्रर हुई थी दूसरी कमेटी मिस्टर वाही। जो बड़े प्रोमिनैन्ट चीफ इंजीनियर हुआ करते थे उनकी देख रेख में कायम हुइ थाी और तीसरी कमेटी एक और कायम हुई थी। 4.8 एम0 ए0 एफ0 से कम पानी किसी भी कमेटी ने हरियाणा के लिये रिकमैट नहीं किया। चूकि हमें पानी की सख्त जरूरत थी इसलिये जब बंसी लाल जी हरियाणा के चीफ मिनिस्टर थें उस जमाने में प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी हरियाणा को देने को फैसला किया। हमने इस फैसले को मान लिया हालांकि इस के खिलाफ हरियाणा में प्रोटैस्ट हुए। एक अच्छे भाहरी होने के नाते ओर नै नल इन्ट्रैस्ट को देखते हुए हमने इस फैसले को कबूल कर लिया। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता हैं कि यह फैसला इम्पलीमैट नहीं हुआ। उसके बाद 1977 में जनता सरकार कायम हुई जनता पार्टी

की सरकार ने इस इ ा को नये सिरे से उठाया। प्रधान मंत्री श्री मोरार जी देसाई को एप्रोच किया गया। इस विशय पर पंजाब हरियाणा ओर राजस्थान तीनों स्टेट्स के चीफ मिनिस्टर्ज और इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर्ज की लगातार मीटिंग होती रही। मीटिंगों की एक लम्बी सीरीज चली परन्तु अफसोस कि फिर भी वह अवार्ड इम्पीलीमैन्ट नहीं हो सका। आखिर हरियाणा प्रान्त को मजबूर होकर इस अवार्ड की इम्नलीमैंटे ान के लिये सुप्रीम कोर्ट में दावा दायर करना पड़ा। बदकिस्मती से वह सरकार इस दौरान टूट गयी ओर मौजूदा मुख्य मंत्री इदस प्रदे ा के मुख्य मंत्री बन गये। हमें तो पता नहीं क्या बातें हुई और क्या नहीं हुई लेकिन इस सरकार ने श्रीमती इन्दिरा गांधाी के दवाब में आकर वह दावा सुप्रीम कोर्ट से वापिस ले गया। फिर इसको री–ओपन कर दिया गाया हालाकि उस वक्त हमारा स्टैन्ड यह था किया इ ा नैगो ीयेंबल नहीं हैं यह इ ा री–ओपन नहीं किया जा सकता। ईवन दैन मौजूदा मुंख्य मंत्री इसको री–ओपन करने के लिए मान गये। 1981 में एक नया एग्रीमैंट किया गया। इस एग्रीमैट के मुताबिक जो मौजूदा पानी रिवर्च में बहता हैं वह 15.8 की बजाये 17.2 एम0 ए0 एफ0 या समथिंग लाईक दैट असैस किया गया। इस में हमने अपना हिस्स 3.5 एम0 एफ0 कंबूल कर लिया हालाकि हमें बढ़ें हुए पानी में से प्रोवो र्निटी ज्यादा हिस्सा मिलना चाहिय था मुख्य मंत्री जी ने उस वक्त बड़ा दीप मालाएं जलवाई थी कि इन्होनें बड़ा भारी तीर मार लिया हैं। हरियाणा के लोगों ने उस एग्रीमैंट को मान लिया लेकिन अभी तक वह पानी हमें नहीं मिला।

वह एग्रीमैंट होने के बाद भाायद आपको भी याद होगा कि मुख्य मंत्री जी ने इसी सदन में खडे होकर यह कहा था कि दिसम्बर, 1981 का यह एग्रीमैट हैं और इस एग्रीमैंट के तहत दिसम्बर, 1983 तक यह नहर खुद कर तैयार हो जायेगीं अगर नहीं होगी तो वे त्यागपत्र दे देगे। दिसम्बर, 1983 आने में केवल महीने ही बाकी रहते है। हो सकता हैं इनको अपने कहे हुऐ को आभास हो। तीन महीने यह नहर तैयार न हो सके तो यह त्यागपत्र दे दे, लेकिन यह भी हो सकता हैं कि इससे पहले ही श्रीमती इन्दिरा गांधी इनको चलता कर दे। फिर तो हम इनको कोई भााब ाी नहीं देगे।

मुंख्य मंत्री (**चौधरी भजन लाल**): डिप्टी स्पीकर साहब, जिस दिन मैं मुख्य मंत्री बना था उसी दिन से यह लोग कह रहें हैं कि मैं अगले सै ान में मुख्य मंत्री नही रहूंगा ओर इस कुर्सी पर कोई और ही आकर बैठेगा लेकिन आपको पता हैं कि मैं अब तक यहीं बैठा हूं।

श्री हीरा नन्द आर्य: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको यह भी याद होगा कि इन्होंने यह भी कहा था कि पांच साल तो पूरे करेगें ही अगले 5 वर्श में भी चीफ मिनिस्टर रहंगें। क्या यह उस कथनी पर भी कायम हैं या नही। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लाल: हां उस पर भी कायम हूं (व्यवधान व भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिहं: डिप्टी स्पीकर साहब, मुंख्य मंत्री जी ने इन्टरवीन करते हुए यह बताया हैं कि जब से वे आये है तब से ही इनके बारे में यह कहते आ रहे हैं कि इस सै ान में जायेगें अगले से ान में जायेगे पिछली बार बजट सै ान में आप को याद होगा मैंने भी यह कहा था कि इनके बारे में चर्चा हो चूकी हैं और इनको जल्दी ही खजान्ची बनाया जा रहा है।

श्री उपाध्यक्ष: वीरेन्द्र सिंह जी आप रैलेवैन्ट बोलिये।

श्री वीरेन्द्र सिहं: मै कोई भविश्य वक्ता तो हूं नहीं लेकिन ि फर भी मैं पक्की बात कह रहा हूं कि दिसम्बर तक अब की बार अव य ही इनका नम्बर कट जायेगा। मैं यह पक्की बात कह रहा है।

चौधरी भजन लाल: अगर मैं रहा तो क्या इस्तीफा दोगे?

श्री वीरेन्द्र सिहं: फिर तो हम इस्तीफा दिये जैसे ही रह जायेगे। इस प्रदे ा की बदकिस्मती होगाी कि आप जैसे आदमी इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री रहे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह अर्ज कर रहा था कि इन्होनें इसी हाउस में यह कहा था कि दिसम्बर, 1983 तक दो साल के अन्दर अन्दर अगर यह नहर न बनी तो यह गद्दी छोड़ जायेगे। पिछले सै ान में एक सवाल के जवाब में

मुख्य मंत्री जी ने और भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी ने बताया था कि काम हमारी सैटिसफैक ान के मुताबिक हा रहा है। बड़ी प्रगति से काम चल रहा हैं क्योंकि उसका उद्घाटन श्रीमती इन्दिरा गांधी ने किया हैं। इसलिऐ साढ़े बीस करोड़ रूपया भी हमने दे दिया है और काम हमारी तसल्ली के हिसाब से चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, हम इनकी बात को मान गएं हमने समझा कि हमारे चीफ मिनिस्टर हमारे बिजली और नहर के मिनिस्टर ठीक ही बात कर रह हैं। ये लोग सदन की और हरियाणा की सवा करोड़ जनता को गुमराह नहीं करेगे। लेकिन कितने अफसोस की बात हैं कि इन दोनो महानुभावों ने सदन को गुमराह किया, हरियाणा की सवा करोड़ जनता को गुमराह किया । उपाध्यक्ष महोदय, हमें असली बात का पता ही नहीं चलता। अगर पंजाब के दोनों मिनिस्टर यह बयान न देते कि जब तक हरियाणा वह रकम जो पंजाब ने मांगी हैं भाायद वह तीस करोड़ हैं या पचास करोड़ हैं नहीं देगा, तब तक नहर का काम भाुरू नहीं होगा। ओर उस बयान मे उन दोनो मंन्त्रियों ने कहा कि अभी तक एक इंच नहर की ख्ुदाई भाुरू नहीं हुई है। कितने अफसोस की बात हैं कि हरियाणा के लोगों के खून पसीने की कमाई को बीस करोड़ रूपया पंजाब सरकार को दे दिया गया ओर वहां के अंफसर और नहर के मैंनजमैंट उस पैसे को चट कर गया। एक इंच नहर की खुदाई भी नही हुई और हमारी सरकार मजबूर होकर चुपचाप बैठी है। इस सरकार को कोई उपाय नहीं सूझता कि क्या करे। अगर यह सरकार इसी प्रकार कमजोर बनी रही और यही ऐटीच्यूड रहा तो दस पन्द्रंह

साल तक भी कोई उम्मीद नहीं है। कि पंजाब की टैरिटरी में यह नहर खुद जायेगी। उपाध्यक्ष महोदय, जिस वक्त 1981 में चौधरी भजन लाल ने ऐग्रीमैंट साइन किया था क्या उस वक्त ये नहीं कह सकते थे कि पंजाब का ऐजेन्सी के थू की जाए। क्या चौधरी भजनलाल ऐसे लोग कदम उठायेगें जिससे पंजाब सरकार मजबूर हो जाए कि नहर की खुदाई फौरी तौर पर भुरू कर दें? अगर उनके पास कोई ऐसी तजवीज नहीं हैं ओर हमसे तजवीत पूछना चाहेगें तो मैं उनको लिखकर भेज सकता हूं । अगर चीफ मिनिस्टर ठीक समझे तो दो चार सुझाव मै उनको लिखकर भेज सकता हूं जिससे पंजाब सरकार मजबूर हो जायेगी। और नहर की खुदाई का काम फौरन भुरू कर देगी। अगर यह सरकार थोड़ी सी भी जागरूक होती तो यह समस्या सामने न आती। उपायध्क्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार को कहना चाहता हूं कि हरियाणा का बच्चा बच्चा इस काम में सरकार के साथ हैं हम सरकार की मदद करने के लिए तैयार हैं। इस नहर की खुदाई के काम को किसी सैन्ट्रल ऐंजेन्सी को दिया जाय जिससे कि यह काम जल्दी पूर्ण हो सके। अगर यह सरकार ठीक समझे तो ऐसे इम्कदमात उठाए जाएं जिससे पंजाब सरकार नहर की खुदाई करने के लिए मजबूर हो जाए और वह जल्दी से जल्दी नहर की खुदाई का काम भुरू करे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही कहकर समाप्त करता हू।

श्री हीरा नन्द आर्य (**लोहारू**): उपाध्यक्ष महोदय, सदन के सामने जो प्रस्ताव पें ा हुआ है। वह वास्तव में हरियाणा की

जिन्दगी और मौत के सवाल से संबंध रखता हैं इसमें सरकारी पक्ष या विपक्ष का सवाल नहीं है। हरियाणा के बच्चे बच्चे का भाग्य इससे जुड़ा हुआ है और सभी लोग इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं अब प्र न यह पैदा होता हैं कि आज इस प्रस्ताव की आव यकता क्यों पड़ी? उपाध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जब हिन्दुस्तान और पाकिस्तान बने तो उस वक्त पाकिस्तान को 110 करोड़ रूपया पानी का मुआवजा दिया गया लेकिन आज भी वह पानी पाकिस्तान को जा रहा है।दूसरी तरफ पंजाब और हरियाणा में इस पानी के लिए कम्युनल रायट्स पैदा करने की कोि ा ा की जा रही है। कुछ निजी स्वार्थी लोग आपस में लोगों को लड़ाने की कोि ा ा कर रहें है। यह कितने दुर्भाग्य की बात हैं कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल बनाने के लिए हम लड़ रहें हैं मै समझता हूं कि जो झगडा हैं वह 1.9 एम0 ए0 एफ0 पानी के लिए सारे दे ा और विदे ा में ताज्जुक की बात यह हैं बाकी पानी तो मैं समझता हूं मिल रहा हूं और ताज्जुक की बात यह हैं कि 1.9 एम0 ए0 एफ0 पानी के लिए सारे दे ा और प्रदे ा में असंतोश का वातावरण पैदा किया जा रहा हैं। दूसरी तरफ 8 एम0 ए0 एफ0 पानी पाकिस्तान को जा रहा हैं। जिसका 110 करोड़ रूपया पाकिस्तान को मुआवजे के रूप में दिया जा चुका है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यहां तक कहना चाहता हूं कि चाहे केन्दीय सरकार हैं चाहें पंजाब सरकार हैं इस 8 एम0 ए0 एफ0 पानी को तब तक नहीं रोक पायेगे जब तक थीन डेम नही बनेगा। लेकिन सरकार के कार्यकलापों से पता चलता हैं कि थीन डैम

कभी नहीं बनेगा। कितनी विडम्बना की बात हैं कि जो पानी पाक्सितान को जा रहा है। उस पर कोई रोक नहीं हैं और यहां थोडे से पानी के लिए कम्युनल रायट्स क्रियट किये जा रहें है। उपाध्यक्ष महोदय, इस पानी के मामले को लेकर जितनी भी कमेटीज आज तक बनी उन सब ने हरियाणा के हिस्से को जायेज बताया लेकिन जब भी कोई फैसला हुउा उस वक्त हरियाणा का हिस्सा कम होता चला गया। 1966 में एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई जिसने 4.5 एम0 ए0 एफ0 पानी दिया। इसके बाद 1970 में सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने 3.8 एम0 ए0 एफ 0 पानी हरियाणा को दिया। उपाध्यक्ष महोदय 1975 में सैन्ट्रल पावर कमि न ने हरियाणा को ज्यादा हिस्सा दिया लेकिन वह केवल पेपर पर ही रहा। इसी तरह डी0 पी0 धर जो उस वक्त प्लानिंग मिनिस्टर थे उन्होने 3.74 एम0 ए0 एफ0 पानी हरियाणा का माना था लेकिन वह भी नहीं मिला। 1976 में इन्दिरा गांधी ने एक एवार्ड दिया जिसके तहत हरियाणा को साढे तीन एम0 ए0 एफ0 पानी दिया। उपाध्यक्ष महोदय अगर उस वक्त साढ़ें एम0 ए0 एफ0 पानी की नहर बन गई होती तो हरियाणा में लिफ्ड इरिग ेन स्कीम के जरिये वि ेशकर महेन्दगढ, भिवानी के इलाकों जो रेतीले इलके हैं जहां एक एक बूंद पानी के लिए तरसते हैं इन इलाको में पानी की समस्या हल हो जाती हैं इस इलाके में कई कई साल तक कहत पडते रहते हैं इस पानी को लेने के लिए हरियाणा सरकार ने हरियाणा की जनता की खून पसीने की कमाई नहर बनाने पर खर्च की है। लेकिन आज तक इन लोगों को पानी नही मिला। उपाध्यक्ष महोदय

इस समस्या को आज तक नेकनीयती से नहीं लिया गया अगर नेकनीयती से लिया गया होता तो कैनाल बन गई होती । जब जनता पार्टी का राज था उस वक्त फैसला करने की काफी कोि ा ा की गई थी लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली और केस सुप्रीम कोर्ट मैं चला गया। 1981 मैं कुल पानी 15 एम0 ए0 एफ0 था जिसमें से हरियाणा को साढें तीन एम0 ए0 एफ0 पानी दिया गया और 3.50 एम0 ए0 एफ0 पंजाब को दिया गाया। 1981 में हरियाणा के चीफ मिनिस्टर पंजाब के चीफ मिनिस्टर ओर राजस्थान के चीफ मिनिस्टर के बीच दे ा के प्रधानमंत्री की मौजदूगी में एक नया ऐग्रिमैट के तहत 15 एम0 ए0 एफ0 की बजाए 17 एम0 ए0 एफ0 एंड समथिंग पानी मान लिया।इस मे से हरियाणा का हिस्सा वही रहा जो पहले था यानी साढे एम0 ए0 एफ0 डी माना गया जबकि मिलना 4 एम0 ए0 एफ0 जो सरप्लस पानी था उसमें से भी हरियाणा को हिस्सा मिलना चाहिये था। सन् 1981 में जो फैसला हुआ था उसके तहत हरियाणा को 3.50 एम0 ए0 एफ0 पानी मिलना चाहिये था। एक तरफ हरियाणा की लिमिट मुंकर्रर कर दी गयी और दूसरी तरफ पानी की कपैसिटी 15 से 17 एम0 ए0 एफ0 तक बढा दी गयी। होना तो यह चाहिये था कि बढे हुए पानी को भाामिल करके 3.12 एम0 ए0 एफ0 पानी हरियाणा का मुकर्रर हुआ। होना यह चाहिये था कि जितना पानी हरियाणा को मिलना था उतना ही पानी पंजाब को मिलना था लेकिन अब पंजाब को 3.50 एम0 ए0 एफ0 की बजाये 4.22 एम0 ए0 एफ0 पानी मिलेगा। यह फर्क क्यो है।? पंजाब का हिस्सा और

बढा दिया गया और हरियाणा का घटा दिया, इस के बावजूद भी हरियाणा के लोग कह रहे है कि जो फैसला हो गया है उस के मुताबिक पानी हरियाणाा को मिलना चाहिऐ। हरियाणा के लोग हर बात मानने को तैयार है लेकिन हुआ क्या। पिछले सै ान में भी हमने कहा था कि हरियाणा की खून पसीने की कमाई बरबाद की जा रही हैं पंजाब को हरियाणा ने इस काम के लिये साढे 22 करोड़ रूपयें के करीब म ानरी वगैरह खरीदने के लिये, हरियाणा से ओर रूपये मांग कर रहे है। लोगों की खून पसीनै की कमाई बरबाद की जा रही है। हरियाणा के हित को देखते हुए मुख्य मंत्री महोदय ने कहा था कि अगर वे 31 दिसम्बर, 1983 तक प्रधानमंत्री महोदय से इस प्रोजैक्ट का उदघाटन न करवा सके तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देगे। डिप्टी स्पीकर साहब पता नहीं दिन में कितनी बार वे इस्तीफा देते है। और वापिस लेते हैं। अपनी किसी बात पर वे अटल नहीं रहते । उपाध्यक्ष महोदय इस नहर का उद्घाटन 8—4—82 को हुआ था और इन्होने 31—12—1983 तक इस प्रोजैक्ट कौ पूरा करने का आ वासन दिया था लेकिन अफसोस कि नहर खोदी नही गयी। डिप्टी स्पीकर साहब हरियाणा के गाढे खून पसीने की कमाई को ये मिल जुल कर खा गये पी गये और उस पैसे को बचाने की हमारी यह सरकार हिम्मत नही कर पा रही है। हम तो यह कहते हैं कि आओ मिल कर चाहे कोई भी पार्टी हो। हरियाणा के हितों के लिय केन्द सरकार पर दवाब डाले। ताकि हरियाणा के लोगों की खून पसीने की कमाई का जो पेसा हैं वह बरबाद न होने पाये। पिछले दिनों सुरजेवाला

साहब ने भी छाती चौडी करके यह कहा था कि काम बड़ा भारी हो रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

सिचाई तथा बिजली मंन्त्री (चौधरी भामे ार सुरजेवाला): बड़ा भारी काम हो रहा है। यह मैंने कभी नही कहा।

श्री हीरा नन्द आर्य: उपाध्यक्ष महोदय, बार बार ये लोग कहते रहे कि 31–12–1983 तक यह प्रोजैक्ट पूरा हो जायेगा। 21 जुलाई 1983 को पंजाब सरकार की तरफ से एक प्रैस नोट आया। इसके बाद हरियाणा ओर पंजाब के वित्त मंत्री की सांझी मींटिंग हुई जिस में और पैसे की मांग की गयी। मीटिंग में यह कहा गया कि हरियाणा सरकार का काम पैसे न देने के कारण रूका पड़ा है। उपाध्यक्ष महोदय, जून, 1983 को तीन करोड़ और जुलाई , 1983 को और तीन करोड़ रूपया दिया गया। फिर सै ान के दौरान सुरजेंवाला साहब ने एक सवाल के जवाब मे कहा था कि करोडों रूपया फालतू खर्च होगा और इसका ऐस्टीमेंट 40 से 50 करोड़ का होगा। एक भोर है–

'इब्तता इ क होता हैं क्या, आगे आगे देखिये होता है क्या'

उपाध्यक्ष महोदय 40–50 करोड़ की बजाये अगर हम 1000 करोड़ भी देदे तो भी यह लिंक बन नहीं पाएगा क्योंकि जब तक उस लिंक पर पैसा खर्च नहीं होगा तब तक वह लिंक पूरा नही हो पाऐगां। हमारी सरकार को यह चाहिऐ था कि सभी

पार्टीज को साथ लेकर केन्दीय सरकार पर इस बात का जोर डालते कि यह काम हमारे हवाले करों। हमारे इंजीनियरिेग इसे बनायेगे। हमारे इंजीनियरिंग बडें ही काफिल है। उन्होने पहले भी कई ऐसे प्रोजैक्ट बनाए है। तभी यह काम पूरा होगा। इस ढंग से तो यह काम कभी भी सिरे नहीं चढेगा। चाहे आप कितना पैसा पंजाब वालों को देते जाआ। पंजाब वाले इस काम में रूचि नहीं लेतें क्योकि वे सोचते है कि अगर यह लिंक बन गया तो सारा पानी हरियाणा को चला जायेगा इसी लिये वे इस काम को सिरे नहीं चढनें दे रहे। उपाध्यक्ष महोदय पंजाब वालों को यह नहीं भूलना चाहिऐ कि इसके परिणाम भयंकर हो सकते है। क्योंकि एक प्रदे ा का एक दूसरे से पूरा पूरा संबंध होता हैं आने जाने के रास्ते इकटठे होते हैं आज तक पंजाब के अन्दर काफी दुर्घटनाएं हो रहीं है। कल को उनके इस व्यवहार से और भी काम बिगड जायेगा। उनको इस बात को भी ध्यान होना चाहिये के उनकी तरफ जाने वाला तेल का रास्ता हरियाणा से हो कर जाता है। अगर हम इस सप्लाई को बन्द कर देगे तो यह अच्छी बात नहीं होगी इस लिये पंजाब वालों को हमसे मिलना कर चलना चाहिऐ। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री जैसी बातें कर रहे है। इन बातो से काम नही चलेगा। इन्होनें भिडरवाला को कहा कि आप मुलाजिमों को प्रोटैक ान दे रहें हो आप उनको सरकार के हवाले करो। उन्होनें आगे से जवाब दिया कि आप आओ ओर उन मुलाजिमों को ले जायो। इस तरह की बातो से काम नहीं चलेगा। (ाोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, इस

तरह से बात नहीं बनेगी। (ाोर एवं व्यवधान) पंजाब वाली घटनायं भाायद आप हरियाणा में भी करवाने का विचार रखते हो। यह भी कांग्रेस पार्टी की ही पैदाय ा है। इसलिये हम आपकों वार्न करना चाहते.....(ाोर)

चौधरी भामे ार सुरजेवाला: आर्य साहब, आप भी कांग्रेस से बनकर आये थे।

श्री हीरा नन्द आर्य: एक सवाल ऐसा था जब सारा मुल्क ही कांग्रेस के साथ था लेकिन आज काग्रेस बिल्कुल मर चुकी है। एक मुर्दा ला ा बन चुकी हैं। उपाध्यक्ष महोदय मैं इनसे जानना चाहता हूं कि एम0 वाई0 एल0 के बारे में पिछले सै ान में भी रूल 84 के तह्त प्रस्ताव आया था और उस वक्त इन्होनें कहा था कि हम ऐसी कोई बात नहीं होने देगे। आज हरियाणा का हर आदमी इस बारे में महसूस कर रहा हे। लेकिन इसके बावजूद भी इन्होनें आज क्या यत्न किये है। उसका नतीजा क्या निकला है? इन्होनें चाहे लाखों यत्न किये हों लेकिन उसका रिजल्ट 0 रहा है। इसलियें कि 21 करोड़ 20 लाख रूपया तो वे साफ कर चूके हैं हरियाणा को और कितना बर्बाद करोगे। मैं चाहता हूं कि यह प्रस्ताब सर्वसम्पति से मंन्जूर होना चाहिए। अगर सरकार पोजिटिव स्टैप उठाएगाी तो विपक्ष के लोग भी सरकार का पूरा पूरा साथ देगें। मै एक बार फिर वि वास दिलाना चाहता हूं कि हरियाणाा के हित के लिये हमारी पार्टी से बडी कुर्बानी करने के लिये तैयार है।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, एस0 वाई0 एल0 के पानी को हरियाणा को बहुत ज्यादा जरूरत है। यह ठीक है। कि यह काम दो साल में होना चाहिये था जोकि नहीं हो पाया। इसमें मैं हरियाणा सरकार का तो कसूर नहीं समझता (विघ्न) एस0 वाई0 एल0 का पानी प्राप्त करने के लिये हरियाणा का एक बच्चा अपनी सरकार के पीछे खड़ा था। इस बारे में जो एग्रीमैंट हुआ था उसमें यह भार्त रखी थी कि अगर इस काम मे कोई अड़चन पैदा होगी। तो भारत सरकार इस नहर को बनाऐगी। मै समझता हूं कि वक्त आ गया है। कि भारत सरकार इस मामले मे दखल न दे। अब भारत सरकार इस नहर का चार्ज अपने हाथ में ले ले ओर इसको बनाये। हम भारत सरकार से सिफारि ाों करेगे कि वह इस काम को अपने हाथ में ले ले ताकि यह काम जल्दी खत्म हो सके। जो हमने साढे बीस करोड़ रूपया पंजाब वालों को दिया हुआ हैं उसका अब तक कोई नतीजा बरामद नही हुआ है। यह हरियाणा सरकार की खून पसीने की कमाई हैं हम यह नहीं चाहते कि यह पैसा नाजायज खर्च हो। सब हरियाणा निवासी चाहते है कि एस0 वाई0 एल0 जल्दी तैयार हो इस मामले मे सारे हरियाणा के लोग हमारी पार्टी के साथ खड़े है।

श्री वीरेन्द्र सिहं: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या सदन में पढ़ कर भी भाशण दिया जा सकता है।

इनको भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने लिख कर दे रखा हैं उसी को रट लगा रहें है।

श्री उपाध्यक्षः वे पढ़ नही रहें है। बल्कि प्वाइंट देख रहे है।

सेठ राम दास धमीजाः आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा का हित कांग्रेस पार्टी के हाथ मे सुरक्षित हैं। मैं समझता हूं कि जो कागें्रस पार्टी हरियाणा कि लिये कर सकती हैं वह ये लोग नहीं कर सकते? ये अच्छी बात को भी बुरी कहते है इनके हिस्से में तो यही आया हैं कि अच्छे काम को भी बुरा कहो। यह प्रस्ताव अपोजी ान की तरफ से आया है। लेकिन हम इसकी हिमायत कर रहे है। (विघ्न) जहां तक एस0 वाई0 एल0 पानी का ताल्लुक है इस पानी के आने से हरियाणा की बहुत भारी तरक्की होने वाली है। और खास तौर पर अम्बाला को प्रति आदमी 40 गलैन पानी मिलेगा। हमारी प्रधानमंत्री महोदया ने आज तक हरियाणा के हितो का पूरा ध्यान रखा हैं मुझे उम्मीद हैं वे अब भी पूरा ध्यान रखेगी और जल्द से जल्द यह काम मुकममल होगा। इसके मुककमल होने से जहां फालतू पानी से पंजाब में सेम आती हैं वहां हरियाणा में खु क जमीन को पानी मिलेगा। मैं अपनी प्रधान मंत्री महोदया को फिर से रिकवैस्ट करूंगा कि यह नहर जल्दी मुककमल की जाये। आज हम हर जगह सीवरेज बिछा रहे है। लेकिन अगर पीने का पानी नहीं मिलेगा तो सीवरेज कैसे चलेगी? आज हरियाणा में कोई भी आदमी ऐसा नहीं है। जो यह

चाहता हो कि यह पानी हमें न मिले। मैं आपोजी ान पार्टी से भी रिक्वैस्ट कंरूगा कि वे इस मामले में सहयोग दे और किसी किस्म का नाजायज कटाक्ष न करे ताकि यह मामला न रूके। गलत बात को गलत कहो और सही बात को सही कहो। इस मे घबराने की बात नहीं है। अन्त में आ ाा करता हूं कि यह काम जरूर होगा। इतना कहते हुए आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): उपाध्यक्ष महोदय, आज सदन में एक महत्वपूर्ण विशयो पर परिचर्चा चल रही है। मेरे दल के एक साथी ने यह प्रस्ताव सदन में रखा है। इसमें तीन मोटी बातें कही गई है। पहली बात यह है कि यह सदन सरकार से सिफारि ाों करता है। कि मरकज की सरकार से बात की जाए कि पंजाब क्षेत्र मे जो एस0 वाई0 एल0 नहर की कंस्ट्रक ान का काम चल रहा है। वहां से वापिस ले लिया जाए और हरियाणा सरकार को सौंप दिया जाय और साथ साथ.....(व्यवधान)

श्री भागी राम: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है भार्मा साहब ने हुक्का बीडी हाउस में ला रखे हैं। क्या कोई मंत्री ये भी हाउस में ला सकते है? (ाोर)

श्रीमती चन्दावती: डिप्टी स्पीकर साहब, बात यह है कि अगर इस तरह पाइप और तम्बाकू हाउस में आने लगेगा तो यह हाउस के प्रिवलेज की बात हैं। यह बड़ी गलत बात हैं इस तरह

से हाउस की मर्यादा भंग होती है। ये जेब मे तो रख सकेत है लेकिन टेबल पर नही।(ाोर)

श्री उपाध्यक्षः इसमें हुक्के वाली बात नहीं हैं। वैसे भी हाउस में कोई स्मोक तो नहीं कर सकता लेकिन पास रखने में को हर्ज नहीं है।(ाोर)

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, जो प्रंस्ताव सदन में पें ा किया जा गया है। यह हरियाणा की 1 करोड़ 30 लाख अवाम की जिंदगी और मौत से वास्ता ह। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः डिप्टी स्पीकर साहब, सिगरेट और पाइप कोई भी आदमी अपनी जेंब मे रख सकता हैं यह कोई बेपन हैं नहीं जिसको कोई अपने पास नहीं रख सकता। यह तो सिगरेट पाइप है जो जेब में रखा जा सकतां। माननीय सदस्य में साईड ट्रेक करने के लिए यह मामला खड़ा किया है। हाउस में ये बातें कहने का कोई मतलब नहीं (ाोर)

श्री ममी चन्दावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, फिर तो मैं मंत्री जी को कहूंगी कि आप भी अपनी टेबल पर सिगरेट पाईप रख लिया करें और यहां बैठ कर पी लिया करें।(ाोर एव विघ्न) We are no side tracking. We are taking it very seriously. (interpretations)

श्री उपाध्यक्षः मैडम ऐसी बात नहीं है।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री मंगल सैन: डिप्टी स्पीकर साहब, हाउस में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर चर्चा हो रहीं है। और यह प्रस्ताब हरियाणा प्रान्त की 1 करोड़ 30 लाख अवाम की जिंदगी और मौत के साथ बाबस्ता हैं जिस वक्त दे ा का बंटवारा हुआ उस समय हमारे दे ा के कुछ दरियाओं का पानी पाकिस्तान की ओर जाता था। उस समय हिन्दुस्तान सरकार ने इन्डस वाटर ट्रीटी करके वर्ल्ड बैंक की मारफत पाकिस्तान को 110 करोड़ रूपए दिए थे। हिन्दुस्तान सकी सरकार ने उस समय वर्ल्ड बैक के सामने जो एगीमैंट रखा था उसमें यह कहा गया था कि प्रजाब का कुछ हिस्सा (अब का हरियाणा) डैजर्ट है।और वह ऐसा इलाका है जहां पर पानी उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण खेती पूरी नहीं कर सकती । पीने का पानी दूर से लाना पड़ता है स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब है कि उन बातके से प्रभावित हा कर यह पानी लिया गया हैं उस समय पंजाब और हरियाणा इकटठे ही थे। कजस सवय पंजाब ओर हरियाणा अलग हुए उस समय इस पानी के बंटवारे को सवाल आया इस बारे में कई कमेटियों बैठी। स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त श्री वीरेन्द्र सिंह जी जनता पार्टी के भाासनकाल में इस महकमें के वजीर थें इन्होनें सारे रिकार्ड को स्टटी करके इस को डील किया था। स्पीकर साहब, मुझे भी त्रिपक्ष वार्ता मे जाने का मौका मिला है। जिसमें इस बारे सारे डाकूमैंटसय दिय गए थे। पंडित श्रीराम भार्मा कमेटी बनी वाही साहब कमेटी बनी। और फूड कमेटी बनी। तीन कमेटियां थी। उन कमेटीज ने 4.8 एम0 ए0 एफ0 पानी की रिकमैंडे ान की थी।

हमारे दे ा के इस समय के राश्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी उस समय पंजाब के मुख्य मंत्री होते थे। उन दोनों ने उस समय श्रीमती इंदिरा गांधी के सामने हरियाणा प्रान्त के लिये 3.5एम0 ए0 एफ0 पानी का फेसला किया था स्पीकर साहब, जनता पार्टी के भाासन काल के दौरान हमने एस0 वाई0 एल0 नहर को खुदवाने के लिए काफी कोि ा ा की थी लेकिन हम कामयाब नहीं हो सके।चौधरी भजनलाल जी ने 31–12–1981 को एक एग्रीमैंट किया। लिस समय वह एग्रीमैंट हुआ उस समय प्रजाब, हरियाणा और राजस्थान तीनों स्टेट्स के मुख्य मंत्रियो ने प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की अध्यक्षता में यह फैसला किया था कि दो साल के अन्दर अन्दर जो पानी हरियाणा को मिलना है। उसके लिए लिक कैनाल का निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, इस फैसले पर इन्होने बहुत खुि ायों मनाई सरकारी बिल्डिगों पर रैस्ट हाउसिज पर दीप मालाऐ जलाई भंगडे डलवाए। इन्होनें कहा कि हमने बडा भारी मोर्चा जीता हैं। इस बात पर पंजाब में भाोर हुआ। पंजाब के अपोजी ान मैम्बर्ज ने काफी भाोर किया और उन्होने कहा कि इस मामले पर उन्हें व्हाइट पेपेर ई ू किया जाए। उस समय व्वाइट पेपर ई ू किया गया और यह कहा गया कि हमने हरियाणा को जो 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी दिया हैं यह मने बडी भारी अचीवमैट की हैं । चौधरी बंसी लाल जी के वक्त में जो फैसला हुआ था उसमें यह कहा गया था कि हैड वर्कस पर सैटर गवर्नमैट का कंट्रोल होगा तोवह यह कहेंगें कि एस0 वाई0 एल0 नहर के पानी का जो 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी

हिस्सा हरियाणा को देगें। वह तो ठीक हैं लेकिन जितनी हमारी मर्जी होगी उतना ही पानी हरियाणा को देगे। इस समय भी हरियाणा को जो पानी मिल रहा हे। वह बहुत थोडी मात्रा मे मिल रहा हैं। और सारा पानी पाकिस्तान की ओर जा रहा है। कजस की वजह से हरियाणा की धरती प्यासी है। स्पीकर साहब, श्रीमती इंदिरा गांधी ने एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई के लिए उदघाटन किया ओर उस खुदाई में बड़ी कंट्रोलेवर्सी हुई। (ाोर एव विघ्न) स्पीकर साहब, चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी मेरे लायक दोस्त हैं बहुत अच्छे आदमी हैं। हम इनके खिलाफ एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई के बारे मे जो इन्होनें कंट्रोडिक्टरी स्टेटमैटस दी है उस के बारे में एक प्रिविलेज मो ान लाए थे। लेकिन आपके हुक्म के मुताबिक वह डिस अलाऊ कर दी गई। स्पीकर साहब, आपका फैसला तो हमारे लिए आखिरी मौका हैं हमने आपके फैसले को कबूल कर लिया। स्पीकर साहब, मैने पिछले सै ान में 17 मार्च को एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे मै एक सवाल दिया था उस समय मैनें इनस यह पूछने की कोि ा ा की थी कि एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई मे कितनी प्रोगैस हुई हैं इस सै ान मैं भी 12 सितम्बर को मैनें एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई के बारे में भी एक सवाल पूछा था और उसमें भी मैनें खुदाई के आरे में प्रोगैस पूछी है। स्पीकर साहब, मैं इनसे बार बार इस नहर की खुदाई की प्रोगैस पूछता हूं और इस सरकार की तरफ से एक ही जवाब मिलता है। कि कोई प्रोगैस नहीं है। खुद भी मानते हैं और बड़े नाराज हो कर इन्होने प्रैस स्टेटमैट दी कि

पंजाब वाले किस मुंह से और पैसा में मांगते है? हमने उनको पहले जो पैसा दे रखा है पहले उसका हिसाब दें। स्पीकर साहब, इन्होंने उस नहर की खुदाई के लिए अनाप भानाप ढंग से पैसा खर्च कर दिया। खुदाई फिर भी नहीं हुई है। और बड़ी बेरहमी से साथ पैसा खर्च किया है। वह पैसा खर्च हाने से दिल में कोई दर्द नहीं है। क्योंकि वह पैसा तो हरियाणा के गरीब किसानों मजदूरों और आम आदमियों के खूने पसीने की कमाई का है। जैसे मर्जी ये गुलछर्रे उडाऐ इनको कोई रोकने वाला नहीं है। स्पीकर साहब, जो एगीमैंट हुआ था उसमें यह फैसला किया गया था कि नहर की खुदाई के बारे में क्वार्टली मीटिंग होती रहेगी और खुदाई की प्रोगैस का पता लगाता रहेगा। स्पीकर साहब, मेरे सवाल के जवाब मैं सुरजेवाला साहब फरमाते है।

" It is not in the interest of the public to dislcose the proceedings of those meetings."

फिर पब्लिक इन्ट्रेस्ट किस बात में होता हैं? स्पीकर साहब, मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि जो क्वार्टरली मीटिग होती हैं उन मींटिगों में क्या कभी यह ि ाकायत रखी थी कि नहर की खुदाई का काम सन्तोशजनक नहीं हैं? स्पीकर साहब, हरियाणा की जनता बहुत परे ाान है। और जानना चाहती है। कि उन मीटिगों में उनके हित की बात की हैं या नहीं। जबहम इनसे उन मीटिगों के बारे में पूछते तो यह बताने के लिए तैयार नहीं है। स्पीकर साहब, इन मीटिगों की कार्यवाही छुपाने के लिए तो

पब्लिक इन्ट्रैस्ट का एक बहाना है। पब्लिक इन्ट्रैस्ट इन बातो में होता है जिन में सरकार उनके हित की बात करती है। और उनको उन बातों के बारे में बताती हैं। जनता को पता लगे कि सरकार के प्रति कही ऐसी भावना तो नहीं हैं। कि सरकार कोरे झूठे वायदे करती है। हमें झूठे झासें देती है। और हमं बहकाती है। लेकिन वास्तव में कुछ ओर करती है। स्पीकर साहब आज हमारे पडौसी राज्य में बदअमनी फैली है। और ला एड आर्डर टूटा हुआ है। वहां पर कोई भी सुरक्षित नहीं है। साधारण की तो बात ही क्या हैं वहां पर डी0 सी0 आई0 जी0 और पुलिस इन्सपैक्टर तक दिन दहाड़े गोलियों से मारे जाते है। गोली मारने के बाद अपराधी धार्मिक स्थानों में जा कर छुप जाते है। मुख्य मंत्री जी ने नानक लिवास में जनरैल सिंह भिडरवाला को पत्र लिखा कि हमारे प्रांन्त के अन्दर मारे गए व्यक्ति के चार कातिल आपके पास है। आप उन्हे हरियाणा के लोटा दे। इसके उतर में भिण्डरवाला लिखते है कि चारों व्यक्ति हमारे पास है आ कर ले जाओ। अब इनकी हिम्मत नहीं है कि इन कातिलो को वहां से ले आयै। (ाोर) This is the condition of this country and there is a State within a State. That man is so powerful that the Chief Minister cannot dare to apprehend the culprits who are responsible for murdering innocent persons at Rori. स्पीकर साहब, इससे बढ़ कर हरियाणा के लिए बदकिस्मती की बात और क्या हो सकती है। पंजाब के अन्दर भी कांगेस पार्टी की सरकार हैं यहां पर भी काग्रेस पार्टी की सरकार है। और सैन्टर के अन्दर

भी कागेस की सरकार है। जब तीनों स्थानों पर एक पार्टी की सरकार हे। और फिर भी नहर की खुदाई न हो तो इससे बढ़कर दुख की बात ओर क्या हो सकती हैं मै जानना चाहता हूं कि क्यों वहां पर भिण्डरवाला अडें हुए है या अकाली पार्टी ने मोर्चा लगाया हुआ है। अकालियों से हमारे कुछ मामलों में मतभेद जरूर है। लेकिन हर मामले में अकालियों को भाामिल करे। यह बात समय से बाहर हैं ये खुद मसले को हल नहीं करना चाहते ताकि अगले चुनाव में जनता को कह सकें कि हमने तुम्हें पानी लेकर दिया है। भजन लाल जी ने तो भाुरू में कहा था कि यदि नहर की खुदाई दो साल के अन्दर अन्दर न हुई तो इस्तीफा दे दूंगा। मुझे मालूम हैं कि ये इस्तीफा नहीं देगें। यह पक्की बात हैं क्योंकि यह सोचते है कि मुख्य मंत्री की गद्दी एक बार हाथ लगती है। बार बार हाथ नहीं लगती हैं इनको यह भी पता हें कि इनके 8 दोस्त इनकी गददी के पीछे पड़े हुए है। उन्हे कांग्रेस हाईकमान कह रहा है। कि से ान निकल जाने दो यानि सितम्बर के बाद इनकी छुट्टी कर देंगे।

आवाजें: आप अपनी चिन्ता करें इनकी क्यों करत है।

श्री वीरेन्द सिंह: ये कौन बोल रहे है। पता नहीं चल पा रहा।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब ये बीच में बोलते हैं तो मेरा लिक टुट जाता हैं इसलिए

इनको चाहिए कि ये बीच में न बोले। स्पीकर साहब, मैं कर रहा था कि ये मसले को स्वंय जानबूझ कर हल नहीं करना चाहते। इस काम के लिए ये खुद जिम्मेदार है। ये लोग हरियाणा की आवाज को तडपता हुआ देखना चाहतें है। और हरियाणा की धरती पर धूल उड़ती हुई देखना चाहतें है। अगर ये इस मामले में सीरियस होते तो श्रीमती इन्दिरा गांधी के पस अपना बस्ता उठा कर जाते कि हरियाणा के आवाम के लिए कुछ कीजिए नही तो हमसे सरकार नही चल सकेती। और सरकार चलेगी लोगों को प्यासे मार कर। इस सारे काम के लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है। इन्हे इस बात को ठीक करना चाहिए। स्पीकर साहब, मेरे एक बुजर्ग साथी हाउस में कह रहे थे कि इस मामले में मुख्य मंत्री जी के पीछे हरियाणा का बच्चा बच्चा है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या इनके पीछे हरियाणा का कोई नौजवान नहीं हैं?

सेठ राम दास धमीजा: मैं अब भी कह रहा हूं कि एस0 वाई0 एल0 के मामले पर हरियाणा की सारी जनता इनके पीछे है।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, मुझे कहते हुए बड़ा दुख होता है प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी दे ा की प्रधान मंत्री है। उनके खिलाफ कोई बात कहना भाोभा नही देता । धमीजा साहब कर रह थे कि श्रीमती इन्दिरा गांधी के हाथों मे हरियाणाा के हित सुरक्षित है।

सेठ राम दास धमीजा: इसमें कोई भाक नहीं है।

श्री मंगल सेनः अगर भाक होता तो आपकी नौकरी चली जाती। स्पीकर साहब, जिस नेता के हाथ में ये हरियाणा के हित सुरक्षित बता रहे है। उसी के संबंध में मैं बताना चाहूंगा कि चण्डीगढ़ का जब सवाल उठा था तो भााह कमि ान ने और जूडि ायरी ने हमारे हक मे फेसला किया था अदालत ने दस्तावेज देख कर हमारा हक कबूल किया था। उसी हक को श्रीमती इन्दिरा गांधी ने छीन कर पंजाब को दे दिया। अब भी ये कह रहे है। कि उनकी हाथों में हमारे हित सुरक्षित है। अब हम कैसे मान सकते हैं कि उनके हाथों में हरियाणा के हित सुरक्षित रहेगे। या हरियाणा के साथ इन्साफ होगा। मैं फिर क्षमा चाहूगा वे हमारी प्रधान मंत्री हैं कि हरियाणा के साथ किया हैं कोई कम नहीं हैं। जो भी मुख्य मंत्री बनेगा वह हमारी हां में हां करके चलेगा इसलिए उन्हें हरियाणा का कोई ध्यान नहीं हैं। सी0 एम0 साहब, ने कहा था कि यदि हरियाणा के हितों के साथ बेइन्साफी हुई तो वे इस्तीफा देगे। ये आज फिर हाउस में कह दे कि यदि हरियाणा के हित को ध्यान में रखते हुए दो साल के अन्दर अन्दर एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई नही हुई तो वे इस्तीफा दें देगे। यदि ये इस बात को स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे देते हैं तो हमारी अपोजीि ान पार्टी इनसे पहले इस्तीफा देगी। लेकिन स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि कांग्रेस का मामला ही ऐसा है। कोई मैम्बर खिसकता नहीं सब को धक्के मारते हुए चलते रहते है।

कोई बोलने वाला नहीं है। स्पीकर साहब, इस मामले का हरियाणा के जीवन मरण के साथ संबंध हैं जो प्रस्ताव हाउस में लाया गया वह बिल्कुल ठीक है। मैं साथ ही साथ यह प्रार्थना भी करता हूं कि इस प्रस्ताव को सारा सदन पास करें। इस यकीन के साथ पास करे कि हरियाणा की जनता इस मामले में एक है। हरियाणा के लोग अपने इरादे के पक्के हैं और वे अपनी मांग से पीछे नहीं हटेगे। प्रधानमंत्री को इस बात का अहसास हो जाना कि हम अपने हक को छोडने वाले नहीं हैं। स्पीकर साहब, यदि पंजाब सरकार नहर की खुदाई नहीं करवाती तो इनका फर्ज बनता था कि ये सैन्टर को जा कर कहें कि हमारी बात को सुनो ओर हमारे हित को ध्यान में रखते हुए नहर जल्दी से जल्दी पूरी करे। यदि पंजाब नहर की खुदाई नहीं करता तो हरियाणा सरकार को खुद खुदाई करनी चाहिए। इसके साथ साथ मैटरियल की जो कौस्ट बढती जा रही है। उस को पंजाब सरकार से वसूल करना चाहिए। स्पीकर साहब, इस मामले पर सारे प्रदे ा में बैचेनी पायी जाती है। इन्होने इस नहर का हैड वर्कस भी पंजाब सरकार के हाथों में सुरक्षित कर लिया है। उस पर भी ये अपना कब्जा नहीं रख पाये। इनको सैन्टर्ल गवर्नमैट से कहना चाहिए कि यदि हमें हमारा हक नहीं दिया होता। अब भजन लाल में ऐसी हिम्मत ही नहीं हैं जो यह बात प्रधान मत्री को कह सके। अब भी इनके दिल में किसी कोने में यदि कोई साहस बचा हुआ हैं। तो उसको बटोर कर हिम्मत करके तथा हरियाणा की जनता को साथ मिला कर आगें बढ़े । इस काम मे सभी इनके साथ है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको

यह बात कहना चाहता हूं कि मुंख्य मंत्री बार बार नहीं बना जाता। एक दिन हटना भी जरूरी हैं या हटाया भी जाना हैं इसलिए क्यों न सब को साथ लेकर हिम्मत से काम ले ताकि हरियाणा को कोई नुकसान न हो। जो इस संसार में आया हे। उसको जाना भी एक दिन जरूर पड़ता है। इसलिए इन्हें हरियाणा के इतिहास में एक ऐसी जगह बनानी चाहिए जिसको आने वाली पीढी रखे ताकि लोग यह महसूस करे कि हरियाणा में कोई सी0 एम0 था जिसने हरियाणा के हित को ध्यान में रखते हुए बगावत का झण्डा लहराया था और हरियाणा को कोई नुकसान नहीं होने दिया था। इसलिए स्पीकर साहब, अन्त में मैं फिर सी0 एम0 साहब से निवेदन करूंगा कि वे हरियाणा के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करे। इतने कहते हुए आपका धन्यावाद करते हुआ मैं आपना स्थान लेता हूं।

12.00 बजे

श्री सागर राम गुप्ता (भिवानी): स्पीकर साहब, एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में जो प्रस्ताव सदन में पें ा है। मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । स्पीकर साहब, आपको मालूम हैं कि हरियाणा में सिचाई के लिए पानी की बहुत कमी है। खास तौर से दक्षिणी हरियाणा में पानी की बहुत कमी है। भिवानी जिला से मै चून कर आता हूं कि हिसार जिले के कुछ इलाका महिन्द्रगढ़ जिले का कुछ हिस्सा ऐसा हैं जिस में सिचाई के लिए पानी की बहुत ज्यादा जरूरत है। स्पीकर साहब, आपको

मालूम है। कि चौधरी बंसी लाल के वक्त में बनी हुई नहर और दूसरी नहरों मैं पानी कम होने के वजह से पानी 12 महीने नही चलता। सिर्फ साल में तीन चार महीने चलता है। और वह भी न के बराबर हेाता हैं क्योंकि कुछ सुबाई दिक्कतों की वजह से कई दफा बिजली नही होती कई जगहों पर ट्रांसफामर्ज नहीं होते जिसकी वजह से पानी ऊपर लिफट नहीं होता और ऊंचे इलाको मे पानी नही जा सकता। इन इलाको में सिचाई की बहुत ज्यादा जरूरत हैं स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन बात करते है अपोजी ान के नाते से असल में उनको पानी की जरूरत नहीं है। ये कल ञिक कर रहे थें कि पानी ज्यादा होने की वजह से व फूके पड़े है। दरअसल पानी की हमें दिक्कत हैं यह बात किसी से छुपी हुई नहीं हैं.....

श्री मंगल सेनः अगर बाढ़ का पानी आपको चाहिए तो आप ले लीजिए।

श्री सागर राम गुप्ता (भिवानी): आप दे दीजिए हम बाढ़ वाले पानी से काम चला लेगें लेकिन वह भी ये नहीं देना चाहते दिक्कत तो इस बात की है। (व्यवधान) असल में पानी की दिक्कत हमें हैं स्पीकर साहब एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे मैं जो फैसला किया गया हैं यह बहुत अच्छा फेसला है। और हरियाणा के हित में किया गया है। अगर इस फैसले को अमली जामा पहनाया जाए तो मै समझता हूं कि हरियाणा की माली हालत काफी बेहतर हो सकती है। लेकिन जैसे हालात ने जाहिर किया हमें मालूम यह

होता हैं कि पंजाब सरकार जानबूझ कर और कुछ हालात के तकाजे को देखकर इस मामले मे उतनी दिलचस्पी नहीं ले रही है। जितनी किउसको लेनी चाहिए थी मै। समझता हूं कि पंजाब सरकार को इस मामले मे पूरी दिलचस्पी लेनी चाहिए थी क्योंकि वहां भी हमारी ही पार्टी की सरकार हैं लेकिन स्पीकर साहब, आप जानते है कि जब सवाल इस बात का आ जाता हैं कि पहले अपना पेट भरना हैं या पडोसी का भरना है तो इन्सान कमजोर पड़ जाता है। यह एक इन्सानी कमजोरी है कि वह पहले अपने पेट की फिकर करता हैं पडोसी के पेट की फिकर बाद में करता हैं। मैं पंजाब सरकार को दोश नही देता लेकिन एक बात जरूर कहूंगा कि पंजाब सरकार से कि उसको जो जायज हिस्सा मिलना हैं वह हिस्सा पंजाब सरकार अपने पास रखे और जो हिस्सा हरियाणा के जिम्मे हो चूका है। जिसका फैसला हो चूका है। समझौता हो चूका है। और दस्तखत हो चुके हैं पंजाब सरकार को वाजिब था कि मुकर्रर समय के अन्दर इस लिंक कैनाल को खोदकर उस पानी का हिस्सा हरियाणा को दे। खास तौर पर उस वक्त जब हरियाणा सरकार से जब जब उन्होनें जितना पैसा मांगा उनको बराबर देते रहे। अब पंजाब सरकार का यह कदम जो काम में डिले करती रही मैं समझता हूं मुनासिब नहीं हैं स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने केदीय सरकार से बात करके पंजाब सरकार के मजबूंर करने की कोि ा ा की कि इस काम को कमलीट किया जाय। लेकिन स्पीकर साहब, आप जानतें हैं जिस ने काम करने मे देरी करनी हो या काम करना ही न हो। उस के पास सौ तरह से बहाने होते हैं

वह सौ तरह के बहाने तला ा कर लिया जाता है। पंजाब सरकार को यही रवैया है। इस प्रस्ताव पर बोलते हुए विज साहिब ने वाजिब बात कही कि यह नहर नही खुद सकेगी अगर यह काम पंजाब सरकार के जिम्मे ही छोडा ही जाता रहा। केन्द्रीय सरकार इस में दिलचस्पी लेती हैं कई मीटिगं बुलाई गई यह जानने के कि क्या प्रोगेस हुई और केन्दीय सरकार उसको बार बार रिव्यू करती रही लेकिन जैसा कि आप जानते हैं पंजाब सरकार के ऊपर हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं हैं और इन दिनों में केन्दीय सरकार पंजाब सरकार के ऊपर दवाब नहीं डाल सकी । कि यह काम जल्दी करो नही तो तुम्हारी छुट्टी कर देगे। केन्दीय सरकार ऐसा नही कर सकती इसलिए इस प्रस्ताब में यह वाजिब बात कही कीगाई कि सैन्ट्रल गवर्नमैट से बात करके आगे यह बात तय की जाए कि हरियाणा सरकार स्वयं इस काम को करेगी तो निस्चित तौर पर यह काम भी नि चत समय के अन्दर पूरा हो सकता है। क्योकि हरियाणा काफी दिलचस्पी ले रही है। लेनी भी चाहिए। क्योकि हरियाणा को पानी की बहुत ज्यादा जरूरत है। लेकिन इस प्रस्ताब में जो प्राईस एक्सक्लसे ान की बात कही गई है। मैं इससे सहमत नहीं हैं मैं उन लोगों मे से हूं जों यह नहीं चाहते कि ठीक हैं दूसरा आदमी कसूर भी करता है। गलत बात भी करता काम करने में ढील करता है लेकिन अगर उसको इस कसूर की वजह से सजा के तोर पर यह कहा जाये कि साल डेढ साल में जो ज्यादा खर्चा हुआ है। वह आपके जिम्मे होना चाहिए। तो ठीक नहीं। मै ऐसा नहीं चाहता हूं हमें नि चत तौर पर पंजाब

सरकार के हालात का जायजा लेना पडेगाा ओर दिमाग मे इन बातों को रखना पड़ेगा मैं इस बात से डरता हूं किअगर हम इस बात की जिद्दी करेगे किजो कौस्ट पिछले तीन सालो की पड़ती है। वह पंजाब सरकार देगी तो हमारे हक में ठीक नहीं रहेगा। क्योकि अगर हम जिददी करैगे तो हो सकता हैं जो पहले वाली बात इस प्रस्ताब में कही गई है। कि हरियाणा सरकार इस काम को स्वयं करे तो भाायद यह बात न मानी जाये मैं यह बात कहूंगा। जहां तक खर्चे का सवाल हैं इसको बारे में हम जिद्द न करे सिर्फ इतना कहें कि यह हरियाणा स्टेट के ऊपर नाजायज खर्चा डल रहा हैं इसलिए उसकी पूर्ति केन्दीय सरकार करे। इस अमैडमैट से साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं कि हरियाणा सरकार से अपील करता हू कि इस प्रस्ताप को केकर केन्दीय सरकार से बातचीत करे और पूरी कोि ा ा केरे कि इस कैनाल की खुइाई हरियाणा सरकार के हाथो में आ जाए।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, हमारे सामने जो रैजोल्यू ान हैं इस के बारे में मैं यह कहूंगी कि इस रैजोल्यूसन को बिना डिसकस किये पास कर दिया जाए क्योकि इस विशय पर पब्लिक प्लेटफारम के द्वारा और बहुत सी कमेटियों के द्वारा मान्यूटली डिसकस हो चूकी है। 3.5 मिलियन एकड़ या 4 प्वाइंट समथ्रिग यानी जितना पानी हमको चाहिए या हमारा हक बनता हैं उस पर बहुंत डिसकसन हो चुकी है। इन सारी बातो को मेरे साथी कह चुके है। मै इन बातो को दोबारा दोहाराना नहीं

चाहती हूं न ही मैं सदन में दोबारा रिकार्ड करवाना चाहती हूं लेकिन मै इतना जरूर कहना चाहती हूं कि इस काम में बडी ढील हैं डील किस की हैं सबसे जयादा केन्दीय सरकार की हैं दूसरे नम्बर पर हरियााणा सरकार की डील हैं ओर तीसरे नम्बर पर पंजाब सरकार की है। स्पीकर साहब, सब पार्टियों ने मिलकर मुख्य मंत्री जी को यह कह दिया था कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल के बारे में आप जो भी फैसला करेगे जो भी कदम उठाऐगो हम आपके साथ हैं यही बात अखबारों में भी आई है। और जब हम दिल्ली में गये थे तब भी हमने यही बात कही थी कि मुख्य मंत्री जी का फैसला लेगे हम उनके साथ हैं। लेकिन स्पीकर साहब, एक बार श्रीमती इन्दिरा गांधी ने 1981 में कस्सी मारी थी क्या आप बतायेगे कि कस्सी मारने के बाद कितना काम हुआ हैं? बे ाक अखबारो में स्टेटमैट आ जाए दिल्ली में कुछ भी बात हो जाये कितना काम हुआ इसका कोई फायदा नहीं। वास्तव में काम कुछ नहीं हुआ। स्पीकर साहब, मैं समझती हूं कि इस में इनकी मजबूरी हैं मजबूरी क्सा हैं बिल पावर की कमी हैं। दूसरे उलटे काम जो करते है कभी भाशा के नाम पर झगडें खडें कर दिये कभी कुछ खडा कर दिया केन्दीय सरकार तो इन्हीं कामों में लगी हुई है। स्पीकर साहब, पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्राब्लम पुरूश माना जाता हैं। उन के समय में कभी का मीर का झगड़ा लटका रहा कभी नागालैड का झगड़ा लटका रहा । अगर सरदार पटेल न होते तो हैदराबाद भाायद हिन्दुस्तान की बीच में एक अलग स्टेट कायम हो जाती। बेसिक चीज यह हैं कि झगडा सैन्ट्रल गवर्नमैट खुद

बढानी चाहती है। पंजाब सरकार कांगेस हैं हरियाणा कांगेस सरकार है। और सैन्टर में भी कागेस सरकार है। लेकिन इसके बावजूद काम नहीं हो रहा है। और बिना किसी काम के 90–91 इंजीयिरर्ज को तनख्वाह दी जा रही है। स्पीकर साहब, ये इंजीनियरर्ज पंजाब के हैं और बडे बडे व्यक्यिों के बेटे है। दूसरी तरफ सरकार के पास बाढ़ पीडित लोगों को देने कि लिए रा ान नहीं है सूखी लकडी नहीं है। हमारी माताओं बहिनों और बहु बेटियो को जंगल पानी जाने के लिए खुली जगह का इन्तजाम नहीं कर सकते और लोगों को कम्पनसेसन देने से य कतराते हैं अगर ये पंजाब के लोगों को ही उनकी जमीन का वाजिब कम्पनसेसन दे देते तो भी मै मानती ओर मुझे खु ाी होती क्योकि वहां के किसान की भी हमारे किसान की तरह ही हालात हैं। इनको तो एक ही फिक हैं कि अगले चुनाव मे कहां कहां झग्डें कराने से ज्यादा वोटों मिल सकती है। लोग चाहें पानी में डूबें चाहें सूखें की वजह से परे ाान हो उनकी फसलें सूख जायें चने की बिजाई न हो ओर गेंहू की बिजाई न हो, इनको कोई फिक्र नहीं। इनको तो इस बात की फिक्र हैं कि एि ायाड करवा लो ओर असैम्बलियों और पार्लियामैट में जाकर भाशण दे दो। इनका तो वह हाल हैं कि रोम जल रहा था ओर नीरो बीन बजा रहा था आज दे ा में सूखा है। बाढ़ हैं लेकिन केन्दीय सरकार की ओ से कोई इंतजाम नही किया जा सकता हैं। यहां तो तमा ो किए जा रहें हैं बडे बडे होटल बनाये जा रहे है। और अययाा ाी की दूसरी चीजें बनाई जा रही है। लेकिन नहरें नहीं बन रहीं है। उनकी

मुरम्मत नही हो रही हैं (विघ्न) आप इस एस0 वाई0 एल0 नहर को बनवा दो हम आपको सहयोग देगे। कितना पानी मिलेगा और कितना नहीं मिलेगा इस बात को छोड़ करके आप पहले नहर बनवाइए क्योकि आप यह मानेनें कि जब नहर ही नही खुदेगी तो पानी कहा से आयेगा? यह तो वह बात हुई कि न तो रूई न कुछ और लेकिन तेली से लठम'' (विघ्न) मैं ओर मेरे साथी वहां चलने के लिए तैयार है। ब ार्ते आप सब भी कस्सी लेकर वहां चले। (विघ्न) तो जनाव मैं कह रही थी कि परमात्मा के लिए हरियाणा के सारे पैसे को बिना काम के इंजीनियरर्ज को न दो बल्कि उस पैसे से नहर की खुदाई का काम करवाएं और हम इनका सहयोग देने के लिए तैयार है। जहां तक रेजोल्यू ान का ताल्लूक हैं इसको तो बिना डिसकस किए ही यदि पास कर दिया जाय तो हमे कोई ऐतराज नहीं होगा। हम इसके हक में है।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आज हाउस में बहुत ही अहम प्रस्ताब जेरे बहस हैं। मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने इस बात पर बहुत बल दिया हैं कि रावी ब्यास का पानी जल्दी से जल्दी हरियाणा को मिले। स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर लगभग एक करोड़ एकड़ भूमि हैं जिसमें से तकरीबन 40 लाख एकड़ भूमि को पानी मिलता है। 31 दिसम्बर 1981 के एग्रीमैंट के मुताबिक हमें 35 लाख एकड़ फीट नया पानी मिलता है। इस पानी पर हमारा भविश्य निर्भर करता है। पंजाब वालों न कोई न कोई बहाना लेकर इस 100 किलोमीटर की

लिंक कैनाल को बनाने में कई साल निकाल दिय है। जबकि हरियाणा के अन्दर कैनाल बनाने में 200 करोड़ रूपया पहले ही खर्च हो चुका है। इच्छा यह थी कि लिंक कैनाल बनने से जो पानी हमें मिले उसे हमारी नहर बारानी पड़े हुए खेतों में पहुचाएं। लगभग 200 करोड़ रूपये का हर साल नई फसलों में नुकसान हो रहा है। अगर यह पानी हमें मिला होता तो आज हरियाणा की हालत कुछ और होती। पंजाब के भाई ऐसा नहीं होने देना चाहते। स्पीकर साहब, नवम्बर, 1966 को हरियाणा। उससे पहले हरियाणा के लोगों को सैकड़ रेट सिटिजन समझा जाता था। बजट में तो हरियाणा के जिलों के लिए पैसा अलौट हो जाता था लेकिन 31 मार्च को उस लैप्स करके पंजाब में खर्च किया जाता था। 1 नवम्बर, 1966 को जो बंटवारा हुआ उसमें भी हमारे साथ ज्यादती हुई। हमें जो हिंस्सा मिलना चाहिए था वह नहीं मिला लेकिन आज जो ज्यादती हरियाणा के लोगों के साथ हो रही है। इसका उनके भविश्य के ऊपर बहुत ज्यादा असर पडेगा। इसे हरियाणा का कोई भी इन्सान अब ज्यादा दे बरदा त नहीं करेगा। हम यह चाहते है कि पंजाब के भाई इस मसले को जल्दी हल करे क्योकि हरियाणा पहले किसी को छेडता नहीं ओर जब छेडता हैं तो छोडता नहीं यह हरियाणा की परम्परा रही हैं आपने देखा होगा कि कुछ साल पहले पैप्सू रोडवेज का मसला हमारे सामने आया था पंजाब के साथ पेसे का कुछ लेन देन था। उन्होनें बसे तो ले ली लेकिन पैसा हरियाणा गवर्नमैट को नहीं दिया। चौधरी बंसी लाल जी उस वक्त हरियाणा के मुख्य मंत्री थे। उन्होने एक

महीने का समय उन्हें दिया। जब उसके बाद भी पैसा नहीं मिला तो पंजाब की सारी बसें जो अपने एरिया में मिलीं कंफाईन करके एक जगह खड़ी कर दी गई । उसका असर यह हुआ कि सैन्ट्रल गवर्नमैट ने यह निर्णय लिया कि पैसा फौरी तौर पर हरियाणा को दिया जाए। उस समय पंजाब के चीफ मिनिस्टर आज के राश्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी थे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा पंजाब सरकार को यह कहना चाहता हूं किवह हमें ऐसा स्टैप लेने के लिए मंजबूर न करे। आज पंजाब की स्थिति ठीक नहीं है। वहां कभी काम रोको, कभी रेल रोको अभियान चल रहे है। ओर मुझे डर है कि कहीं सांस रोको अभियान भी वे भाुरू न कर दें। अब वे इस तहरीक मे फसे हुए है। लेकिन हमारे लोगों के जीवन के साथ क्यों खिलवाड कर रहे हैं हरियाणा के लोगों का भविश्य इस पानी पर आधारित है। हमारे पास और कोई भी पानी नहीं है। यह कुदरत की देन है कि हरियाणा के एरिया में इस साल पलड आ गया। यह फल्ड इसलिए आ गया क्योकि हरियाणा में पिछले सालों के मुकाबले में अधिक बारि ा हुई बरसात का पानी लगातार नही मिल सकता। लेकिन जो पानी हमें एस0 वाई0 एल0 नहर का मिलेगा। वह तो परमानैन्ट तौर पर मिलेगा। बादल रोज नहीं बरसते हैं इसलिए यह पानी हमें मिलना चाहिए था। हिन्दुस्तान ने 110 करोड रूपया इन्डो पाकिस्तान ट्रीटी के तहत पाकिस्तान को दिया थां वह पानी आज भी पाकिस्तान को जा रहा है। उस पानी को रोकने के लिए कोई इन्तजाम नहीं किया गया। पंजाब के एरिया में लुधियाना, फिरोजपुर ओर कितने ही ऐसे इलाके हैं जिन

की जमीन पानी की अधिकता के कारण दलदल बनी हुई है। लेकिन वे उस पानी को हरियाणा को देने के लिए तैयार नहीं है। वे कहते है। कि हमारी जमीन में बे ाक सेम या जाय लेकिन वे हमारे भविश्य को अन्धकार में डाल रहें है। यह प्रस्ताव बडा ही टाईमली आया हैं। 31 दिसम्बर, 1981 को प्राइम मिनिस्टर श्रीमती इन्दिरा गांधी ने दस्खत उसी समय राजस्थान के चीफ मिनिस्टर श्री माथुर पंजाब के चीफ मिनिस्टर श्री दरबारा सिंह और हरियाणा के चीफ मिनिस्टर श्री भजन लाल जी ने भी दस्खत किये थे। जब प्राइम मिनिस्टर साहिबा के सामने सभी ने दस्खत किये तो फिर इस एग्रीमैट को इम्पलीमैट कराने में क्या दिक्कत आ रहीं हैं? इस बात से साफ जाहिर हैं कि पंजाब सरकार की नीयत खराब है। वे नहीं चाहते है कि इस प्रोगग्रम को इम्पलीमैट किया जाये। वे कुछ न कुछ गडबड करना चाहते है। गुरू नानक जी का तो यही संदे ा था कि सब मिल कर और बांट कर खायें। सब भाई भाई है। लेकिन आजकल के जो सन्त भिंडरवाला हैं वे कहते हें कढ़ा प्र ाद छको ओर गुरूदारों में रहो। वे इस प्रोगग्रम को इम्पलीमैट नही होने देना चाहते। अगर हरियाणा के साथ इसी प्रकार से ज्यादती होती रही और इस काम में यो ढील होती रही। तो हरियाणा के लोग भी मजबूर हो जायेगे ओर उन्हें भी कोई सख्त कदम उठाना होगा। 88 फीसदी हरियाण के लोग के जीवन का दारोमदार खेती पर हे। हरिजन और मजदूर का जीवन भी किसान के साथ जुड़ा हुआ है। किसान जो अनाज पैदा करता हैं उसकी रोटी रोजी उसी के साथ जुड़ी हुई है। हरियाणा की 40 लाख

एकड़ भूमि में आज के दिन पानी लगता है। अगर यह एस0 वाई0 एल0 का पानी आ जाता है। तो और 35 लाख एकड़ भूमि में पानी लग सकता हैं और किसान खु ाहाल हो सकता है। जब किसान हरिजन ओर बैकवर्ड इलाके के लोग कन्धे से कन्धा मिला कर चलेगें तो उन गरीबों की रोजी रोटी का भी मसला हल हो जायेगा और सभी भाई खु ाहाल होगें।

हरियाणा सरकार ने दो सौ करोड़ रूपया जवाहर लाल नेहरू कैनाल जुई कैनाल और लिफ्ट ईगे ान कैनाल पर खर्च किया है। हरियाणा ने इस पानी के लिए कितनी ही कैनाल बना दी है। लेकिन यह पानी आज तक नहीं मिलां। यें नहरें इस लिए बनायी थी कि एस0 वाई0 एल0 का पानी खेतो में जायेगा। सौ किलोमीटर नहर की खुदाई के लिए सालों साल लगा दिये बीस सुत्री कार्यक्रम के तहत भी सिचाई को प्राथमिकता दी गई है। अगर नहर को बनाने से रोकना है तो फिर इस बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत इसे प्राथमिकता देने की क्या आव यकता थी। हमारी सरकार ने पंजाब सरकार को पैसा दिया दे दिया हैं लेकिन फिर भी क्या वजह है कि नहर को नहीं बनने दे रहें हैं? आप जानते हैं कि चन्डीगढ़ के मामले में यों ही देर हुई हैं। चडीगढ़ हरियाणा मे रहें और हरियाणा का हिस्सा है। यह मामला कितने दिनों से चल रहा है। कितनी ही मौतें हुई लेकिन आज तक चन्डीगढ को फैसला नहीं हुआ। बीस सूत्री प्रोग्रम के तहत खेतों में पानी देने में प्राथमिकता दी जायेगी और खेतों में पानी

तभी आयेगा जब चेनल बनेगी। हरियाणा का साढे बीस करोड़ रूपया पहले ही खर्च हो चुका है। पंजाब वाले कहते हैं कि वह पैसा तो दफ्तर बनाने पर टेलीफोन आदि पर खर्च हो चूका हैं। उस पैसे से तो केवल तीन किलोमीटर नहर की खुदाई हुई हैं। अभी सौ किलोमीटर नहर की खुदाई होनी हैं। पानी न मिलने से हरियाणा को दो सौ करोड़ रूपये का नुकसान हो रहा हैं ओर जो पहले खर्च हो चुका है। वह अलग हैं। पहले खर्च किये हुए पैसे का हम वर्ल्ड बैक को इन्ट्रैन्ड दे रहे है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री से और हरियाणा सरकार से प्रार्थना करूंगा कि जितनी तेजी से प्रबन्ध किया जाये उतना ही अच्छा है। तेजी से काम नहीं किया तो हमारे खेतों में पानी नहीं आयेगा। हम नहर की खुदाई नहीं करा पायेगे तो लोग हमें भी नहीं बक ोगे। मेरे से पहले बोलने वाले साथी श्री वीरेन्द्र सिहं जी ने कहा कि हरियाणा और पंजाब में कग्रेस की सरकार हें लेकिन मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि जब सैटर में जनता सरकार थी उस टाईम पर हरियाणा में चौधरी देवी लाल जी चीफ मिनिस्टर थे और श्री प्रका ा सिहं बादल पंजाब में चीफ मिनिस्टर थें। केन्द में श्री मोरार जी देसाई पंधानमंत्री थे उस समय आपने फैसला क्यों नहीं कराया? आपस में फैसला करने की बजाए आप इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले गय। और वहां जा कर मामले को लटका दिया। क्रिटिसिजम के तोर पर आप कहते हैं हमें तो इस बात का हल निकालना हैं कि किस तरह से इस समस्या का समाधान हो। अगर हम इस बात के लिए मजबूर हो गये तो पंजाब के लोग दिल्ली की तरफ कैसे

जायेगे। पंजाब के लोगो को जाने के लिए हरियाणा की भूमि पर से जाने के सिवाए और कोई रास्ता नहीं है। हरियाणा की भूमि से ही रेल और बसें जाती है। हम नहीं चाहते है कि इस तरह की कड़वी बाते आपस में पैदा हो। अगर असी तरह से टाल मटोल चलती रही तो ऐसा न हो कि हरियाणा के लोग कोई सख्त कदम उठाने पर मजबूर हो जाये। हरियाणा के लेागों को एक झलक एस0 वाई0 एल0 की नजर आ रही हैं। हरियाणा को जमुना नदी से भी लिमिटिड पानी मिला है। और इसी तरह से भाखडा से भी लिमिटिड पानी मिला है। इमें एस0 वाई0 एल0 का पानी से 35 एकड भूमि कि लिए पानी मिलेगा। इस पानी के मिलने से हरियाणा में नयी स्फूर्ति नयी पवार आयेगीं । हमारे बच्चों का भविश्य उज्जवल होगा। मै आपके माध्यम से गुजारि ा करूंगा कि पंजाब वाले हमारी इस 35 कपैसिटी भी बढेगी। वे one way or the other टालते जा रहे है। इन भाब्दों के साथ मैं इस रैजोल्यू ान की पुरजोर ताइद करता हूं और इसे सर्वसम्मति से पास किया जाये।

ठाकुर बहादुर सिंह(दड़बा वाले): स्पीकर साहब, आज बहुत ही अहम किस्म का रैजोल्यू ान सदन के सामने आया है। जिसके साथ हरियाणा के किसानों का भविश्य जुड़ा है। मैं इस रैजोल्यू ान के समर्थ्न करेन कि लिए खड़ा हुआ हूं । हमारे बहुत से मानयोग सदस्यों नें इसके समर्थन में बहुत सी बातें कही है। हरियाणा का किसान अपनी ऊपज बढाने और खु ाहाल होने

मैं पीछे इसलिए रहा हे। कि उसके पास पानी का प्रबन्ध नहीं है। आज के दिन हरियाणा के किसानेां की नजरें एस0 वाई0 एल0 के पानी की ओर लगी हुई है। ओर लगी रहेगी। जैसे ही इस नहर का पानी हरियाणा में आया किसानों में खु ाहाली आयेगी ओर लोग सूख की सांस लेगे। इस नहर को बनाने के लिए बड़े दिनों से चर्चा चल रही है। नहर बनेगी आयेगी बहुत बार डिक्लेयर हो चुका है। इस बारे में हमारी सरकार की तरफ से और जो पहले सरकार थी उसकी तरफ से भी बहुत बार डिक्लेरे ान हो चुके है। आज बड़ी खु ाी की बात यह हैं कि हमारे अपोजी ान के भाईयों ने एक रैज्योलूयसन रखा है। और हमसे इस के बारे में हाउस में समर्थ्रन मांगा हैं जबकि पिछलें चार दिनो से हम यह देख रहे हैं। कि सिवाये हर बात का विरोध करने के या किसी को बुरा भला कहने केऔर कुछ नहीं कर रहें हैं यही नहि बहुत सी बाते स्पीकर साहब आपके सामने ऐसी भी आयी जो उन लोगों के बारे में थी जो इस हाउस के मैम्बर्ज नहीं है। उन के बारे में हमारें काबिल सदस्यों ने कई बातें कह डाली। आज इन सदस्यों को यह समझ आया लगता हैं कि बहुत ही अहम लगता है। इससे पहले ये कभी पाईप का तमा ाा दिखाते थे कभी भाराब के क्वार्टर का तमा ाा दिखाते थे और न ये कुछ हुआ तो फाईल उठाकर चल दिये। स्पीकर साहब, यह बडी खु ाी की बात हैं कि आज हमारे ओपीज ान के भाइयों ने हमसे समर्थन मांगा है और सब साथियों ने इस मामले में समर्थन देने की अपील है। हम यह पहले से समझते थे कि आज कुछ वातावरण अच्छा होगा क्योकि सब के

भविश्य की बात हैं भाायद आज खूबसूरती नजर आयेगी। हमारे से भाई जब आई0 पी0 एम0 थे ओर इनका राज्य था चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे ओर इनके भाई बादल साहब पंजाब के मुख्य मंत्री थें और इसी तरह से सैटर में भी इनका राज था उस वक्त पानी लाना कोई मु कल बात नही थी क्योंकि यह पानी पाकिस्तान को बेकार जा रहा था ओर हरियाणा सूखा मर रहा था। उस समय एक ही बात होती थी सुबह– ाम इकट्ठे होते थे ओर बडी–बडी स्कीमें बनती थी उस वक्त किसी ने नहीं सोचा कि यह नहर बन जाये जिससे हरियाणा को पानी मिले। बदकिस्मती की बात उस समय यह हुई कि बजाये इसके कि वह नहर जल्दी से बनाई जाती उस अच्छे वातावरण में भी इस केस को सुंप्रीट कोर्ट में ले गये। सुप्रीम कोर्ट मे केस कौ इसलिए ले गये ताकि यह मामला लटकता रहे ऐसी इनकी कोई नीयत थी मैं यह बात नहीं कहता । लेकिन एक बात का यहां पर बार बार आरोप लगाया जाता है। कि हमारी सरकार ने इस नहर को नहीं बनने दिया। अगर हमारी सरकार ने इसको नहीं बनाया तो आपने भी तो इसको नहीं बनाया। मैं अपने माननीय सदस्यों से यह प्रार्थना करूंगा कि वे हर मामले पर इस तरह न सोचे कि हमने राज हासिल करना है। राज्य आपके पास पहले था आप उस दौरान कुछ नहीं कर सके अब क्या करोगे आप तो यह सोचते हो कि भजन लाल जी हट जायें तो सब कुछ ठीक हो जायेगा या कांग्रेस पार्टी की सरकार हट जाये सब कुछ ठीक हो जायेगा। यह कोई ठीक बात नहीं है। अगर आप यह चाहते हो कि नहर भी न खुदे ओर राज

भी मिल जाये ऐसा होने वाला नहीं हैं। 1977 में राज दूसरी पार्टी के हाथ में आया था जैसे मैनें पहले बताया कि उस समय देवी लाल मुंख्य मंत्री थे । इनके बड़े भाई प्रका ा सिह बादल अकाली पार्टी के साथ पंजाब में थे ओर सैन्टर में भी इनके आदमी थे उस वक्त यह काम क्यों नही किया जा रहा सका और इस मामले को सुंप्रीम कोर्ट में क्यों ले गये। इसको आपस में हल क्यो नही कर सके। 1980 में इनके हाथ से राज चला गया। पता नहीं राज करना नहीं आया या कोई दूसरा कारण था लेकिन जब इनके हाथ से राज चला गाया तो इन्दिरा गांधी के पास कांगेस पार्टी के हाथों में राज आ गया। राज उस नेता के हाथ में आया जो दे ा का नेता था और जिसने दे ा को बनाया था श्रीमती इन्दिरा गांधी ने हरियाणा के हितों की हमे ाा रक्षा की हैं। हमे ाा की तरह फिर उसने पंच फैसला किया ओर 1981 में इस फैसले पर तीनों मुख्य मंन्त्रियाकें के हस्ताक्षर हो गये। यह बड़ी अच्छी बात थी और ऐसा लगता था कि अब यह मसला खत्म हो जायेगा। इस सब के बावजूद हमारे इन भाइयों की मेहरबानी समझ लीजिये या हमारे एक्स मुंख्य मंत्री जी के बडे भाई साहब की मेहरबानी कह लीजिय। कुछ ऐसा हुआ कि वह काम जब हमारी महबूब नेता श्रीमती इन्दिरा गांधी ने उदघाटन किया वह सिरे नहीं चढ सका। जब हमारी नेता इसका उदघाटन करने के लिए और नहर बनाने का काम भाुरू करवाने के लिये आयी थी तो लोग बड़ी गिनती में वहां आये थे जिनको हरियाणा के साथ हमदर्दी थी ।ये लोग यहां पर बाते तो करते हैं कांग्रेस सरकार की अलोचना भी करते है। लेकिन मैं

इनको पूछना चाहता हूं कि इनमें से कोई भाख्सीयत इनको कोई स्पोर्टर या कोई साथी वहां पर नहर की खुदाई आरम्भ होने के बारे आया था। नहीं आया। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री वीरेन्द सिंह: आन ए प्वाइट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, ठाकुर साहब, ठीक कहते हैं कि हम वहां पर नहीं पहुचे। आपको भी याद होगा इसी सदन में मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि जब उद्घाटन होगा मैं सबको बुलाऊंगा। जरा इनसे पूछिये क्या इन्होने हमें कार्ड भेजे थे, (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लाल: सब को बाकायदा कार्ड भेजे थे। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री वीरेन्द सिंह: चौधरी साहब, आप अपना रिकार्ड चैक करवा लीजिये किसी को कोई कार्ड नहीं भेजा गया।

श्री नेकी राम: स्पीकर साहब, कोई भी मैंम्बर अगर हाउस मे गलत ब्यानी करे तो उसका कोई न कोई इलाज तो अव य होना चाहिऐं। इन्होनें ऐसे ही एलीगे ान लगा दिया कि कोई कार्ड नहीं भेजा गया। सी0 एम0 साहब कहते है। कि कार्ड भेजे गये हैं इसका फैसला कोन करेगा। कि कौन सच बोल रहा है।

श्री अध्यक्ष: मैम्बर्ज साहब को मै आपके हवाले करूंगा।

ठाकुर बहादुर सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बार बार इस बात का वि वास दिलाया हैं कि वे नहर की खुदाई जल्दी से जल्दी कराने के पूरी कोि ा ा कर रहें है। इसे के बावजूद भी हमारे भाई कई किस्म की बाते कर रहे। मैंने पिछले चार दिनों जब से सैसन चल रहा हैं यह देखा है कि सारी गलतियों की जिम्मेदारी एक ही पार्टी के ऊपर डालने की कोि ा ा की गयी है। मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे इन भाईयों को अपने कारनामों की तरफ भी थोडा सा ध्यान देना चाहिये। एक तरफ तो यह एलान करते हैं ''काम रोको।'' इन्होने काम रोको आन्दोलन भाुरू किया हुआ हे। एक तरफ रेल रोको, बस रोके, नहर रोको, डी0 सी0 के आफिस को रोको ओर दूसरी तरफ यह चाहते हैं कि नहर जल्दी बन जाये। आप ही सोचिऐ ये दोनेा बाते कैसे हो सकती है।? एक तरफ तो यह काम करने से रोकते और दूसरी तरफ यह कह रहे हैं कि काम नही हो रहा है। जो रैजोल्यू ान इन्होनें असैम्बली में पे ा किया हैं इस मे इन्होने हरियाणा सरकार को कसूरवार नही ठहराया है। पंजाब सरकार का कसूरवार ठहराया है। कि वह नहर नही बना रही हैं इसलिये सैंट्रल गवर्नमैट को हरियाणा सरकार यह कहे कि वह इस काम को हरियाणा सरकार को सौपें दे। मैं यह समझता हूं कि ऐसा इन्होनें इसलिए कहा है कि यह समझते हैं कि हरियाणा सरकार इस काम को करने के काबिल है और कर सकती। तभी यह सोच समझ कर रैजोल्यू ान लाया गया है। कि केन्द्र सरकार से यह कहा जाये कि यह काम हरियाणा सरकार को सौप दिया जाये। मैं

हाउस से यह विनती करता हूं कि यह मामला बहुत ही अहम है। कम से कम हमारे प्रदे ा के लिये तो जीवन मरण का प्र न हैं इसलिये मेरा कहना हैं कि हम सब अपने भेदभाव भुल कर इस मामले में एक मुठ हो जाये। अगर हम सब एक हो जायेगें तो हम यह नहर अव य जल्दी बन जायेगी। भाई अमर सिंह जी बता रहे हैं कि बहुत सी ऐसी चीजें है जो एक होकर की जा सकती है। आज तक यह नहर नही बन पाई हैं इसका कारण एक यह भी हैं कि हममें एकता नहीं है। अगर हम एक होकर इस इस मामले को ले तो सही मायनों में किसानो की ओर प्रदे ा की भलाई कर सकैगे अन्यथा जो हम देख रहे हैं उससे इस प्रान्त का कोई भला होने वाला नहीं हैं। इस मुख्य मंत्री का हटा दें । उस मुंख्य मंत्री को हटा दे किसी ओर को हटा दे। इससे कोई फायदा नहीं। अगर इस मामले का इस्तेमाल स्वार्थ सिद्धी के लिए किया जाये लोगों को भ्रम में डालने के लिए ओर इलैक ान में लाभ उठाने के लिए किया जाये तो यह गलत बात होगी। हमारे साथी सरकार की निन्दा करके लोगों में कई किस्म के भ्रम पैदा कर रहें है। कि यह सरकार पानी नहीं लाना नहीं चाहती । ओर न हीं इसके लिये कोई एर्ण्टस कर रही है। ये इस का लाभ उठाना चाहते है। इन भाब्दों के साथ मे आपका धन्यवाद करता हूं।

चौधरी सुरेन्द सिंह(तो ाम): अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव सदन के सम्मानित सदस्य ने रखा है। मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हू। इस सदन के सभी सदस्य अच्छी

तरह से जानते है कि हरियाणा प्रान्त का हर निवासी चाहे वह किसी पार्टी से ताल्लुक रखता हो यह महसूस करता है। कि इस पानी को हरियाणा में लाने के लिए पंजाब सरकार की तरफ से कोताही की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव के ऊपर बोलते हुए विरोधी पक्ष की ओर से कुछ राजनैतिक बाते की कही गई तो स्वाभाविक है। मैं केवल इतना बताना चाहता हूं कि चाहे कोई भी सरकार हरियाणा में हो जब कभी भी पंजाब सरकार से कैरियर चैनल बनाने की की गई उसके भरसक प्रयत्न किए होंगे। चाहे राजनैतिक हालात कुछ भी हो क्यो न हो। अगर डा0 मंगल सैन यहां होते ता होते अच्छा होता। बाज की सरकार ने इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में जब 35 लाख एकड़ जमीन में एक एक फुट पानी खड़ा कर दिया था मतलब यह हैं कि जब हरियाणाा को इतना पानी दिया तब भी कुछ विरोधी दल के भाई यह कहते थे कि हरियाणा के साथ बेइन्साफी हैं लेकिन आज सभी इस बात को मानते है। कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा का हिस्सा ठीक लेकर दिया था। मैं कोताही करूंगा यह कहनें में अगर मैं अपने साथी चोधरी वीरेन्द सिंह को यह न बताऊं कि जब हरियाणा प्रान्त बना और भााह कमि ान की रिपोर्ट के मुताबिक चण्डीगढ़ हरियाणा को दे दिया जाए। अबोहर ओर फाजिलका के 114 गांवों हरियाणा के दिए गए यह बात अपनी पार्टी के प्रैसीडैट चौधरी देवीलाल से पुछ ले मैं उस वक्त ला कालिज में पढ़ता था। डा0 मंगल सैन को अच्छी तरह से पता है। चोधरी देवीलाल चोधरी बंन्सी लाल से संपर्क बनाए हुए थे उन्होने कहा था कि ये गांव मिल जाने से

हरियाणा को एक ग्रीन बैल्ट मिल जाएगी। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हीरा नन्द आर्य मेरे जिले से संबध रखते है। और हमारी कास्टीच्यूऐसीज साथ साथ है। चौधरी हीरा नन्द आर्य यह बात भूल गए कि जब हरियाणा मे हमारी सरकार थी और प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कैरियर चैनल का प्रजाब में उद्धाटन किया तो प्रका ा सिंह बादल की पार्टी के आदमी काले झडे दिखा रहें थें और काम रोको आन्दोलन चला रहे थे । प्रका ा सिंह बादन चौधरी देवी लाल को बड़ा भाई मानते हैं। उस वक्त क्या चौधरी देवी लाल के नुमाइदे प्रंका ा सिंह बादल को यह कीने गए कि आप ऐसा क्यों कर रहे हे।? मैं यह मानता हूं कि कई बार राजनैतिक हालत इस तरह के पैदा हो जाते है। कि पंजाब सरकार इस काम में रूचि नहीं ले पाती । अध्यक्ष महोदय, हम साढें बीस करोड़ रूपया पंजाब को चुके है। साढे बीस करोड़ से पजाब सरकार ने तीन हतार मुजाजिम कैरियर चैनल को बनाने के लिए लगा रखे है। करोडों रूपया उनको तनखाह के रूप में दिए है। और साथ ही दो सो से ऊपर गाडियों खरीदी है इनमें 160–170 जीप है। और तीसकार है। अध्यक्ष महोदय, पांच करोड़ में से आप जमी का मुआवजा दे दीजिए ताकि कंस्ट्रस्शन का काम भुंरू हो सके लेकिन पंजाब सरकार ने इन्कार कर दिया। उन्होनें कहा कि हमेकं एक साल की तीन हजार मुलाजिमों की तनखाह और दूसरें खर्चों के लिए एडवान्स दे दो ताकि उनकी कारों में तेल रहें अध्यक्ष महोदय, उन्होनें 17 सैक्टर में बडी बडी पो ा बिल्डिगज बनाई हुई है। और हमारा पैसा अनके फर्नीचर, दप्तर, टैलीफोन

और म ीनरी के ऊपर खर्च कर दिया ओर सारा पैसा इस तरह से ब्लाक कर दिया । अध्यक्ष महोदय, यह कैरियर चैनल हरियाणा के लाइफ लाइन हैं आप खुद इस महकमेंके मिनिस्टर रह है। आपको पता हैं कि हरियाणा के अन्दर उस पानी को लाने के लिए कहां कहां ग्रउन्ड वर्क तैयार है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में सारा काम मुकम्मल है। हरियाणा के अन्दर लिप्ट इरिगे न स्कीम, जैसे जुई कैनाल, सिवानी कैनाल, लोहारू केनाल, झज्जर लिप्ट इरिगे ान स्कीम, नीगाना कैनाल स्कीम और जवाहर लाल नेहरू कैनाल के निर्माण पर करोड़ रूपया इसलिए खर्च किया था ताकि जब कभी कैरियर कैनाल का पानी हरियाणा में आएगा। तो हम उसको फील्ड में इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। अध्यक्ष महोदय, जबये नहरें बनाई गई तो वे इस लिहाज से बनाई गई कि पानी जल्दी आ जाएगा लेकिन मुल्क मे राजनैतिक माहौल तबदील हुआ और एक वक्त ऐसा भी आया जब काम की बजाए सिर्फ नारेबाजी में वि वास रखा गया। मेरे कई साथियों ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी चाहती तो पानी जल्दी आ सकता। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि आप इस बात का यकीन करें कि अगर उस वक्त श्रीमती इन्दिरा गाधी फैसला न करती तो हमें साढे तीन एम0 ए0 एफ0 पानी भी न मिलता। (ोर एवं व्यवधान) अगर आप इस को गलत मानते है। तो आपने 1977 में क्यों नही कहा कि हरियाणा को कुछ नहीं मिला हैं? आप उस वक्त चार या पांच एम0 ए0 एफ0 करवा सकते थे लेकिन आपने इस इ ू को और

चण्डीगढ़ के इ ू को अदालत में ले जाकर महसूस किया कि जो कुछ दिया गया था वह ठीक है.....

श्री वीरेन्द्र सिंह: चोधरी बंसी लाल ने हमारे हाथ कटवा दिये थे। उन्होनं 3.5 एम0 ए0 एफ0 पर दस्खत कर रखे थें

चौधरी सुरेन्दः आपने यह बात अपने वक्त में कभी उठाई ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त की सरकार और दूसरे सभी लोग यह महसूस करतें हैं। कि पंजाब सरकार इस कैरियर चैनल को नहीं बना पाएगी ओर न ही आज के हालात में पंजाब सरकार का इस चैनल को बनाने में कोई इट्रैस्ट है। इसलिए मैं इस मामले में केवल एक सुझाव दूंगा। और मेरी हरियाणा सरकार से दरखास्त हैं कि हरियाणा सरकार केन्द्रीय सरकार से अर्ज करे कि इस केरियर चेनल को या तो बी0बी0एम0बी0 बनाए या ब्यास कंस्ट्रक ान बोर्ड बनाए। इस में तीनों प्रान्तों का हिस्सा है—दिल्ली का भी है, हरियाणा का भी हैं ओर पंजाब का भी है। अध्यक्ष महोदय, हमारा वि वास हैं हमारी आस्था हैं कि जब आटोनोमस बौडी के पास या किसी बोर्ड के पास इसके निर्माण का काम होगा तो यह हम परसू कर सकते है। इन भाब्दों के साथ मैं इसका समर्थन करता हूं।

श्री हीरा नन्द आर्य: आन ए प्वायट आफ आर्डर । रूल 84 के तहत इसी विशय पर कल के लिए मैने एक मो ान दी गई है। वह कल रहेगाी या आज ही खत्म हो जायेगी?

श्री अध्यक्ष: वह सैरपेट है।

चौधरी रो ान लाल आर्य (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 के प्रस्ताव के ऊपर सदन विचार कर रहा है। इस पर मैं यह कहना चाहूंगा हक वर्तमान सरकार एस0 वाई0 एल0 के काम को पुरा करने में पूरी तरह से असमर्थ रही है। हरियाणा के अन्दर एस0 वाई0 एल0 का जो पो र्न बना हुआ है। उसमें ट्यबवैल्सज का पानी डाला जा रहा है। और इसी तरह से कुरूक्षेत्र ओर करनाल के हिस्से में ट्यूबबैवल द्वारा पानी आगमैन्टे ान कैनाल में डाला जा रहा है। जिसमें कोई खास लाभ नहीं हो रहा हैं इस इलाके में ग्राउड वाटर बहुत नीचे चला गया। हैं जिसकी कारण किसानों को 45–45 फुट तक गहरी खुदाई करनी पड़ती है। और मोटरों को गांउड लैवल के नीचे रखना पड़ता है। जब लोग नीचे मोटरें रखने जाते हैं तो उन को जहरीली गैस चढ़ती है जिसके कारण लोग मर जाते है। जहरीली गैस और बिजली के करन्ट लगने की वजह से 35 बेगुनाह गरीब किसानों की मौत हो चुकी है। हरियाणा के ये इलाके दुनिया भी में रिकार्ड का धान पैदा करते है। लेकिन मेरी सरकार से रिकवैस्ट हैं कि सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करे। रादौर, भााहाबाद, इन्दी, थानेसर जैसें कई इलाकों में पानी काफी नीचे चला गया हैं इन मे नहरी पानी दिया जाय ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके। हरियाणा के ये इलाके गेंहू और जीरी की फसल सारे हिन्दोस्तान में रिकार्ड तोड़ पैदा करते हे। उस फसल को बचाया

जायें। अगर सरकार ने इस तरफ गम्भीरता से विचार न किया तो इसके भयंकर परिमाण हो सकते है। इसी पानी के सिलसिले मै एक एक्सपर्ट कमेटी बना दी थाी जिसने रिकमैन्ड किया था कि हरियाणा को 4.8 एम0 ए0 एफ0 पानी मिलना चाहिऐ लेकिन हरियाणा और पंजाब दोनों स्टेटों को 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी बराबर बराबर मात्रा में दिया गया था। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जो हिस्सा हरियाणा को दिया जाय। उसको बढायगा। अपने भोयर को बढवाने के लिये केन्द्र सरकार पर जोर दिया जाय सरकार ओर यह सदन केन्द्र सरकार को पुरजोर भाब्दों में रिकमैन्ट करे किवे इस फैसले पर पुनर्विचार करके हरियाणा का हिस्सा ओर बढाया जाये। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा हिन्दोस्तान का एक बहादुर प्रदे ा हैं और इस प्रदे ा के किसान और मजदूर सभी मेहनती है। अगर हरियाणा के लिए पानी की मात्रा बढ़ जाएगी तो सारे प्रदे ा का समूचित विकास हो सकेगा। एस0 वाई0 एल0 का मामला कोई साधारण मामला नहीं है। यह हरियाणा के लोगों के लिये जिन्दगी और मौत का सवाल है। अगर यह प्रोजैक्ट सफल हो जाये। तो मै समझता हूं कि हरियाणा मे एक नयी किस्म की क्रान्ति आ जाएगी और हरियाणा 100 वर्श आगे बढ़ जायेगा। लेकिन एस0 वाई0 एल0 का काम पंजाब सरकार साईट से डिले हो रहा है। यह डिले इसलिये हो रही हैं कि हरियाणा सरकार ने भाायद इस मसले को कभी गम्भीरता से नहीं लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि जब किसी कौम या प्रदे ा ने किसी लक्ष्य को प्राप्त करना होता है तो उसे कोई न

कोई कुर्बानी देनी पड़ती है। इसलिये हम को चाहिये कि हम तो मिलकर अपनी कमर कस ले और इस काम के पीछे पड़ जायैं। सभी 90 के 90 एम0 एल0 एज0 कस्सीये ले कर सरकार के साथ हाथ बटाये। सरकार के पास हर तरह की म ाीनरी हैं और दूसरे साधन है। ताकि पंजाब सरकार को इस बात का एहसास हो जाए कि हरियाणा के नौजवान अपने हाथ से भी काम करना जानते है। किसी दूसरे पर निर्भर नही रह सकते । अगर इस काम को करते हुए 90 के 90 एम0 एल0 एज0 मर भी जायेगे तो भी कोई बात नहीं हैं। इस काम को बाद मै दूसरे लोग संभाल लेगें नई विधान सभा संभाल सकती है। अगर ऐसा कदम उठाऐगें तो हरियाणा का नाम इतिहास में बडे गर्व के साथ लिखा जायेगा। स्पीकर साहब, आपको याद होगा जब दे ा की आजादी का माहौल बना था उस वक्त भगत सिहं जैसे कितने ही भाहीदों को अपनी जान से हाथ थोना पड़ा। फांसी के फंदे पर लटकने के लिये वे लोग तैयार हो गये थे ताकि किसी न किसी तरह दे ा को आजादी मिल जाये। अगर इसी प्रकार हम सब हरियाणा निवासी मिल कर कोई प्रण ले लेगे। तो यह काम कोई मु कल नही हैं कुछ विना कारी तत्व भी बीच में ही भाामिल होते है। ऐसे लोंगो से बचना चाहिये। हमारे पास एक्सपर्ट इंजीनियर्ज हैं जो हर तरह का प्रोजैक्ट तैयार कर सकते हैं। इसलिये हमें चाहियें कि सब मिलकर हाथ मे कस्सियां लेकर वहां जाकर खुदाई का काम भाुरू करें। अगर सरकार सच्चे दिल से यह काम करना चाहती हैं तो सारा काम हो जाता है। अगर गोल मोल बात करेगी तो कोई काम होने वाला

नहीं है। सरकार के ऊपर हमें इसलिये वि वास नही हैं कि चौधरी भजन लाल जो वायदा करते है। उसे पूरा नहीं करते। मेरे हल्के में कम से कम 50–100 नींव पत्थर रखे हुऐ है। जिनके ऊपर इनका नाम चमक रहा है। लेकिन वे सारे प्रोजेक्ट पूरा होने का नाम तक नहीं लेते हालांकि उन का उद्घाटन हो चुका है। ऐसे पत्थरों को रखने का क्या लाभ है? यू ही लोगों को गुमराह करने वाली बात हैं इसलिये सरकार को गम्भीरता से इस मामले पर विचार करना चाहिये।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, अगले तीनों रेजोन्यू ान बहन चन्दावती जी की तरफ से मेरी तरफ से और चौधरी नेकी राम जी की तरफ से है। ये सभी प्रस्ताव एस0 वाई0 एल0 पर ही है। इनका सबजैक्ट मैटर भी एक है। अगर आपकी इजाजत हो तो इन पर भी एक ही साथ डिसक्स कर ली जाये सभी को कल्ब करके इकट्ठी डिसकशन हो जाये तो बेंहतर होगा।

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, एज पर प्रोसीजर एक ही रेजोल्यू ान पर बोला जा सकता है। एस0 वाई0 एल0 पर बोलने के सभी इच्छुक है। ठीक है। सबजेक्ट मैटर एक ही है पर एक वक्त पर एक ही रैजोल्यूशन पर डिस्क ान हो सकती है।

श्री लक्षमन (**कालका**): अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही इम्पोंटैन्ड रेजोल्यूसन है। अभी आर्य साहब ने बोलते हुए यह कहा कि इस हाउस के सभी अपोजीसन और ट्रेजरी बैन्चिज के 90 के

90 एम0 एल0 एज0 कस्सियां उठायें और नहर की खुदाई का काम भाुरू करे। स्पीकर साहब, यह बड़ा ही नामुकिन हैं। यह कैसे हो सकता है। धमीजा साहब जैसे मैम्बर भी हमारे बीच में हैं वे क्या कस्सी उठायेगें? मेरे विचार में यह उनके बस की बात नहीं हैं। स्पीकर साहब, इसमे कोइ भाक की बात नहीं हैं हम यह कहे बगैर भी नहीं रहे सकते कि हमारी माननीय प्रधान मंत्री महोदया ने 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी हरियाणा के लिये मकसूद किया हैं इसके लिये हम उनके बड़े म ाकूर हैं तीनों स्टेटों के चीफ मिनिस्टर्ज का एक सांझा एग्रीमैंट इस बारे में हुआ था। स्पीकर साहब, मेरी दिलचस्पी इसमें ओर कही भी ज्यादा हैं क्योकि जिस इलाके से मेरा सम्बन्ध हैं उसकी जमीन सदियों से प्यासी है। आप जानते हैं वैस्टर्न यमुना हमाने इलाके में से गुजरती हैं लेकिन अम्बाला को उसका एक फुट पानी भी नहीं मिलता। कालका, छछरौली, नारायणगढ़, सढौरा वगैरह के जो इलाके है। वे सभी फुट हिल पर हैं लेकिन पानी की कमी की वजह से कहत हैं हम तो यह चाहते हैं कि जितनी जल्दी पानी की कमी की वजह से कहत हैं हम तो चाहते हैं कि जितनी जल्दी पानी आ जायेगा भाायद हमें भी कुछ हिस्सा मिल जायेगां स्पीकर साहब, अगर इस रेजोल्यूसन को गोर से पढे तो सभी दोस्तों को पता चलेगा। कि एक लीगल एग्रीमैन्ट पर प्रधान मंत्री इन्दिरा गांधी जी के सामने हरियाणा पंजाब ओर राजस्थान तीनों राज्यों के मुख्य मंत्री ने दस्खत किये थे। कि इस काम को पंजाब के इंजीनियरर्ज करेगें। मेरे साथी सभी मैम्बर मुतफिक होगें कि अगर हम एक नये परपज के साथ नये इ ाू को

भारत सरकार के सामने लेकर के जायेगें और यह कहेगें कि हरियाणा के पास अपने इजीनियरर्ज हैं। आप यह काम हमें सौप दे। हम स्वयं ही करेगे। तो वह पहले अपना ऐंग्रीमैन्ट दोबारा ओपन हो जायेगा। पंजाब और भारत सरकार को री–ओपन करने का एक बहाना सा मिल जायेगा। जिससे इस काम में और डिले होगी जब ये पहले ही हमारा पैसा लेकर काम नहीं करना चाहते तो फिर हम उनको एक और मोका टालने का क्यों दें? यह मेरी अपनी ऐप्रीहैंन्शन हैं स्पीकर साहब, साल सवा साल के बाद उधर पार्लियामैंट के इलैक ान होगें इधर 1985 में पंजाब में इलैक्सन होगे। पंजाब वालों को एक और बहाना मिल जायेगा। कि हमारी स्टेट के अन्दर इलैक्सन है। इसलिये हम यह काम करने के लिये असमर्थ है। इस काम में हमारी सरकार की कोई कोताही नहीं है। सरकार ने बड़ी कोि ा ा की है। मैं भी इस सरकार में था सरकार ने वाकई ईमानदारी के साथ कोि ा ा की कि एस0 वाई0 एल0 का मसला जल्द से जल्द हल हो। हमने उनको पैसे भी दिये हैं अब वे और पैसा मांग रहे हैं और बहाना बना रहे हैं कि हरियाणा सरकार पेसा नहीं देती। वे पैसा स्टाफ पर ओर पो ा औफिसज पर खर्चा करना चाहते हे। मै सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि इस बारे में वह कदम उठाए। इसका पोलिटिकस लैवल पर सैटलमैट हो सकता है। जजबात में आकर सैटलमैट नहीं हो सकता। पंजाब की अकाली पार्टी ने जो लागू इ ू उठा रखा है। उस लाइटली नहीं लेना चाहिएं। इसमें राइपेरियन राइट का एक लीगल आसपैक्ट हैं जिसके बारे में सुप्रीम कोर्ट में फैसला हो

चुका है। हरियाणा कोई पंजाब से अलग नहीं हैं बल्कि पंजाब का छोटा भाई है। पंजाब राजस्थान के साथ झगडे डाले बैठा है। इसलिये इन सारी बातों को लीगल आसपैक्ट से सोचना चाहिएं। उस एगीमैंट पर तीनो चीफ मिनिस्टर्ज के दस्खत हैं आया उस एग्रीमैंट को री–ओपन करना चाहिए या नहीं। पंजाब के लोग तो चाहेगें ही कि रफ्फड़ डाल लो। बहुत सारे आदमी कहते हैं कि हम उनका रास्ता बंद कर देगें यह बात कभी भी होने वाली नहीं हैं हमें यह इ ा सैंट्रल गवर्नमैंट यानी श्रीमती इन्दिरा गांधी के साथ टेक अप करना चाहिए। इसका पोलिटिक्ल सैटलमैट होना चाहिए। हरियाणा की जनता इस काम में डिले पसन्द नहीं करती। एग्रीमैट को री–ओपन करना मेरी अपनी राय में मामला डिले करने वाली बात हैं। आप ही बताएं पजाब में जाने कि लिये क्या हरियाणा का कौन इंजीनियर हिम्मत करेगा या कौन ठेकेदार हिम्मत करेगा? वहां का वातावरण मुखतलिफ हैं जिसके बारे में आप रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं इसलिये में चीफ मिनिस्टर्ज साहब से दर्खास्त करूंगा कि इस मसले का पोलिटिक्ल सैटलमैंट करे। जब तक ऐसा नही होगा तब तक इस नहर के खुदने का मुझे खद ाा है। इस मामले में मेरा इन्ट्रैस्ट सब से ज्यादा है और मैं चाहता हूं कि यह नहर जल्द से जल्द कम्पलीट हो। अगर हमने कोई पोलिटिक्ल सैटलमैट न किया ता वे बहाना बनाते ही रहेगें कि पैसा नहीं देते हम नहर कैसे बनाये। आप उनको चाहे 50 करोड़ रूपया ओर दे दो वे यह रूपया भी स्टाफ पर खर्च कर देगे। हमारी तरफ जो नहर खुदी है वह भी 5–7 सालों में बन्द हो जायेगी क्योकि उसमें

सिलट और मिट्टी भर जायेगी। पंजाब सरकार भी ऊपर से बात करती हैं। लेकिन अन्दर से वह भी नही चाहती कि यह नहर खुदे। जैसे बहिन चन्द्रावती ने कहा कि पार्लियामैंट की इलैकसन तक पजाब वाले कुछ नहीं करेगे। मेरा भी खद ाा हैं कि पार्लियामैंट के इलैक्शन तक कुंछ नही होगा। एक इंच भी नहर नही खुदेगी। हमारा भविश्य भी अम्बाला की तकदीर से बा–वास्ता समय हैं इसलिये सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि जितनी जल्दी यह काम हो सके करवाया जायें। इस समय हरियाणा को 100 करोड़ रूपये सालाना नुकसान हो रहा है। अन्त में मैं यही कहूंगा कि अगर इस रैज्योल्यूसन में कोई लीगल आसपैक्ट न हो तो इसे पास कर दिया जाये।

श्री राम बिलास वर्मा: स्पीकर साहब, मेरा प्यावट हैं हमारे माननीय सदस्य सरदार लक्षमण सिंह ने एक बार तो इस प्रस्ताव की मुखालफित की लेकिन बाद में आपसे दर्खास्त कर रहें है। कि इसे पास कर दिया जाय। हमउन्हे समझ नहीं सके।

श्री लक्षमण सिंह: मैने यह कहा कि अगर इसमें कोई लीगल आसपैक्ट नहीं है। तो पास कर दिया जाये।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हंसी): स्पीकर साहब, श्री फतेह चन्द विब ने जो प्रस्ताब हाउस में रखा है। वह बहुत अच्छा हैं। यह ठीक हैं कि हरियाणा की किस्मत इस नहर के साथ जुडी हुई है। जबतक यह नहर पंजाब के एरिया में नही खुद जाती तब तक

हरियाणा निवासी परे ाान रहेगे। यह काम करने मे कुछ बाधाएं है। इसमें इतना जरूर होना चाहिए कि इस काम पर सैटर सरकार का कन्टोल हो। हमें कोई एतराज नहीं हैं कि पंजाब के हिस्से में बनने वाली नहर पर पंजाब इजीनियरर्ज काम करते रहें लेकिन इस पर कंट्रोल सैट्रंल गवर्नमैट का होना चाहिऐ और इस के साथ ही साथ हरियाणा सरकार को भी देख भाल करने की इजाजत होनी चाहिए इतना रूपया लेकर उन्होने अब तक कुछ भी काम नही किया है। मेरे साथी एक तरफ तो कह रहे थे कि पानी की मात्रा बढ़नी चाहिए और दूसरी तरफ कहते हैं कि नहर जल्दी खुदनी चाहिएं मुझे यह बात समझ नही आई कि वे पानी की मिकदार बढवाना चाहते हैं या नहर जल्दी खुदवाना चाहते हे? एक मेरे साथी ने यहां तक कह दिया कि अगर 90 के 90 मैम्बर भी खत्म हो जाये तो कोई बात नहीं हैं। वे अपने ब्यानों की तरफ ध्यान नही देते। अपोजीशन की नेता बहिन चन्दावती ने कहा था कि हमारे वर्कर वहा कस्सी लेकर जायेगे लेकिन आज तक किसी ने कस्सी नही चलाई। इसका श्रेय हमारी पार्टी की नेता श्रीमती इन्दिरा गांधी को जाता है। जिन्होनें बाकायदा कस्सी मारी ओर नहर का उद्घाटन किया।(हंसी) मेरे भाई भाोर कर रहे है। बात तो मजाक की है कि अगर इनमें से किसी भाई ने ट्ट्टी पे ाब जाना हो तो ये वाक आउट का बहाना बना लेते है। इसी तरह से इस नहर के बारे में भी इन्होनें एकबात सोच रखी हैं कि किसी को सच्ची बात नहीं कहने देनी। ये खुद अढ़ाई साल तक राज करते रहे उस समय तो कुछ नहीं किया लेकिन आज कहते हे कि

अगर पानी न आया तो हरियाणा के खेत धूंल में उड़ जायेगें। आज हमें कहते है। कि इस्तीफे दे दो क्या उस समय इनहोने इस्तीफे दे दिये? भजन लाल जी ने इस मसले का फैसला करवाकर नहर का उद्घाटन करवाया। यह मैं जानता हूं कि नहर खोदने के जितना समय नि चत रखा गया था उस के अन्दर नही खुद सकी। पंजाब में हालात ओर किस्म के चल रहे हैं लेकिन फिर भी हमें उम्मीद हैं कि श्रीमती इन्दिरा गांधी ने हरियाणा के लोगों को जो वि वास दिलाया है उसके मुताबिक यह नहर खुदेगी। जो लोग पानी प्रान्त करने के लिये कुछ नही कर सके। आज उनको भाोर करने का कोई हक नहीं हैं। (ाोर) स्पीकर साहब, मैं आपसे यह अर्ज कर रहा हूं कि जो रेजोल्यू सन हाउस में पे ा किया गया हैं मैं उस बारे के सच्चाई कहने मे कोई कोताही नही करूंगा। मैं इस बात के लिए सरकार को बधाई देता हूं कि चौधरी भजन लाल जी ने हरियाणा के लोगों के हित को ध्यान मे रखते हुए 1981 में 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी दिलाने का फैसला किया था। ऐसा फैसला पिछली सरकार नही कर सकी। पंजाब को एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई के लिए हरियाणा सरकार ने 20 करोड़ रूपया दिया हुआ है। इस सरकार की जितनी तारीफ की जाये थोडी है मुझे पूरी आ ाा है कि अब भी हरियाणा सरकार एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई के काम मे पूरी कोि ा ा करती रहेगी ओर हरियाणा की जनता को उनके हिस्से का पानी दिलवाने मे कोई कोताही नही करेगी इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं ।

चौधरी ई वर सिंह (पुन्डरी): स्पीकर साहब, श्री फतेह चन्द विज ने जो रैजोल्यू ान पें ा किया है उस पर चर्चा हो रही है। मैं इस रैजोल्यू ान के भाग प्रथम जिसमें उन्होने कहा हैं कि पंजाब सरकार एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई में कुछ विलम्ब कर रही है। इसलिये उस नहर की खुदाई का काम पंजाब सरकार से वापिस लिया जाये। और उसके निर्माण का काम हरियाणा को सौपा जाये। का समर्थन करता हूं जहां तक रैजोल्यूसन कि दूसरे भाग का संबंध है। जिसमें उन्होनें कहा हे कि इस नहर के निर्माण कार्य में विलम्ब के कारण कोस्ट बढ़ गई हैं उसको पंजाब सरकार द्वारा वहन किया जाये मैं इस भाग के साथ सहमत नहीं हूं (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, 1960 में हिन्दुस्तान ओर पाकिस्तान के बीच इन्डस वाटर वेली हुई उसमें रावी, ब्यास ओर सतलुज तीनों नदियों का पानी हिन्दुस्तान को दिया गाया । उस समय हरियाणा ओर पंजाब एक ही स्टेट होती थी इसलिए हरियाणा भी उस सारे पानी में हिस्सेदार हैं जब 1966 में हरियाणा प्रान्त पंजाब प्रान्त से अलग हुआ तो हरियाणा को उनके हिस्से का पानी नहीं मिला। वेसे कुछ पानी इस्तेमाल हो रहा है। और कुछ अब भी पाकिस्तान की ओर जा रहा है। हरियाणा भी कुछ पानी इस्तेमाल कर रहा हैं लेंकिन हरियाणा के हिस्से में जितना पानी आना चाहिए था उतना नही मिला हैं पूरा पानी नहीं मिला है। वह उस वक्त मिल सकेगा जब एस0 वाई0 एल0 नहर का निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा। जिस समय चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे उस समय प्रधान मंत्री

श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने यह फैसला किया था कि 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी हरियाणा को मिलेगा ओर इतना ही पानी पंजाब को मिलेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, कुछ माननीय सदस्य यह कहते है। कि 1981 में जो एग्रीमैंट हुआ था उस एग्रीमैट के मुताबिक हरियाणा के हिस्से का पानी काट कर पंजाब को दे दिया हैं लेकिन ऐसी बात नहीं हैं इस पानी में राजस्थान का भी बराबर का हिस्सा हैं राजस्थान के हिस्से का पानी पंजाब के हिस्से में भाामिल होने के कारण उनका पानी बढ़ गाया होगा यानी राजस्थान के हिस्से में से पंजाब को कुछ एडी ानल पानी मिल गया होगा।

श्री कंवल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं माननीय सदस्य कह रहे हैं कि हरियाणा के हिस्से का पानी नही काटा गाया है। भाायद इनको यह पता नही हैं कि 15. 85 एम0 ए0 एफ0 पानी में से हरियाणा का हिस्सा 3.5 एम0 ए0 एफ0 था लेकिन इस समय हरियाणा को बढ़े हुए 17.17 एम0 ए0 एफ0 पानी में से सिर्फ 3.5 एम0 ए0 एफ0 मिला है।

चौधरी ई वर सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, प्रंधानमंत्री जी ने सारे दे ा को देखना हैं किसी एक पार्ट को नहीं देखना हैं सारा दे ा एक हैं हर स्टेट अपने हक के लिय लड़ती हैं जैसे एक कवि ने कहा है–

चमन जार सियासय खामो ा मौत हैं बुलबुल,

यहां की रस्में वफा आह वो फुगां तक हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा के जो व्यक्ति चीफ मिनिस्टर रह चुके हैं वे अपने हक के लिए लड़े है। ओर अपना हक लेने में कामयाब हुए हैं कुछ दिन पहले अपोजीसन के भाईयों ने यह भी कहा था कि पंजाब में अकाली दल एजीटे ान कर रही हैं। इसलिए पता नहीं वे क्या कुछ हासिल कर लेगे। आपने पहले भी देखा होगा कि उन्हे क्या कुछ मिला हैं हमारी पंधानमंत्री जी का स्टैड बहुत मजबूत हैं और हमें पूरा वि सास हैं कि वे हरियाणा के हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगी ओर कर रही है। श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने कहा कि हरियाणा प्रांन्त को पंजाब से अलग किया था। ज्वायंट पंजाब के समय आप जानते है कि हमें नौकरियों में कितना हिस्सा मिलता थां। और हमारे हरियाणा के एरिया में उस समय कितनी डिवैल्पमैट हुई थी यह आप सबको पता हैं जहां तक इमो ानल होने की बात हैं ऐसे फैसलों में इमो ानल की बात नही होती। जो भी फेसला किया जाता है। वह सारे दे ा का हिसाब लगा कर किया जाता है। प्रधानमंत्री जी ने एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में जो फैसला किया है। वह ठीक है। ओर हरियाणा सरकार उससे सहमत है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी की सरकार रही है और उनके साथ श्री प्रका ा सिंह बादल के साथ काफी अच्छे ताल्लुकात थे। उस समय चौधरी देवी लाल जी कहते है कि प्रका ा सिंह बादल और वे इकट्ठा जा कर एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई का उद्घाटन करेगे। उद्घाटन के लिय तारीख भी मुकर्रर हो गई थी लेकिन उद्घाटन नही हो सका। हमारे दे ा की प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा

गांधी ने चौधरी भजन लाल जी के साथ जा कर कपूरी गांव में एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई का उद्घाटन किया है। वहां पर लैड ऐक्वीजी ान की कार्यवाही चल रही है। अब जो भी काम करना है। वह सैन्टर गवर्नमैट न ही करना है। हमे पूरी आ ाा है कि नहर की खुदाई का काम अव य पूरा होगा। नहर का जो हिस्सा हरियाणा में पड़ता है उस पर पहले ही काफी पैसा लगा हुआ । पंजाब के जिस एरिया में नहर बननी हैं उस पर जितना पैसा खर्च करने की आव यकता होगी वह पैसा दिया जायेगा। ओर नहर की खुदाई का काम पूरा होगा । हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ओर सुरजेवाला उस नहर के निर्माण के लिए पूरी कोि ा ा कर रहे है। ओर इनको कामयाबी अव य मिलेगी। इन भाब्दों के साथ में आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि.....(ाोर एवं विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मंत्री जी अभी जवाब नहीं दे सकते। अभी तो ओर मैम्बरों ने बोलना है।(ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: डिप्टी स्पीकर साहब, मै जवाब नही दे रहा हूं मैं भी माननीय सदस्यो की तरह इस

प्रस्ताव पर अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं मैं इस रैजोल्यू न का जवाब नही दे रहा हूं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे बोलने के लिए पुरा समय दिया जाए मेरे इलाके मै एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी पहुचानें के लिए सारा इलाका खोद कर रख दिया हैं सारी उपजाऊ जमीन खराब कर दी लेकिन वहां पर एस0 वाई0 एल0 का पानी नही पहुचा। इसके बावजूद भी ये श्रीमती इन्दिरा गांधी की तारीफ कर रहे है। इस प्रस्ताव पर मुझे अपने विचार प्रकट करने के लिए समय दे।(ाोर)

श्री मंगल सैन: डिप्टी स्पीकर साहब, मंत्री जी इस विभाग के इंचार्ज हैं वे इस प्रस्ताव पर कैसे बोल सकते हैं, उनकी तो जवाब देना चाहिए? (ाोर)

श्री उपाध्यक्ष: इस प्रस्ताव का जवाब तो पता नही मंत्री जी देगें या मुंख्य मंत्री जी देगें, but he can take part in the discussion.

चौधरी भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव का जवाब मै दूगा। मुझे इस बारे में कुछ बातें ओर भी कहनी है। इस प्रस्ताव पर बोलते हुए कुछ माननीय सदस्यों ने अबोहर फाजिल्का के बारे में भी बातें कही है। मैं उनके बारे में भी जवाब दूंगा।

श्री मंगल सैन: उपाध्यक्ष महोदय, दो मिनट के लिए राम बिलास जी को बोल लेने दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः अगली बार बोल लेगे। यदि पार्टीवाइज देखा जाये तो अपोजी ान को ज्यादा समय दिया गया है।(ोर)

सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, इनको अभी बैठा दीजिए क्योकि राम लीला भुरू होने से समय रहता हैं

श्री मंगल सैनः रामलीला के अन्दर आपको विभीशण का रोल दिला देगे।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः यदि राम बिलास जी रामलीला के अन्दर राम का रोल करने के तैयार है तो मुझे भी कोई सा रोल दे दें मैं उसके लिए तैयार हूं ।(हंसी)

श्री मंगल सैनः यदि ऐसी बात है तो आप फिर सीता का रोल करने के लिए तैयार हो जाये।

चौधरी भजन लालः हम तो सोचते थे कि डा0 साहब ब्रहाचारी है लेकिन अब इनका इरादा भाादी का लगता हैं ।(हंसी)

श्री मंगल सैनः हम तो ब्रहाचारी है ही लेकिन नाटक में सब कुछ करने को तैयार है। (हंसी)

श्री हीरा नन्द आर्यः सी0 एम0 साहब ने तो कई भादियो करवाई है।(हंसी)

चौधरी भजन लाल: आप धीरज रखे आपकी भी करवा देते है।(हंसी भाोर)

श्री उपाध्यक्ष: श्री भाम ोर सिंह जी आप अपनी स्पीच रखे।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव पर 10–12 सदस्य रूलिंग पार्टी ओर विरोधी पार्टी की तरफ से बोले है। मुझे इस बात की बेंहद खु ाी हैं कि सभी साथियों ने राजनैतिक से ऊपर उठ कर इस में भाग लिया ओर बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव सदन के सामने रखे तथा बहुत ही अच्छी चर्चा की है। यह चर्चा हरियाणा की तमाम जनता की राय का एक प्रतिबिम्ज हैं जो हाउस में दोनों तरफ के सदस्यों ने की हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं मुकम्मल जवाब देना नही चाहता क्योकि अभी इस प्रस्ताव पर और चर्चा होनी है। जो दो चार बाते मैम्बरों ने जरूरी कही है। जिनका उतर देना जरूरी समझता हूं इस प्रस्ताव पर बोलते हुए सरदार लछमन सिंह जी ने रिपेरियत राईटस का सवाल उठाया है। इस मामले में मैं इनको बताना चाहूगा कि हरियाणा का केस इस दि ाा में बहुत मजबूत है। मै सक्षेंप मे यह कहूंगा कि इस पानी पर रिपेरियन राइटस के लागू होने के कोई औचित्य नहीं हैं क्योंकि यह ट्रीटी वाटर है। फिर हरियाणा कोई पडौसी स्टेट भी नहीं है। हरियाणा पहले पंजाब की एक भाग था इसलिए लीगल राय के हिसाब से भी हम मजबूत हैं। सरदार लक्षमण सिंह ने एक सवाल इस मामले के ऐग्रीमैट को

रैज्योल्यू न द्वारा रि–ओपन करने का उठाया है। रैज्योल्यूसन में यह बात कही गयी कि हरियाणा सरकार भारत सरकार से कहे कि इस नहर की खुदायी के काम में तेजी लायी जाये। या फिर किसी और के जिम्मे लगा दे इसलिय इस एग्रीमैंट के रि–ओपन करने की जरूरत है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस एग्रीमैट की क्लाज 5 है। उसको मैं पढ़ देता हूं यह बड़ी संक्षेप सी क्लाज हैं इसमें लिखा है–

"The agreement reached in para 1 to 4 above shall be implemented in full by the Governments of Haryana, Rajasthan and Punjab. If any signatory State feels that any of the provisions shall be agreement are not being complied with, the matter shall be referred to the Central Government whose decision shall be binding on all the States. In this respect Central Governments shall be completed to issue such directions or take such measures as may be appropriate to the circumstances of the case to facilitate and ensure such compliance. "

श्री लक्षमण सिंह: इस बारे में तो में सही कहूंगा कि यह बहुत ही कलीयर हैं लेकिन इसके लिए मेरा सुझाव हे। कि हरियाणा सरकार को केस डे–टू–डे परसू करना चाहिए ताकि पंजाब के लोग बिना वजह इस काम में डिले न करे।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक परसू करने की बात है, उसके बारे मे मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि सी0 डब्लयू 0 सी0 के चेयरमैन और टैक्नीकल

कमेटी के साथ हमारे आफिसर्ज की 6 बार मीटिंगज हो चुकी हैं। यूनियन इरीगे ान सैक्रेटरी के साथ भी तीन मीटिगें हो चुकी है। उन मीटिंगों के अन्दर समय समय पर हमारे आफिसर्ज ने ये सारे मुद्दे उठाये है। आखिर मे जब हरियाणा सरकार की यह राय बनी कि पंजाब सरकार इस मामले में बड़ी कोताही कर रहीं है। और जानबूझ कर देरी कर रही है। तब यह मामला मुख्य मंत्री ने पत्र द्वारा जुलाई के महीने में प्रधानमंत्री का ध्यान तमाम बातों की ओर आकर्शित किया। हमने प्रधानमंत्री का ध्यान एग्रीमैट की क्लाज–5 को इन्वोक करने की ओर आकर्शित किया है। प्रधान मंत्री से प्रार्थना की है कि आप इस मामले मे स्वयं यानि भारत सरकार इस एग्रीमैट को इम्पलीमैट करवाये। हमने यह भी कहा कि बी0 एम0 बी0 या बी0सी0बी0 या कोई सैन्ट्रल एजेंसी जिसमे पंजाब हरियाणा और गवर्नमैट आफ इन्डिया के लोग भामिल हैं इस नहर की खुदाई के काम को देखे। इसके अलावा मुख्य मंत्री महोदय ने जुबानी तौर पर भी यह मामला कई बार प्रधान मंत्री के साथ उठाया है कि यह मामला हरियाणा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

श्रीमती चन्दावती: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। आप पंजाब में हरियाणा के इन्जीनियर्ज को कम से कम डैपूटेसन पर भेज दे ताकि वहां से तनख्वाह अपने इन्जीनियर्ज को मिले। इस तरह डैपूटेसन पर अपने इन्जीकिनयर्ज भेजने से काम मे कोई अडचन नही आयेगी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: यह तो मै नही कह सकता कि हमारे इन्जीनियर्ज वहां पर जायेगें। लेकिन बहरहाल बी0 एम0 बी0 या बी0सी0बी0 मे हमारे इजीनियर्ज पहले ही मौजूद है। इसीलिये कोई नई आर्गेनाइज ान बनाने की जरूरत नहीं है। एक बात का यहां पर जिक्र किया गया। यह बात पंजाब सरकार की तरफ से छुपी। पंजाब के मुख्य मंत्री ने कहा है कि हमें हरियाणा से पैसा नही मिल रहा इसलिए नहर की खुदाई में कोताही रही है। इस बात का स्पस्शटीकरण में हाउस को देना चाहता हूं कि पिछले सालों में हमने पंजाब सरकार को साढे बीस करोड़ रूपया नकद दिया हैं इस पैसे का संक्षेप विवरण इस प्रकार है कि 11–11–76 को हरियाणा सरकार ने एक करोड़ दिए, 30–3–89 को एक करोड़ रूपये, 11–12–82 को 2 करोड़ रूपये, 25–2–82 को चार करोड़ रूपये, 20–8–82 को 7.50 करोड़ रूपये और 18–10–82को पांच करोड रूपये दिए है। इसके अलावा 95 लाख रूपये की म ाीनरी खरीद कर दी है। डिप्टी स्पीकर साहब, पंजाब सरकार ने इस रूपये मै से इस साल के अप्रैल के अन्त तक केवल 13.50 करोड़ खर्च किए है। पंजाब सरकार ने यह सारा पेसा सिर्फ आर्गेनाइजे ान पर यानी वहां की एस्टैब्लि ामैट पर जो तीन हजार आदमी लगाये हुऐ है उन पर खर्च किया है। इस के अतिरिक्त इस पैसे में से कुछ म ाीनरी और कुछ व्हीकल परचेज की गई है। कुछ मैटिरियल भी परेचज किया है। बाकी पैसा उन्होनें अपने पास रखा हुआ हैं। हमने यह एतराज उठाया कि जो बैलेस अमाउट आपके पास है, उस को अपने किसानों को उस

जमीन के कम्पनसै ान का दीजिए जिनकी जमीन आपने एक्वायर करके कब्जा ले लिया है। यदिउनका कम्पनसै ान नहीं दिया गया तो भाायद वे अपना कब्जा वापस ले लें। जब हमने यह देखा कि सवा साल से अधिक समय हो गया है लेकिन नहर का काम नहीं हो रहा और सारा पैसा एस्टिब्ले ामैंट पर ही खर्च किया है तबक हमने एतराज किया। हमने कहा कि यह तरीका ठीक नहीं। इस पर उन्होंने यह भी कहा कि यह सारे का सारा रनिंग अकाउंट है। हमारे से जब कभी पंजाब सरकार ने पैसा मांगा हने बिना मांगे दिया। हम आनी तरफ से नहर की खुदाई के लिए पूरे उत्सुक है। हमने यह कहा कि पैसे का अधिकतर भाग किसानों को कम्पनसें ानल देने में खर्च करो ताकि जमीन की कोई दिक्कत न रहे। जहां तक आफिसर्ज की तनख्वाह का सवाल है, उसके बारे में कहा कि हम तनख्वाह कापैसा बराबर देंगे लेकिन आप नहर की खुदाई का काम भाुरू करें। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि नहर के लिए रूपये की कमी का कोई सवाल नहीं है। हरियाणा सरकार ने इस साल 30 करोड़ रूपये इस नहर की खुदाई के लिए रखे हैं। हमने पंजाब सरकार को बार बार कहा है कि आप नहर के काम को तेजी से पूरा करें और जितनापैसा आपको चाहिए, वह हम से ले लें। लेकिन पंजाब सरकार को बार बार कहने पर भी उन्होंने काम नहीं किया। इन सारे वाक्यात को ध्यानमें रखते हुए हरियाणा सरकार इस नतीते पर पहुंची कि पंजाब सरकार इस काम को जानबूझ कर टाल रही है। इस मामले को मुख्य मंत्री जी ने जुबानी तौरपर भी प्रधान मंत्री के साथ उठाया था।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात बार बार चौधरी वीरेन्द्र सिंह और मंगल सैन ने उठायी है कि यदि दो सारल के अन्दरअन्दर नहर की खुदाई का काम पूरा नहीं होगा तो आप भी इस्तीफा दे दें और हम भी इस्तिफा दे देते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस मामले में मेरे पास असैम्बली की प्रोसिर्डिज मौजूद हैं और मैंने इनको पढ़ने की भी कोि ा ा की है। मुख्य मंत्री जी ने खुद मुझे बताया कि उन्होंने कभी यह बात नहीं कही कि अगर नहर दो साल में पूरी नहीं हुई तो इस्तीफा दे दूंगा, लेकिन इन्होंने यह बार बार जरूर कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि नहर दो साल में पूरी हो जायेगी। यह बात कहने का कारण यह था कि इसी एग्रीमैंट में एक और क्लाज है, मैं हाउस की जानकारी के लिए इसको पढ़ देता हूं। इसमें लिखा हैः—

"The Sutlej Link Project shall be implemented in a time bound manner so far as the canal and pertinent work in the Punjab Territory are concerned within a maximum period of two years."

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि जो कुछ ये पढ़ रहे हैं, इसके बारे में उस दिन का टेप रिकार्डर भी सामने रखा जाये और इन भाब्दों को मिला लिया जाए कि यह बात सही है या गलत। (व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: Let him complete. (व्यवधान)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः डिप्टी स्पीकर साहब, डा0 साहब कई दिनों से चर्चा कर रहे थे एक प्रिविजिज मो ान का, जिसकी स्पीकर साहब ने इजाजत नहीं दी। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी हाउस में मेरी स्पीच जो बजट सै ान की 16मार्चा को दी गई थी, पेज 22 के ऊपर है, इसमें से मैं कुछ अं ा पढूंगा जो इस प्रकार हैः—

'जैसा आपको मालूम है, सरकार भी चाहती है और हरियाणा के लोग भी चाहते हैं कि नहर जल्दी बने। अगर किसी इंडिपैडेंट म ाीनरी की जरूरत समझी गई तो उसको भी दिया जा सकता है और गवर्नमैंट आफ इंडिया हरियाणा सरकार को भी दे सकती है। हमारे मुख्य मंत्री इस बारे में कई बार कह चुके हैं कि काम में देरी हो रही है और मैं मानता हूं कि यह काम बी.बी.एम. बी. को भी दिया जा सकता है .....'

डा. साहब, जो बात आप कहते हैं वह यहां नहीं है। (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे दोस्त 16 मार्च का जिकर कर रहे हैं, इसमें नहीं है। मेरा क्वै चन है 17 मार्च का, उसके जवाब में कहा है कि 50 लाख क्यूसिक एकड़ फीट धरती खुद चुकी है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः 50 लाख क्यूसिक फीट मिट्टी खुद चुकी है। जीरो से 3 किलोमीटर तक काम हुआ

है। यह मैं आज भी कहता हूं और उस दिन भी यही कहा था, लेकिन इसके बाद कोई मिट्टी नहीं खुदी है।

Mr. Deputy Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow, the 16th September, 1983.

13.30 बजे

(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Friday, the 16th September, 1983)